RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2013-2016
Despatch Date - 02 January, 2016

अंक - 7 (मासिक) वर्ष - 11 जनवरी, 2016 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

राजनीति के राज ऋषि
श्याम जाजू

सेवा के ब्रह्मऋषि
रतनलाल नौलखा

उद्यम के महर्षि
सत्यनारायण नुवाल

MAHESHWARI OF THE YEAR 2015

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2015

मुख्य चुनाव अधिकारी बने
प्रकाश बाहेती

सृजन सेतु

देवी अहिल्या की नगरी में फहरेगा
माहेश्वरी शक्ति का ध्वज
9-11 जनवरी, 2016

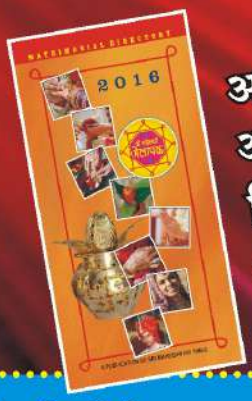

अब फिर
आएंगे
रिश्ते
आपके द्वार

श्री माहेश्वरी मेलापक

FREE REGISTRATION AT
www.srimaheshwarimelapak.com

श्री माहेश्वरी मेलापक 2016
लोकार्पित

जिनके स्नेह की छाया ने दिये हमेशा
हमें खुशियों के पल
व
जीवन की उन्नति की दुआएं.

उन परम श्रद्धेय

श्री रामकुमार-उर्मिला टावरी

को उनके विवाह की

गोल्डन जुबली

(50 वीं वर्षगांठ) की

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

❖

टावरी परिवार एवं स्नेहीजन.

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

अंक-7 जनवरी, 2016 वर्ष-11

प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री जोधराज लड्ढा (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)

अतिथि सम्पादक
रामानन्द माहेश्वरी (बहादुरगढ़)

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा)
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

- श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
- सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

MAHESHWARI OF THE YEAR 2015

माहेश्वरी ऑफ द ईयर 2015

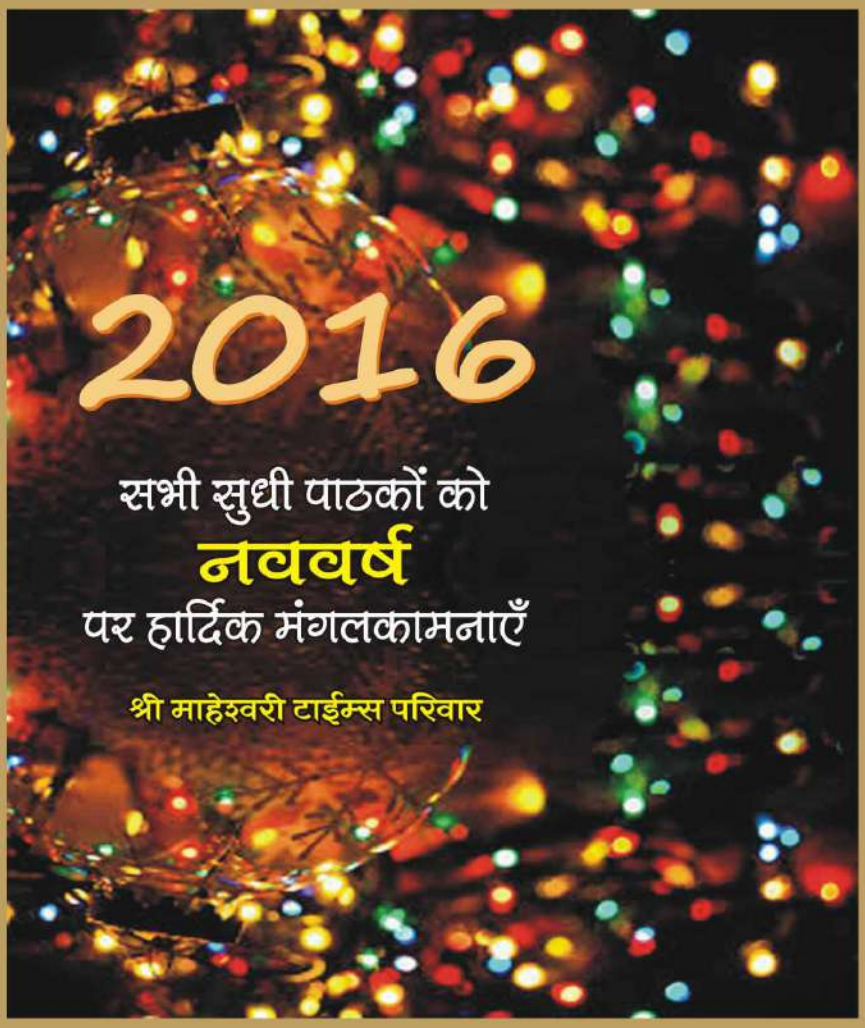

समर्पण का सम्मान

आपको यह बताते हुए पुलकित हैं कि इस वर्ष के श्री माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान ऐसे व्यक्तित्वों को प्रदान किये जा रहे हैं, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में प्रतिमान स्थापित किए हैं। इस सफर में उनसे कुछ लर्निंग लेने जैसी बात है तो वह है, अपने काम के प्रति-समर्पण भाव। इसलिए यह कहना ज्यादा उपयुक्त है कि यह समर्पण का सम्मान है। निश्चित ही यह ऐसा गुर है जो व्यक्ति को खास मुकाम तक पहुँचने में ज्यादा मददगार होता है। कहते हैं जो पेड़ आंधी में झूक जाते हैं, वह ही बच पाते हैं। यह झुकाव कायरता नहीं है, अपितु परिस्थितियों के अनुसार अपने आप को ढ़ाल लेने की कला है। जो व्यक्ति परिस्थितियों को अपने अनुसार बदलाता है, वहीं वास्तविक सफलता है।

भीलवाड़ा के रतनलाल नौलखा का समाजसेवा में जो नाम है, उससे ज्यादा उनकी लोकप्रियता उनके व्यक्तित्व के कारण भी है। उन्होंने अपने लक्ष्य को पाने के लिए समर्पित भाव रखा। इसी कड़ी में राजनीति में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद को विभूषित कर रहे श्याम जाजू के व्यक्तित्व से हम सब भलीभांति परिचित है। राजनीति आज जिस ढर्रे पर चल रही है, ऐसे में स्वच्छ ,सामाजिक और सकारात्मक-राजनीति की अपेक्षा श्याम जाजू जैसे समर्पित राजनेताओं के बूते की ही बात रह गई है, जिनसे नई पीढ़ी को सीख लेना चाहिए। अपने कर्म के प्रति समर्पण के प्रतिमान स्वरूप सौलर ग्रुप के चेयरमैन सत्यनारायण नुवाल है। ''शून्य से शिखर का मुहावरा'' उनके जैसे व्यक्तित्वों के लिए ही बना है। नुवाल ने अपने आप को उद्योग जगत में जिस मुकाम तक पहुँचाया है, उसके पीछे अपने कर्म के प्रति उनका समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। ऐसे व्यक्तित्वों को श्री माहेश्वरी ऑफ द ईयर सम्मान की घोषणा करते हुए हम अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

यह तो हुई अपनी बात कुछ समाज में चल रहे विचार मंथन पर भी गौर करें। मेरा संकेत अ.भा. माहेश्वरी महासभा की बैठक की ओर है। इस बैठक का एजेण्डा भले कुछ घोषित किया गया लेकिन चर्चा यही है कि अब महासभा के अगले चुनाव का बिगुल बज चुका है। महासभा की मौजूदा कार्यसमिति की उपलब्धियों और असफलताओं का आंकलन समाज में शुरू हो गया है। महासभा के अगले चुनाव के लिए एक बार फिर समाज में ऐसे व्यक्तित्वों की तलाश शुरू होगी, जिनसे समाज अपेक्षा रख सकता है। निश्चित ही महासभा समाज की अग्रणी संस्था है और समाज का नेतृत्व करती है, तो समाज यह उम्मीद रखता है कि वह समाज को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध होगी। चुनाव ऐसा मोड़ है जहां आकर दावेदारों को अपने आपको तोलना जरूरी हो जाता है। हालांकि जिम्मेदारी मतदाताओं की है कि वे उनके हाथों में बागडोर दें, जिनसे अपेक्षाएं पूरी होने की आशा रखी जा सकती हैं।

यह अंक नववर्ष 2015 की पूर्व संध्या में तैयार करते वक्त अपने समस्त पाठकों को शुभकामनाएं देने का भाव तो मन में है ही, यह भी विचार आ जा रहे हैं कि हम नए साल में अपने पाठकों की कसौटी पर कैसे और खरे उतर सकते हैं हालांकि इस अंक में भी आप वह सब पाऐंगे जिसकी अपेक्षा आपको रहती है। नववर्ष की मंगलकामनाओं के साथ आपसे बस यही आग्रह है कि श्री माहेश्वरी टाइम्स को आपकी उम्मीदों के अनुसार और कैसे ज्यादा खरा उतार सकें? इसके लिए अपनी प्रतिक्रियाएं और सुझाव हमें अवश्य भेजें।

पुष्कर बाहेती

नई ऊर्जा का संचार करे नववर्ष

नववर्ष 2016 का आगाज हो चुका है। सर्वप्रथम सभी समाजजनों को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाऐं देना चाहूँगा और साथ ही भगवान महेश से कामना करता हूँ कि समाज व समाज संगठन में नवीन ऊर्जा का संचार करें। यह वर्ष समाज के लिये ऐसा नया सवेरा लेकर आये जिसमें हर वर्ग के लोग समाज की मुख्यधारा से सम्बद्ध होकर अपनी पूर्ण ऊर्जा से समाज व राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे सकें, ऐसी आशा करते हैं।

हमें यह कहने में हमेशा गर्व होता है कि हम ''माहेश्वरी'' हैं। ऐसा इसलिये क्योंकि माहेश्वरी समाज ने हमेशा ही न सिर्फ समाज के लिये बल्कि राष्ट्र के लिये भी अपना अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन योगदानों की कहानियों से इतिहास भरे पड़े हैं। माहेश्वरी जहाँ रहे उस परिवेश को न सिर्फ स्वयं ने ही स्वीकारा बल्कि उस क्षेत्र के विकास में भी अपना सदैव योगदान दिया। वर्तमान में भी विश्व के जिस देश में भी ''माहेश्वरी'' हैं, वे उस देश के विकास में भी अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

अपनी इस विकास यात्रा का सूत्रधार अपने शीर्ष संगठन ''अ.भा. माहेश्वरी महासभा'' को कहते हुए हमें जरा भी संकोच नहीं। आखिर यही देश का एक मात्र सबसे पुराना एक ऐसा सामाजिक संगठन है, जिसने देश के स्वतंत्रता आंदोलन में भी अपना योगदान दिया है। देश की कई विकास योजनाऐं भी महासभा से प्रेरित होकर ही प्रारम्भ हुईं। इन सबके बावजूद वर्तमान में महासभा जिस स्थिति से गुजर रही है, वह अत्यंत दुःखद है। यदि गत वर्षो की स्थिति देखें तो यह संगठन लगभग निष्क्रिय हो गया है। महासभा का कर्त्तव्य सिर्फ संगठन का चुनाव करवाना, निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा हार पहनना और परम्परा की तरह जबरदस्ती महासभा की बैठकों का औपचारिक रूप से आयोजन करना मात्र नहीं है। वास्तव में तो देश की सरकार की तरह यह संगठन तो समाज के उत्थान के लिये उत्तरदायी है।

इस नववर्ष की बेला में मैं समाज के सभी प्रबुद्धजनों से अनुरोध करना चाहूँगा कि व्यवस्था में ऐसा सुधार करें, जिससे आगामी महासभा चुनाव में महासभा को निःस्वार्थ भाव से समाजहित के लिये कार्य करने वाले समाजसेवियों को अवसर मिल सके, चाहे वे सम्पन्न हों या न हों। सिर्फ पद लालसा रखने वालों की पहचान कर उन्हें संगठन से दूर रखना होगा। अन्यथा संगठन का यदि पतन हुआ तो इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

रामानन्द माहेश्वरी
अतिथि सम्पादक

समाजसेवा के क्षेत्र में एक समर्पित नाम श्री रामानन्द माहेश्वरी का जन्म हरियाणा में रेवाड़ी जनपद के ग्राम 'नीमोठ' में स्व. सेठ श्री बिहारी लाल माहेश्वरी के पुत्र स्व. सेठ श्री प्यारेलाल माहेश्वरी के यहाँ दूसरे पुत्र के रूप में 21 अगस्त 1943 को हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा तथा बाल्यकाल ग्रामीण परिवेश में बीता। 16 वर्ष की उम्र में ही कलकत्ता आ गये। सोमानी ग्रुप के हिन्दुस्तान सेनेट्री वेयर, बहादुरगढ़ (हरियाणा) में 25 वर्ष तक श्रम अधिकारी तथा तिरूपति सेरेमिक्स में दस वर्ष तक वर्क्स मेनेजर के रूप में कार्य किया। जिन्दगी का शेष समय समाज सेवा को ही अर्पण कर दिया। आप हरियाणा-पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष हैं और 1995 से अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के कार्यकारी मण्डल के निरंतर सदस्य हैं। बहादुरगढ़ (हरियाणा) माहेश्वरी जिला सभा के (1998 से 2005 तक सतत) आठ वर्षो तक अध्यक्ष एवं 1998 से 2005 तक लगातार हरियाणा पंजाब प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रादेशिक महामंत्री रहे। बहादुरगढ़ माहेश्वरी जिला सभा व माहेश्वरी सभा कम्युनिटी सर्विस ट्रस्ट को 36 वर्षों से सभा व ट्रस्ट के सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष, अध्यक्ष जैसे पदों पर सेवा दे रहे हैं। आप 2003 से अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य व हरियाणा प्रदेश के सचिव भी हैं। आप सह सम्पादक माहेश्वरी इन्टरनेशनल, प्रदेश प्रभारी अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी फोरम, उपाध्यक्ष रेजीडेन्ट वेलफेयर एसोसिएशन सेक्टर 9 ए बहादुरगढ़ तथा आजीवन सदस्य श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर और अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की सामाजिक आचार संहिता एवं अनुशासन के रूप में भी सेवा दे रहे हैं। आपकी पत्नी श्रीमती शशि माहेश्वरी भी सामाजिक कार्यों में व्यस्त रहती हैं और पुत्र अरविन्द माहेश्वरी मिनिस्टर ऑफ फर्टिलाइजर में अधिकारी हैं।

श्री दधिमती माताजी

श्री दधिमती माताजी बाहेती, डागा, असावा, चेचानी, मणियार, होलानी, कचौलिया, जाखेटिया, ईनानी, लोया, गिलड़ा, पलौड़ एवं लखोटिया खाँप की कुलदेवी है। इसके अतिरिक्त दधिच ब्राह्मण, चौधरी एवं जाट समाज वाले भी इन्हे अपनी कुलदेवी मानते हैं।

दधिमति माता 52 शक्तिपीठों में से एक (कपाल शक्तिपीठ) है। माताजी का मंदिर राजस्थान में नागौर जिले के जायल तहसील के छोटे से गाँव गोठ मांगलोद में स्थित है। ग्राम गोठ मांगलोद जायल तहसील से 12 किलोमीटर तथा नागौर जिले से लगभग 40 किलोमीटर दूर है। माताजी का मंदिर भव्य एवं आकर्षक रूप लिये लगभग 4 बीघा क्षेत्रफल मे फैला हुआ है। मान्यता है कि आज से लगभग 2 हजार वर्ष पूर्व माता ने एक चरवाहे को आकाशवाणी रूप में अपने प्रकट होने का संदेश सुनाया। इसके तत्काल पश्चात बिजली की गड़गडाहट एवं शेरों की गर्जना के साथ-साथ माताजी ने धरती में से प्रकट होना शुरु किया। इसी बीच चरवाहे के डरकर भागने के कारण माता वर्तमान स्वरूप (शीर्ष स्वरूप) में ही स्थापित हो गई। दधीची ऋषि से भी जुड़ी हुई कई घटनाएँ बताई जाती हैं। अतः माता का नाम दधिमती माता तथा कुण्ड का नाम दधिची कुण्ड पड़ा। मंदिर परिसर में दो कुएँ है जिनका जल निर्मल एवं मीठा है, जबकी बाहर स्थित कुओं का जल खारा है।

मंदिर परिसर में ही रहने एवं ठहरने की व्यवस्था है। इसके साथ ही भोजन की व्यवस्था भी है, जिसमें की आप 15 रु. प्रति व्यक्ति के हिसाब से शुद्ध वैष्णवी भोजन प्राप्त कर सकते है। मंदिर के पास ही सुन्दर एवं भव्य धर्मशाला बनी हुई है, जिसका किराया न्यूनतम है। मंदिर परिसर में एक यज्ञशाला भी है। मंदिर परिसर में माताजी की अखण्ड ज्योत जलती रहती है।

आरती पूजन

माताजी का मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ 24 घंटे खुला रहता है। प्रातः 5.30 बजे मंगला आरती और 11 बजे अभिषेक, संध्या 7.30 बजे आरती एवं रात्रि 9.30 बजे शयन आरती की जाती है। माताजी को दाल-बाटी एवं चुरमे का भोग लगाया जाता है तथा दूध से अभिषेक किया जाता है।

कैसे पहुँचें

ग्राम गोठ मांगलोद जयपुर से लगभग 300 कि.मी. तथा अजमेर से लगभग 110 किलोमीटर दूर स्थित है।

विमान द्वारा जयपुर पहुंचकर यहां से बस, किराये या स्वयं के चौपहिये वाहन द्वारा यहां पहुंचा जा सकता है।

यदि आप ट्रेन से जाना चाहते हैं तो ट्रेन द्वारा अजमेर पहुंचकर यहां से बस, किराये या स्वयं के चौपहिये वाहन द्वारा यहां पहुंच सकते हैं।

नैनं न छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः ॥

स्व. श्री लक्ष्मीनारायण मणियार

■ जन्म :16.10.1935 ■ देहावसान : 05.11.2015

न रहा आपका साथ
लेकिन.....
आपकी मधुर स्मृतियाँ
करती रहेंगी मार्गप्रशस्त

श्रद्धावनत-

धर्मपत्नी : श्रीमती राधा देवी मणियार
भाई : रामनिवासजी मणियार (रेन, राजस्थान)
बहू : पार्वती देवी मणियार (जलगाँव, महाराष्ट्र)
पुत्र-पुत्रवधू : जुगलकिशोर-प्रेमलतादेवी मणियार, कैलाशचंद-ललितादेवी मणियार, कन्हैयालाल-सरोजदेवी मणियार, शिवकुमार-आशादेवी मणियार
पुत्री-दामाद : मधुदेवी-पुरुषोत्तमजी बांगड़, मंजूदेवी-भगवानदासजी सारड़ा,
पौत्र-पौत्रवधू : विजयकुमार-संगीता मणियार, विनयकुमार-नम्रता मणियार, विशाल कुमार-पूजा मणियार
पौत्री-दामाद : वर्षा-प्रमोदजी गिलड़ा
दोयता-बहू : अभिषेक-दीपिका सारडा, कृष्णा बांगड़
पड़पौत्र-पड़पौत्री : नैना, प्रार्थना, ऐश्वर्या, आकाश, गौरव तथा सम्पूर्ण परिवार।

प्रतिष्ठान

मणियार रिफायनरी (प्रा.) लिमिटेड

गगणपाहड, हैदराबाद (तेलंगाणा राष्ट्र)
फोन : 040-24549950,040-24549947,0404-65309825
09849010631,09849038253
ई-मेलः maniyaroils@gmail.com

श्री ऐश्वर्या रिफायनरी (प्रा.) लिमिटेड

चोटउपल, नलगोडा (तेलंगाण राष्ट्र)
फोन : 040-24255850,040-24544851,फैक्सः040-24544847
09885261000, 09885090122
ई-मेलः aishwaryaoils@gmail.com

श्री लक्ष्मीनारायण कैलाशचंद मणियार

16-2139/ए-1 दयानंद नगर मलकपेठ हैदाराबाद-36 (तेलंगाणा राष्ट्र)
फोन : 040-24544770

लड़के–लड़कियों के रिश्ते ढूँढ़ना हुआ बेहद आसान
हमारी Website है इसका सही समाधान

रिश्ते ही रिश्ते

High Status, Middle Status
NRI, Manglik, Non Manglik
Bio-Data MBA, MCA, Doctor,
Eng. Bio-Data CA, CS,
ICWA Bio-Data

Graduate,
Post Graduate Bio-Data
Professional Bio-Data
Businessman Bio-Data
Service Class Bio-Data

वैवाहिक रिश्ते

माहेश्वरी समाज के लिए 60,000 से अधिक
जैन समाज के 70,000 से अधिक
अग्रवाल समाज के 1,00,000 से अधिक

Registration Free

Website:
www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agarwal2agarwal.org

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110 060
Phones: 011-25746867, 09312946867

सृजनशीलता को पंख लगाऐगा "सृजन सेतु"

आगामी 9 से 11 जनवरी तक अ.भा. माहेश्वरी महिला अधिवेशन से सजेगी देवी अहिल्या की नगरी

इन्दौर। अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा आगामी 9 से 11 जनवरी तक इन्दौर में माहेश्वरी महिला अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रोफेशनल व विभिन्न क्षेत्रों की सृजनशील सदस्याओं सहित 3 हजार से अधिक महिलाओं के शामिल होने की सम्भावना है।

उक्त जानकारी देते हुए संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा ने बताया कि माहेश्वरी समाज की रग-रग में ही उद्यमिता व्याप्त है। इसमें माहेश्वरी महिलाएं भी पीछे नहीं हैं, बस वर्तमान में कमी है, तो उन्हें पर्याप्त अवसर देने की। इस आयोजन में समाज की ऐसी महिलाओं की व्यावसायिकता एवं क्रियाशीलता को प्रोत्साहन देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिये पर्याप्त अवसर प्रदान किया जाएगा। इसके लिये एक वृहद् औद्योगिक मेला भी लगेगा, जिसमें माहेश्वरी महिलाओं के उत्पादों को एक विशेष पहचान मिलेगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ 9 जनवरी 2016 को दोपहर 2.30 बजे ग्रांड ओमनी गार्डन, इन्दौर में होगा। उद्घाटनकर्ता सुमित्रा महाजन स्पीकर लोकसभा व पद्मभूषण राजश्री बिड़ला चेयरपर्सन-आदित्य विक्रम बिड़ला ग्रुप होंगी। मुख्य अतिथि सुभाष मूंदड़ा, (मुम्बई) डिप्टी गवर्नर, आर. बी. आई व रामपाल सोनी,(भीलवाड़ा) पूर्व अध्यक्ष महासभा होंगे। प्रधान अतिथि के रूप में जोधराज लढ़ा-अध्यक्ष महासभा व रामकुमार भूतड़ा महामंत्री महासभा उपस्थित रहेंगे। अध्यक्षता-सुशीला काबरा अध्यक्ष अ.भा. माहे. महिला संगठन करेंगी। विशिष्ट अतिथि-कमल भूतड़ा अध्यक्ष-अ.भा. माहे. युवा संगठन व मालिनी गौड़ महापौर इन्दौर होंगी।

विभिन्न कार्यक्रमों से सजेगा आयोजन

शोभायात्रा - 10 जनवरी प्रातः 7 बजे

- *शुभारम्भकर्ता*- समाजसेवी बी.डी. राठी व मंजूला मुछाल
- *प्रभारी*- राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शैला कलंत्री व आशा माहेश्वरी
- *प्रोफेशनल सेमिनार*- शुभारम्भ प्रातः 11 बजे
- *सम्माननीय अतिथि*- बद्रीविशाल माहेश्वरी (सीए), गीता मूंदड़ा (राष्ट्रीय पूर्व अध्यक्ष महिला संगठन), डॉ. हेमन्त मण्डोवरा (हड्डी रोग विशेषज्ञ)
- *देशभक्ति गीत प्रतियोगिता*- प्रभारी मंजू बांगड़ (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष)
- *सम्माननीय अतिथि*- पूर्व रा. अध्यक्ष मंजू बांगड़, समाजसेवी सत्यनारायण लड्ढा, सभापति मध्यांचल रामगोपाल मूंदड़ा, प्रदेशाध्यक्ष महेश तोतला।

टॉक शो - 10 जनवरी शाम 5 बजे

- *सम्माननीय अतिथि*- पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बिमला साबू, समाजसेवी रमाशंकर झंवर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा संगठन मधुसूदन भलिका।

घर एक मंदिर (नृत्य नाटिका)- 10 जनवरी रात्रि 8 बजे

- *प्रस्तुतकर्ता*- 27 प्रदेशों की 100 महिलाऐं।
- *सम्माननीय अतिथि*- विपिन माहेश्वरी (एडीजी इन्दौर पुलिस), समाजसेवी विशम्भर काबरा, पूर्व अध्यक्ष मनोरमा लड्ढा, संरक्षक रत्नादेवी काबरा, पुष्पा मूंदड़ा (रा. अध्यक्ष एफटीएस महिला समिति)।

फैशन कार्यशाला : 11 जनवरी प्रातः 10.30 बजे

- *मुख्य वक्ता*- सुप्रसिद्ध फैशन डिजाईनर निवेदिता साबू
- *संयोजक*- माधवी झंवर व अंजना बाहेती।

ट्रेजर हंट (द्वितीय राउंड)- 11 जनवरी प्रातः 9 से 10

वाद विवाद प्रतियोगिता : 11 जनवरी प्रातः 10 बजे

- *विषय*- "सोशल मीडिया मानव जीवन के लिये वरदान है।"
- *सम्माननीय अतिथि*- महासभा के पूर्व महामंत्री श्याम सोनी, पूर्व संयुक्त मंत्री अशोक डागा व समाजसेवी कैलाश काबरा (गुवाहाटी)।

ब्रेन हंट (फायनल राउण्ड) : प्रातः 11 बजे

- *सम्मानीय अतिथि*- पूर्व संगठन मंत्री महासभा-अशोक इनानी व पूर्व मंत्री म.प्र. शासन गोविन्द मालू
- *सूत्रधार*- राष्ट्रीय महामंत्री कल्पना गगड़ानी व ऊजास एनर्जी के ज्वाइंट एमडी अनुराग मूंदड़ा

ये रहेंगे आयोजन के कर्णधार

इस आयोजन के लिये समन्वय समिति बनी है जिसमें पुरूषोत्तमदास पसारी, कल्याणमल मंत्री, ओमप्रकाश पसारी, सत्यनारायण बाहेती, श्यामसुन्दर मून्दड़ा, राजेश सोमानी, किशन मून्दड़ा, भरत सारड़ा, अजय बियाणी, जगदीश भूतड़ा, अश्विन लखोटिया शामिल हैं। इसके साथ ही विभिन्न व्यवस्थाओं के लिये भिन्न-भिन्न समितियाँ बनी है, जिनमें उनके प्रभारी के नेतृत्व में समस्त संयोजक सम्बंधित व्यवस्था सम्भालेंगे। सरस्वती सारड़ा अर्थसंग्रह समिति, सुलेखा मालपानी पंजीयन व किट वितरण ,होटल प्रभारी सी.एम. माहेश्वरी व सुमित काबरा आवास व्यवस्था, अजय माहेश्वरी यातायात समिति, शरद साबू पाण्डाल समिति, सीमा मुछाल मंच व्यवस्था समिति, मधुसूदन भलिका प्रचार प्रसार समिति, सम्पादक विनिता जाजू व पुष्पा रमेश बाहेती स्मारिका समिति, उषा काबरा भोजन वितरण समिति, मंजू भलिका

परिणय पुस्तिका का होगा प्रकाशन

माहेश्वरी महिला महाधिवेशन 'सृजन सेतु' 'विवाह संबंध सहयोग समिति' द्वारा पूरे भारतवर्ष से एकत्रित किये गये विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय पत्र 'परिणय सन्देश' पुस्तिका में प्रकाशित किये जा रहे हैं। उक्त जानकारी देते हुए विवाह सम्बन्ध समति की संयोजक शर्मिला राठी (दिल्ली) ने बताया कि इस काम में ज्योति बाहेती (अकोला), राजकुमारी राठी (मुंबई), किरण तोषनीवाल(कल्याण), सुमित्रा काबरा, सुमन राठी (कोलकाता), लता मूंधड़ा (बीकानेर), सरला भट्टर (रायपुर), बिमला साबू (सूरत), कलावती जाजू (हैदराबाद), कमला मूंधड़ा (जोधपुर), सुशीला गांधी (अमरावती), शकुंतला मिमानी (गुवाहाटी), रमा सारडा (इंदौर), मीरा परवाल(रांची), इंदिरा चांडक (आगरा), पुष्पा राठी (नाथद्वारा), संगीता पलोड (भोपाल), सरोज दम्मानी, किरण लड्ढा (दिल्ली), नीलम भट्टड़ (दुर्गापुर) व मंजू भुराड़िया (रेवाड़ी) आदि का सहयोग प्राप्त हुआ। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन अध्यक्ष सुशीला काबरा, महामंत्री कल्पना गगडानी, निवर्तमान अध्यक्ष शोभा सादानी, बिमला साबू, उत्तराँचल उपाध्यक्ष मंजू बांगड़ व समिति प्रभारी कान्ता गगरानी का भी मार्गदर्शन मिल रहा है।

औद्योगिक मेला व्यवस्था, तनुजा न्याती सांस्कृतिक समिति, सुशीला लाठी हेल्प डेस्क (पूछताछ), श्रेष्ठा मालपानी कम्प्यूटर वेबसाइट समिति, राधेश्याम साबू स्वास्थ्य समिति, पंकज सोनी व नम्रता बियाणी प्रोफेशनल सेमिनार एवं आर.एल. माहेश्वरी व प्रकाश सोड़ानी शोभायात्रा समिति को प्रभारी के रूप में नेतृत्व प्रदान करेंगे। विभिन्न प्रतियोगिताओं की सहयोगी टीम में कल्पना बजाज, सीमा गगरानी, सुषमा चिचाणी, आशा भंडारी, उषा मोलासरिया, सुशीला मूंदड़ा, सुनीता मुछाल व प्रतिभा राठी शामिल रहेंगी।

प्रोफेशनल सेमिनार का आयोजन

भीलवाड़ा। जिला माहेश्वरी सभा की ओर से गत दिसम्बर को महेश शिक्षा सदन में प्रोफेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता हैदराबाद से आये रमेश परतानी थे। उन्होंने प्रोफेशनलिज्म क्या है उसके बारे में समझाया और व्यापार को बढ़ाने की टिप्स भी बताई। मुख्य अतिथि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर. एल. नौलखा ने की। शरद मंत्री ने व्यक्तित्व विकास एवं कम्यूनिकेशन स्किल्स के बारे में विस्तार से बताया। जोधपुर के संदीप काबरा, प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, महासभा के कार्यसमिति सदस्य देवकरण गग्गड़ आदि ने भी विचार व्यक्त किये। जिला अध्यक्ष जगदीश सोमानी ने स्वागत उद्बोधन दिया। जिलामंत्री कृष्ण गोपाल जागेटिया ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन देवेन्द्र सोमानी ने किया।

"समय 'न' लगाओ तय करने में, आप को करना क्या है,
वरना 'समय' तय कर लेगा कि, आपका क्या करना है।"

परवाल बने डीजीएस

जयपुर। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं बैंक ऑफ राजस्थान रिटायर्ड स्टॉफ सोसायटी के महामंत्री राधेश्याम परवाल ऑल इण्डिया बैंक पेन्शनर्स एन्ड रिटायरीज कन्फडरेशन (AIBPARC) के कोलकाता में गत 16 नवम्बर को सम्पन्न चुनावों में डिप्टी जनरल सेक्रेट्री निर्वाचित हुए। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

जयपुर ने किया चिकित्सक सम्मान

जयपुर। गत 29 नवम्बर को माहेश्वरी समाज जयपुर के इतिहास में प्रथम बार समस्त माहेश्वरी समाज के चिकित्सकों को आमंत्रित कर उनका सम्मान किया गया। इस अवसर पर माहेश्वरी बंधुओं द्वारा संचालित सभी हॉस्पिटल्स डायग्नोस्टिक सेन्टर एवं मेडीकल शॉप्स के संचालकों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम को क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा-सोड़ाला एवं श्री माहेश्वरी नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में मूर्तरूप दिया गया। इसमें लगभग 85 चिकित्सकों का मंच पर बुलाकर माल्यार्पण कर स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष बजरंग-लाल बाहेती ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि अपेक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. शिव-भगवान झँवर थे। अध्यक्षता हुकमीचंद मूंदड़ा ने की। माहेश्वरी समाज जयपुर के अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रदेश के मंत्री राजेन्द्र कुमार मंत्री ने भी समारोह को संबोधित किया।

"माहेश्वरी स्वयंवर" में तलाशे योग्य जीवन साथी

पूर्वी मध्य एवं पश्चिमी उ.प्र. माहेश्वर सभा ने किया परिचय सम्मेलन का आयोजन-सभी वर्गों के प्रत्याशी हुए शामिल

वृंदावन। योग्य युवक-युवती परिचय पूर्वी मध्य एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश माहेश्वरी सभा के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन "माहेश्वरी स्वयंवर" गत 19 एवं 20 दिसम्बर 2015 को वृन्दावन में आयोजित किया गया। इस प्राफेशनल एवं विशिष्ट प्रतिभागियों के अनुसार वर्गों में विभाजित किया गया था।

कार्यक्रम का शुभारंम्भ मुख्य अतिथि अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी ने किया। महेश वंदना एवं स्वागतगान की प्रस्तुति शिल्पा काहाल्या और उनके सहयोगी कलाकारो द्वारा दी गई। विशिष्ट अतिथि राम अवतार जाजू, रमेश बंग, रामगोपाल मूंदड़ा, संदीप काबरा, श्याम सोनी, कौशल किशोर पलतानी व अजय काबरा थे। अध्यक्षता विनोद माहेश्वरी (मोदीनगर) ने की।

सभी ने की सराहना

मुख्य अतिथि रामपाल सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की वर्तमान समय की आवश्यकता देखते हुए युवक-युवती को विवाह हेतु एक मंच उपलब्ध करवाना है। विशिष्ट अतिथि रामअवतार जाजू ने समाज के ट्रस्टों के माध्यम से की जा रही सहायता की जानकारी देते हुए समाज हित में प्रत्येक व्यक्ति से योगदान देने का आह्वान किया। संदीप काबरा ने कहा कि ऐसे कामों के लिये सभी को तत्पर रहना चाहियें। उद्घाटनकर्ता महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने उ.प्र. की प्रादेशिक सभा को सक्रिय रूप से समाज के राष्ट्रीय प्रकल्प लेने पर बधाई दी। महासभा के पूर्व महामंत्री श्याम सोनी ने

बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के भाग लेने पर बधाई देते हुए समाज की संस्थाओं के प्रयास की सराहना की। कोल इंडिया के उपक्रम नार्दन कोल फील्ड लि. के डायरेक्टर और कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक सीए संजीव माहेश्वरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि सभी को समाज के लिये थोड़ा वक्त जरूर देना चाहिये। इससे विकास के रास्ते खुलते हैं।

चार ग्रुप में हुआ आयोजन

जिला माहेश्वरी सभा आगरा के मन्त्री व कार्यक्रम के कार्यालय प्रमुख मनोज दुजारी ने बताया कि विवाह योग्य युवक और युवतियों का परिचय सम्मेलन चार ग्रुप में रखा गया। ग्रुप (ए) में ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, ग्रुप (बी) में विधुर-विधवा, कस्बा-ग्रामीण अंचल निवासी, अल्पशिक्षित, अधिक आयु, तलाकशुदा, परित्यक्त, ग्रुप (सी) में उच्च शिक्षित, प्रोफेशनल तथा ग्रुप (डी) में विशिष्ट प्रतिभागी-नेत्रहीन, सूरजमुखी, शारीरिक दोष, विकलांग आदि शामिल थे। इस अवसर पर प्रत्याशियों की जानकारी युक्त स्मारिका व डीवीडी का विमोचन भी मंचासीन अतिथियों ने किया। इसमें पंजाब, उड़ीसा, महाराष्ट्र, गुजरात, बंगाल, मध्यप्रदेश तक से नवयुवक और नवयुवतियों ने सहभागिता की। इनके साथ आये परिजनों ने भी अपने पाल्यों की जीवन साथी तलाशने में पूरी मदद की। अगले दिन 20 दिसम्बर को महेश वंदना व स्वागतगान की आगरा की कुसुम सांवल व सहयोगी कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

तिल बुटी

सामग्री। 100 ग्राम तिल, 200 ग्राम चिवड़ा, 100 ग्राम बारीक कटा पालक तथा अदरक, हरीमिर्च, लहसन का पेस्ट, 2 चम्मच हराधनिया, गरम मसाला, अमचूर, नमक, लालमिर्च स्वादानुसार, तेल तलने के लिये।

विधि। चिवड़ा पानी से धोकर निथाकर रखें। इसमें तेल छोड़कर सारी सामग्री मिला दें और अच्छी तरह मिक्स करें। नमी कम हो,तो पानी के छींटे दें। गरम तेल में सुनहरी तलकर चटनी के साथ पेश करें।

पूनम राठी
मो. 99700 57423

माहेश्वरी भाई-बहनों को नूतन वर्ष की
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

हनुमान दोडिया
जगदलपुर
मो. 094252 60196

॥ जय महेश ॥

सौ. आशा दोडिया
जगदलपुर
मो. 094242 81297

"दिल में बुराई रखने से बेहतर है
की नाराजगी जाहिर कर दो....
जहां दूसरों को समझाना कठिन हो
वहां खुद को समझ लेना ही बेहतर है।"

With Best Compliments from

Shree Trading Co.

Kirana & Dry Fruit Merchants

Spl. Manish Brand Kirana Packing & Bangalore Flora Batti, Agarbati

Agent : Sun & Suraj Brand Kesar

| Govind Narayan Ladda |
| Sarika Laddha |
| Rahul Laddha | Rohit Laddha |

Shop No. 93-C, Sri Krupa Market, Malakpet, **Hyderabad-36**
Phone : 65947722 (O), 65705388 (R)
Mobile : 92462 02131, 98482 47125

महेश पब्लिक स्कूल वार्षिकोत्सव

भीलवाड़ा। स्थानीय महेश पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव गत दिनों को आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां दी। अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक प्रदीपमोहन शर्मा एवं तटरक्षक बल के पूर्व उप महानिरीक्षक शरद मंत्री उपस्थित थे। छात्र-छात्राओं ने नृत्य, नाटक सहित विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभा प्रदर्शन किया। स्कूल प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी ने अतिथियों का स्वागत किया। माहेश्वरी सभा के पूर्व राष्ट्रीय सहसचिव देवकरण गग्गड़, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम सोमाणी, जिलाध्यक्ष जगदीश सोमाणी, नगर अध्यक्ष कैलाश कोठारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

Dalia's™
High in Quality, Rich in Taste

नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री निवास एंड ब्रदर्स
SRINIVAS & BROTHERS

किराणा एवं सूखे मेवे व सभी किस्म के मुरब्बे तथा अचार एगमार्क शहद उपवन ग्रेड-ए सच्चा मोती एगमार्क साबुदाना सुपर कोकिला मेहंदी

14-7-371/17, बेगम बाजार, राजाबहादुर बिल्डिंग के सामने, हैदराबाद-500012
फोन-24745570, 24606726, 24615438
e-mail : contact@dalias.in web : www.dalias.in

With Best Compliments from

KWALITY MARBLES
33/2147-A1, Near E.M.C. Hospital, N.H. Bye Pass, Palarivattom, Cochin-28
Ph. 0484-2805127

KRISHNA MARBLES
32/1950, Near Hotel Highway Garden, N.H. Bye Pass, Edappally, Cochin-24
Ph. 0484-2333806

| Manmohan Bagri - 93872 23171 | Vithal Bagdi - 93884 88502 | Dhamodar Bagdi - 99450 49726 |

W/S Dealers of : Marble, Granite, Ceramics, Sanitaryware, Gum, Designing Tiles

चैन्नई में माहेश्वरी समाज बना विपदा में सहारा

तन-मन-धन से सहयोग के लिये बढ़ाये आगे हाथ-देश के कई भागों से मिली आर्थिक सहायता

चैन्नई। गत दिनों चैन्नई में भारी बारिश महा विपदा बनकर सामने आई। इससे बनी बाढ़ की स्थिति ने एक प्रलयकाल जैसी भयावह स्थिति निर्मित कर दी। ऐसी स्थिति में माहेश्वरी समाज मुक्त हस्त से तन-मन-धन से बाढ़पीढ़ितों की मदद के लिये आगे आया।

श्री आदित्य विक्रम बिड़ला व्यापार सहयोग केंद्र की ओर से पद्मश्री बंशीलाल राठी ने भी देशभर के समाज संगठनों से सहयोग की अपील की गई थी।

गत 30 नवंबर से 2 दिसम्बर तक की अवधि चैन्नई निवासियों के लिये एक दुःस्वप्नकी तरह सामने आई। अचानक हुई बेमौसम भीषण बारिश ने जन जीवन को तहस-नहस करके रख दिया। कई मकानों में 10-15 फीट पानी भर गया। लाखों लोग बेघर हो गये न तो उनके पास पहनने के लिये कपड़ा था न ही खाने के लिये रोटी। ऐसी स्थिति में माहेश्वरी समाज चैन्नई अपने तमाम सदस्यों के साथ बाढ़पीढ़ितों की तन-मन-धन से सहायता के लिये आगे आया। इसमें देश के कई भागों से समाज संगठनों से आर्थिक सहायता प्राप्त हुई।

हजारों लोगों के बने मददगार

चैन्नई माहेश्वरी समाज अध्यक्ष भरत सारड़ा ने बताया कि इस विपदा के दौरान स्थानीय माहेश्वरी समाज ने सतत 10 दिन तक राहत कार्य चलाए। इसके अंतर्गत समाज के अन्ना, सागरपेठ व छिटपेठ स्थित समाज भवनों में पीढ़ितों को न सिर्फ आश्रय प्रदान किया गया, बल्कि इस दौरान लगभग 10-12 हजार भोजन के पैकेट, 1 लाख पानी की बोतल, दूध पावडर, तेल, मोमबत्ती, टार्च व दवाओं का सतत वितरण किया गया। बाढ़उतरने के बाद भी कई क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था के अंतर्गत ब्लीचिंग पावडर का छिड़काव करवाते हुए अतिप्रभावित लोगों को उनकी आवश्यकता की सामग्री के लगभग 650 किट का वितरण किया गया। 2-2 हजार रुपए लागत के इस किट में दो चटाई, दो चादर, एक लूंगी, एक शर्ट, एक साड़ी, एक नाईटी, एक मॉस्क्यूटोनेट व मेट, बच्चों के कपड़े, किराना सामग्री, मिल्क पावडर तथा बच्चों के स्कूल बेग से लेकर तमाम स्कूल स्टेशनरी आदि शामिल थी।

ये बने सहयोगी

समाज अध्यक्ष भरत सारड़ा ने इस विपदा के दौरान सहयोग देने वाले समस्त समाजजनों व समाज संगठनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस राहत कार्य में माहेश्वरी प्रगति मंडल मुंबई से एक लाख, कलकत्ता माहेश्वरी समाज से 86 हजार, अहमदाबाद व जैसलमेर से 45 हजार, इंदौर जैसल माहेश्वरी मंडल से 51 हजार, विजयवाड़ा माहेश्वरी समाज से 40 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। बैंगलोर माहेश्वरी समाज द्वारा 3 लाख व मदुराई माहेश्वरी समाज द्वारा 2 लाख 26 हजार रुपए का आर्थिक सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है। अमेरिका से नार्थ अमेरिका माहेश्वरी महासभा के अरुण मूंदड़ा ने लगभग 5 हजार डालर सहायता राशि एकत्र कर हर प्रकार से सहायता की पेशकश की गई थी, लेकिन विदेश से धन प्राप्ति की अनुमति न होने से सहायता प्राप्त नहीं की जा सकी।

ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

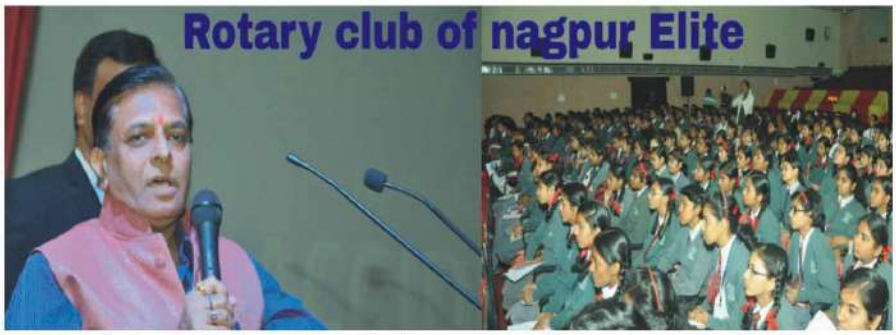

नागपुर। रोटरी क्लब ऑफ नागपुर ईलाईट द्वारा एक्सिडेंट फ्री नागपुर पायलट प्रोजेक्ट के तहत आर्मी स्कूल कामठी में ट्रैफिक अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन गया। इस कार्यक्रम में कक्षा 9 वीं व 10 वीं के करीब 450 बच्चों ने अपने पूरे स्कूल स्टॉफ के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रीक्ट के असिस्टेंट गवर्नर मनोहर गोलहर, रोटरी ईलाईट प्रेसिडेंट प्रशांत पिंपलवार उपाध्यक्ष व मुख्य सलाहकार शरद बागड़ी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. वंदना टोमे, को-प्रोजेक्ट डायरेक्टर सीमा तिवारी, सचिन देशमुख आदि ने भाग लेकर अपना पूरा सहयोग दिया। स्कूल के छात्रों ने पुष्पगुच्छ देकर अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य सलाहकार शरद बागडी ने अपने भाषण में बच्चों को समझाया कहा कि उनकी जिंदगी बहुत कीमती व बहुमूल्य है। माता-पिता, परिवार, समाज व देश को उनकी बहुत जरुरत है इसलिये ट्रैफिक रुल्स का पालन कर दुर्घटना टालना जरुरी है। स्लाईड शो के साथ एक्सिडेंट के कारण, एक्सिडेंट के बाद के भयानक परिणाम व एक्सिडेंट से बचने के उपायों की जानकारी भी दी गई।

प्रगति सुदा राष्ट्रीय स्पर्धा में

अमरावती। आगामी 6 से 9 जनवरी 2016 तक राष्ट्रीय शालेय "जीत कुने मे दो" स्पर्धा दिल्ली में आयोजित हो रही है। इसमें 17 वर्ष से कम आयु बालिका वर्ग में सतीश सुदा की सुपुत्री कु. प्रगति का चयन सातारा में हुआ है।

"परखता तो वक्त है,
कभी हालात के रूप में
कभी मजबूरियों के रूप में।
भाग्य तो बस आपकी
काबिलियत देखता है।
जीवन में कभी किसी से
अपनी तुलना मत करों
आप जैसे हैं, सर्वश्रेष्ठ हैं,
ईश्वर की हर रचना अपने आप में
सर्वोत्तम है, अद्भुत है।"

सेवा-सदन हुआ सम्मानित

पुष्कर। प्रतिवर्षानुसार पुष्कर मेला में सेवा-सदन द्वारा व्यवस्था में सराहनीय सहयोग प्रदान किये जाने पर पुष्कर मेला विकास समिति अजमेर की ओर से हीरालाल मीणा (उपखण्ड अधिकारी एवं सचिव, अजमेर) व डॉ. आरूषी मलिक जिला कलेक्टर अजमेर द्वारा सेवा-सदन को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान सेवा-सदन की ओर से प्रबन्धकारिणी-समिति सदस्य मधुसूदन मालू को मेला-समापन समारोह के अवसर पर प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि मेला व्यवस्थाओं में सेवा-सदन द्वारा हर वर्ष प्रशासन को सहयोग प्रदान किया जाता है। उक्त जानकारी श्री अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन महामंत्री सुनीलकुमार मूंदड़ा द्वारा दी गई।

संगीतमय अंताक्षरी का हुआ आयोजन

कोच्ची (केरल)। माहेश्वरी सभा के अंतर्गत माहेश्वरी महिला मंडल व माहेश्वरी युवा मंडल के द्वारा वृहद संगीतमय अंताक्षरी का आयोजन एक प्रतिष्ठित होटल में किया गया। पांच टीम ने इसमें भाग लिया और प्रत्येक टीम में दस खिलाड़ी थे। दर्शकों के लिए भी अंताक्षरी सम्बंधित प्रश्न थे, और सही उत्तर देने वाले को पुरस्कृत भी किया गया। इन पाँच टीम में विजेता टीम ''मिंत्री के सरगम'' रही। जिसके कप्तान महेश कुमार मिंत्री थे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश अग्रवाल व उनकी धर्मपत्नी रौनक अग्रवाल ने किया।

महिलाओं ने दिखाई स्वयंप्रभा

सांगली। महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान एवं जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं माहेश्वरी समता ग्रुप के संयुक्त आयोजकत्व में गत दिनों ''स्वयंप्रभा'' उद्योग मेला एवं कार्यसमिति की बैठक का आयोजन हुआ। इसमें 135 स्टॉल लगी और 1 लाख से अधिक लोगों ने इसे सराहा। समारोह में महाराष्ट्र माजी मंत्री पतंगराव कदम तथा स्थानीय आमदार, नगरसेवक एवं ममता मोदानी राष्ट्रीय उद्योगसमिति प्रमुख व शकुंतला मोहता राष्ट्रीय एमएसयू ब्राण्ड सचिव की उपस्थिति रही। रात्रि में दांडिया गरबा-संगीत, हररोज भव्य लकी ड्रा, 7 उत्तम स्टॉल को पुरस्कार, रंगोली आदि इसकी विशेषताएं रही। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र की 10 उद्यमी महिलाओं को ''तेजस्विनी'' अवार्ड देकर नवाजा गया व 4 जरूरतमंद महिलाओं स्वावलंबन हेतु सिलाई मशीन वितरित की गई। उक्त जानकारी जिला महिला संगठन अध्यक्ष राजकमल मर्दा ने दी।

गट्टानी बने महासचिव

उदयपुर। विकास समिति रामसिंह की बाडी के चुनाव गत दिनों सम्पन्न हुऐं। इसमें सर्वसम्मति से मुरलीधर गट्टानी महामंत्री निर्वाचित हुए। उल्लेखनीय है कि श्री गट्टानी अनेक सामाजिक एवं शैक्षिक संस्थाओं से जुड़े हैं और माहेश्वरी टाईम्स के उदयपुर प्रतिनिधि भी हैं।

स्कूली विद्यार्थियों ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

पुणे। शहर के कक्षा 9वीं तथा 10वीं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों शांतनु नावंदर, अश्विन राठी, मोहन राठी तथा प्रकर्ष कुमार ने व्यक्तिगत प्रयास कर पॅम्पलेट बाँटकर रक्तदान शिविर का आयोजन मॉडेल कॉलोनी स्थित लाहोटी होस्टल के राठी सभागृह में किया। इसमें उन्हें ''रक्ताचे नातें ट्रस्ट'' के राम बांगड़ का सहयोग मिला। इस शिविर में कुल 104 यूनिट रक्त संग्रहण हुआ। श्री बांगड तथा माहेश्वरी विद्या प्रचारक मंडल के अध्यक्ष अतुल लाहोटी सहित प्रदेश के संगठन मंत्री जवाहर बाहेती, पू. जि. माहे. प्रगति मंडल सचिव अनिल बिहाणी, महेश सेवा संघ के सचिव श्याम मूंदड़ा, त्रिंबक मूंदड़ा, राजेश राठी, माहेश्वरी पश्चिम परिवार के सचिव सुनील राठी तथा मनीष कासट आदि ने उपस्थित रहकर उत्साहवर्धन किया। सुरेश नावंदर, राहुल नावंदर, मंगल नांवदर, नमिता नावंदर, महेश राठी, सपना राठी, अनंत राठी, वैजयंती राठी तथा विद्यार्थियों के परिवार के अन्य सदस्यों ने भी सहयोग दिया।

"रोटियाँ
उन्हीं की थालियों से
कूड़े तक जाती है
जिन्हें अहसास नहीं होता
'भूख'
है क्या?"

"मरूधरा समागम" में हुआ सामाजिक समस्याओं पर चिंतन

अ.भा. माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति की बैठक का मदनगंज-किशनगढ़ में हुआ आयोजन

जालौर। मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के तत्वावधान व मदनगंज-किशनगढ़ माहेश्वरी सभा के आतिथ्य में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के 27 वें सत्र की पंचम कार्यसमिति की बैठक "मरूधरा समागम" गत 26-27 दिसम्बर को आर. के कम्युनिटी सेन्टर, मदनगंज-किशनगढ़ में आयोजित की गई। इसमें सामाजिक समस्याओं पर चिंतन प्रमुख मुद्दा रहा।

बैठक का उद्घाटन प्रातः 10.30 से 12 बजे तक महेश वंदना व सदस्यों के अभिनंदन के साथ हुआ। शुभारम्भ सत्र दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक आयोजित हुआ। इसमें संयुक्त मंत्री स्व. श्री देवकीनंदन सारड़ा आदि को श्रृद्धांजलि दी गई। सर्वसम्मति से स्व. श्री सारड़ा के स्थान पर सुरेश झँवर, मुम्बई को दक्षिणांचल संयुक्त सचिव मनोनीत किया गया। सभापति जोधराज लड्ढा ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। इसमें वृन्दावन व गुलबर्गा कार्यसमिति बैठकों की कार्यवाही व विधान की धारा 24 के अनुसार संयुक्त मंत्री के रिक्त स्थान की पूर्ति की स्वीकृति प्रदान की गई। चुनाव अधिकारी द्वारा प्रदेशों के शेष चुनावों की जानकारी प्रस्तुत की गई। अर्थमंत्री ने अंकेक्षित आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत की। 27वें सत्र की परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी हुआ। महासभा का वर्तमान कार्यकाल 6 माह बढ़ाया गया, लेकिन चुनाव की अन्तिम अवधि सितम्बर माह तय की गई है। महासभा की चुनावी अधिवेशन कोलकाता में आयोजित होने की सम्भावना है।

द्वितीय सत्र में सामाजिक समस्याओं पर चिंतन

प्रकाश बाहेती

द्वितीय सत्र में 26 दिसम्बर को ही दोपहर 3.30 से 7 बजे तक आयोजित हुआ। इसमें 28वें सत्र के लिये मुख्य चुनाव अधिकारी के पद पर प्रकाश बाहेती (खण्डवा) की नियुक्ति की गई। इसके साथ ही सामाजिक समस्याओं निरन्तर घटती आबादी, संगठनों में बढ़ती गुटबाजी, खान-पान, रहन-सहन में बढ़ती उच्छृंखलता, बढ़ती सगाई सम्बन्ध समस्याएं, निरन्तर टूटते रिश्ते-आपसी मुकदमेबाजी, अत्यधिक खर्चीले समारोह एवं बढ़ता प्रदर्शन, राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में घटता प्रभाव, सुदुर प्रदेशों में निवास कर रहे बन्धुओं में सुरक्षा की चिन्ता जैसे प्रमुख मुद्दों पर चिंतन हुआ। महासभा से मिलते-जुलते नाम से संगठन बनाकर समाज को भ्रमित करने के विषय पर विचार-विमर्श व महासभा को पंजीकृत करवाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

इन्होंने उठाई सामाजिक समस्याएं

अध्यक्षीय उद्बोधन के पश्चात महामंत्री रामकुमार भूतड़ा ने शादी-विवाहों में बढ़ते दिखावे के नियंत्रण के लिये सामाजिक आचार संहिता लागू करने पर जोर दिया। इसके साथ ही श्री भूतड़ा ने समाज में बढ़ते संबंध विच्छेद तथा अन्तर्जातीय विवाहों की स्थिति से निपटने के लिये व्यापक रणनीति बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने समाज की प्रतिष्ठा और सुरक्षा का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। पूर्व महामंत्री श्याम सोनी ने समाज की घटती जनसंख्या एवं बढ़ते संबंध विच्छेद पर चिंता व्यक्त कर इस समस्या को गंभीरता से लेने का अनुरोध किया। स्वागताध्यक्ष डॉ. एस.एन. चाण्डक ने कार्य समिति के समक्ष 10 सूत्रीय एजेण्डा रखते हुए मांगलिक कार्यक्रमों में दिखावे व आडम्बर पर नियंत्रण की मांग की। सांसद ओम बिड़ला, स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक पुरुषोत्तम बियाणी, पूर्व सभापति रामपाल सोनी सहित कई सदस्यों ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। प्रदेशाध्यक्ष गोपाल काबरा ने स्वागत उद्बोधन व प्रदेश महामंत्री श्यामसुंदर मंत्री कुचामन ने आभार व्यक्त किया। मंच संचालन प्रदेश महामंत्री सुनीता रांदड़, विनयशंकर मूंदड़ा व रमेश भराड़िया ने किया। इस अवसर पर साहित्यकार कृष्णचंद्र टवाणी आदि का उनकी सेवाओं के लिए अभिनंदन भी किया गया।

तृतीय सत्र में ट्रस्टों की खैर खबर

बैठक का तृतीय सत्र 27 दिसम्बर प्रातः 10 से 2 बजे तक आयोजित हुआ। इसमें महासभा द्वारा प्रायोजित विभिन्न ट्रस्टों आदि की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत कर उनके कार्यों की समीक्षा की गई। इनमें श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र, श्री अ.भा. मा. एज्यूकेशनल ट्रस्ट के अन्तर्गत सभी छात्रावास, श्री रामगोपाल माहेश्वरी शिक्षा सहयोग केन्द्र, माहेश्वरी सर्वांगीण विकास योजना, श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट, माहेश्वरी मुखपत्र, श्री बांगड़ मेडीकल वेलफेयर सोसायटी, श्री बद्रीलाल सोनी शिक्षा सहयोग केन्द्र, श्री माहेश्वरी मातोश्री सेवा प्रकोष्ठ,श्री कोठारी बन्धु शौर्य स्मृति संस्थान, महिला युवा संगठन तथा विभिन्न समितियाँ शामिल हैं। चुनाव पूर्व आगामी बैठक शीघ्र ही आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया।

देशभर से आए प्रतिनिधि

अतिथियों का स्वागत प्रदेश उपमंत्री रामरतन छापरवाल, क्षेत्रीय सभा अध्यक्ष ओमप्रकाश राठी, नागौर जिला अध्यक्ष महावीरप्रसाद बिदादा, पंचायत अध्यक्ष मुकुटबिहारी मालपानी, शिवचरण ईनाणी, जिला महिला मंडल महामंत्री गुंजन मोदानी आदि ने किया। इस बैठक में नेपाल, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, झारखंड, तमिलनाडू, उड़ीसा, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, छत्तीसगढ़, बिहार, आसाम व दिल्ली आदि विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 140 से अधिक प्रतिनिधियों ने शिरकत की। बैठक में शामिल हुए सदस्यों ने आयोजन की आवास, भोजन व परिवहन आदि व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

महिला संगठन की हुई विशेष बैठक

अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन की विशेष बैठक आर.के. कम्यूनिटी सेंटर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशीला काबरा के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में इंदौर में महिला संगठन के महा अधिवेशन 'सृजन-2016' के 9 जनवरी से तीन दिवसीय आयोजन की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए अधिवेशन में होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदेश महामंत्री सुनीता रांदड़ ने बताया कि इस सेमिनार में देश-विदेश से सभी क्षेत्रों के लोग शिरकत करेंगे। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष मंजू भूतड़ा, आशा काकाणी, गुंजन मोदानी, शांता धूत, मंजू काबरा, अर्चना लोहिया, पुष्पा धूत, शशि छापरवाल, सरिता मंत्री, गायत्री लड्ढा आदि उपस्थित थीं। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शोभा सादानी ने आभार व्यक्त किया।

'तेजस्विनी प्रतियोगिताऐं' का हुआ आयोजन

अहमदाबाद। माहेश्वरी संगिनी संगठन द्वारा गत 1 दिसम्बर को ''तेजस्विनी प्रतियोगिताएँ'' का आयोजन किया गया। इसमें पोस्टर, स्लोगन, वाद-विवाद, देश-भक्ति गीत, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं ब्रेइन हंट जैसी आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में 75 प्रतियोगियों ने भाग लिया। वृंदा राठी, रूपल गुप्ता एवं फेणी त्रिवेदी प्रतियोगिताओं के निर्णायक थे। इसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया एवं सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिये गये।

महेशोत्सव 2015 'सप्तरंग' का हुआ आयोजन

कल्याण। प्रतिवर्षानुसार स्थानीय माहेश्वरी समाज कल्याण का दीपावली एवं वार्षिक स्नेह मिलन कार्यक्रम 'महेशोत्सव 2015 'सप्तरंग' कल्याण स्थित सेंच्युरी रेयॉन क्लब के परिसर में उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। शुभारंभ कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमप्रकाश चितलांगे (सिनीयर प्रेसीडेंट सेंच्युरी रेयॉन) ने की। प्रमुख अतिथि बी.आर. जाजू (सी.एफ.ओ. भास्कर ग्रुप) थे। विशेष उपलब्धि प्राप्त समाजजनों का सम्मान प्रतिभावान विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरण किये गये। महेशोत्सव 2015 'सप्तरंग' के अंतर्गत समाजजनों, महिलाओं एवं बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विभिन्न विषयों पर आधारित नाट्य एवं संवाद प्रस्तुत किये। महिला मंडल अध्यक्ष शोभा लाहोटी द्वारा आभार प्रदर्शन के पश्चात् सहभोजन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष भवंरलाल मोदाणी, सचिव-राधेश्याम काबरा, कार्याध्यक्ष-दिनेश सोमाणी एवं सभी कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

पश्चिमी म.प्र. की बैठक सम्पन्न

देवास। पश्चिमी म.प्र. माहेश्वरी महिला संगठन के षष्ठम सत्र की पंचम कार्यकारी मंडल की बैठक गत 30 नवम्बर 2016 को देवास में विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ आयोजित की गई। मुख्य अतिथि अ.भा. मा. महिला संगठन की अध्यक्षा सुशीला काबरा तथा विशेष अतिथि शैला कलंत्री उपाध्यक्षा राष्ट्रीय दक्षिणांचल एवं महेश तोतला-अध्यक्ष म.प्र. प्रा. सभा थे। अध्यक्षता गीता मूंदड़ा ने की। स्वागत उद्बोधन प्रदेश अध्यक्ष निर्मला बाहेती ने दिया तथा अरुणा बाहेती ने सचिवीय रिपोर्ट प्रस्तुत की। स्व. डॉ. वैजयंती परवाल (पूर्व अध्यक्ष) द्वारा समाज को दी गई सेवाओं के लिये डॉ. प्रमोद माहेश्वरी एवं स्व. श्रीमती लीला मूंदड़ा (पूर्व संयुक्त सचिव) द्वारा समाज को दी गई सेवाओं के आदरांजलि स्वरूप जयप्रकाश भूतड़ा का प्रदेश की ओर से सम्मान किया गया। सांस्कृतिक एकता मंच के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। संयोजक नम्रता बियाणी एवं स्वर्णा झंवर ने बताया कि अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला महाधिवेशन सृजन सेतु हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया।

अन्नकूट उत्सव का हुआ आयोजन

रायपुर (छ.ग.)। श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार का अन्नकूट महोत्सव गत 18 नवम्बर को उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। सुबह 10.30 बजे गोवर्धन का दुग्धाभिषेक एवं गाय की पूजा आराधना की गई। संध्या 3.00 बजे अन्नकूट दर्शन आरंभ हुआ। संध्या 5.30 बजे महाआरती एवं प्रसादी का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विशिष्ट वर्ग समूह सहयोग केन्द्र स्थापित

जयपुर। पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा ''विशिष्ट वर्ग विवाह सहयोग केन्द्र'' की स्थापना की गई है। सभी आयु वर्ग के माहेश्वरी, तलाकशुदा/विधुर/विधवा तथा बड़ी उम्र के अविवाहित युवक (35 वर्ष से ऊपर) तथा युवती (30 वर्ष से ऊपर) के विवाह संबंध हेतु यह केन्द्र विशेष प्रयास करेगा। ऐसे सभी प्रत्याशियों के बायोडाटा मय पूर्ण जानकारी फोटो सहित बाबूलाल तोतला, संयोजक, विशिष्ट वर्ग विवाह सहयोग केन्द्र, सोमानी बिल्डिंग, लोहा मण्डी, संसार चन्द्र लिंक रोड, जयपुर-302001-फोनः 236090 (का.) को प्रेषित किये जा सकते हैं।

श्रीमद् भागवत कथा का हुआ आयोजन

सागर। कार्तिक मास के उपलक्ष्य में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन श्री द्वारकाधीश मंदिर बड़ा बाजार में किया गया। इसका आयोजक मुरलीधर-सावित्री देवी लखोटिया एवं लखोटिया परिवार था।

> परेशानी में कोई सलाह मांगे
> तो सलाह के साथ अपना साथ भी देना
> क्योंकि सलाह गलत हो सकती है साथ नहीं।

उज्जैन को मिलेगी भव्य महेश धाम की सौगात

आगामी 7 फरवरी को होगा भव्य शिलान्यास-समाज की कई हस्तियाँ होंगी शामिल

उज्जैन। माहेश्वरी समाज की संस्था "महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट" द्वारा आगामी 7 फरवरी को शिलान्यास के साथ भव्य "महेश धाम" के निर्माण का शुभारम्भ होगा। इसके अन्तर्गत सर्वसुविधायुक्त भव्य भवन का निर्माण अंकपात क्षेत्र में 80 हजार वर्गफीट से अधिक क्षेत्र में होगा।

महेश भवन का निर्माण कर रही संस्था "महाकाल महेश सेवा ट्रस्ट" के अध्यक्ष जयप्रकाश राठी ने बताया कि उज्जैन देश के अत्यंत पावन तीर्थ स्थलों में से है। अतः समाज का लम्बे समय से सपना था कि यहाँ एक भव्य व सर्वसुविधायुक्त महेश भवन का निर्माण हो, जिससे यहाँ आने वाले तीर्थयात्रियों को समाज की गरिमा के अनुरूप आवास की सुविधा प्राप्त हो सके। इसी उद्देश्य को मूर्त रूप देने के लिये अंकपात क्षेत्र में अंकपात द्वार से आगे लगभग 4 बीघा भूमि क्रय की गई। इसके पश्चात् समस्त वैधानिक औपचारिकताऐं पूर्ण की गई। अब इस भूमि पर समाज के प्रबुद्ध दानदाताओं के सहयोग से भव्य व सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण किया जाऐगा। लक्ष्य यही है कि न सिर्फ समाज बल्कि सम्पूर्ण प्रदेश में यह अपनी तरह का सबसे भव्य सामुदायिक भवन हो। हमें विश्वास है कि यह भवन देशभर से यहाँ तीर्थ-दर्शन का लाभ लेने आने वाले समाजजनों के लिये गर्व का विषय होगा।

समाज की ख्यात हस्तियों के हाथों शिलान्यास

इस प्रस्तावित महेश भवन का शिलान्यास आगामी 7 फरवरी 2016 को एक गरिमामय कार्यक्रम के साथ होगा। कार्यक्रम में अ.भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति प्रख्यात समाजसेवी पद्मश्री बंशीलाल राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अ.भा. माहेश्वरी महासभा के सभापति जोधराज लड्ढा करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में महासभा के महामंत्री रामकुमार भूतड़ा, राजस्थान की पी.एच.ई मंत्री किरण माहेश्वरी, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, पूर्व महामंत्री श्याम सोनी तथा महासभा के उपाध्यक्ष रामगोपाल मून्दड़ा आदि उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों से आये। समाज के कई गणमान्यजन भी उपस्थित रहेंगे। ट्रस्ट सचिव कैलाश डागा, कोषाध्यक्ष नवल माहेश्वरी, लक्ष्मीनारायण मूँदड़ा, भूपेन्द्र भूतड़ा, अजय मूँदड़ा, पुष्कर बाहेती, ओमप्रकाश तोतला, शैलेष राठी सहित समस्त ट्रस्ट पदाधिकारियों ने समाज से इसमें तन-मन-धन से सहयोगी बनने की अपील की।

बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ के लिये 'उड़ान'

पुलगांव। स्थानीय श्री रामदेवबाबा मंदिर प्रांगण में माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा वैष्णो ज्वेलर्स उडान 2015 पारिवारिक उत्सव का दो दिवसीय आयोजन किया गया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य बेटी बचाओ व बेटी पढ़ाओ पर आधारित था। इसमें विभिन्न प्रकार के रोजमर्रा के सामान के स्टॉल, खेलकूद, मनोरंजन एवं आनंद मेले का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन गिरीराज कोठारी विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष एवं सज्जनकुमार मोहता विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी संगठन के अध्यक्ष प्रकाश बाबू राठी माहेश्वरी मंडल के अध्यक्ष गिरीश राठी-माहेश्वरी युवा संगठन के अध्यक्ष तथा संयोजक ब्रिजमोहन मोहता, सहसंयोजक आशीष गांधी आदि की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में वैष्णो ज्वेलर्स के संदीप ढोमणे का पूर्ण सहयोग रहा। संगठन सचिव भूषण गांधी ने सभी व्यापारियों और पुलगांव वासियों का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। गिरीष राठी, भूषण गांधी, तुषार टावरी, पलाश चांडक, ब्रजमोहन मोहता, आशीष गांधी, शरद मूंधड़ा, मोहन मालपानी, योगेश भट्टड, गौरव चांडक, अनिल गांधी, शेखर पनपालिया, मदन टावरी, गौरव राठी, सौरभ माहेश्वरी आदि समस्त सदस्यों का सहयोग प्राप्त हुआ।

॥ जय माता दी ॥

सेवल्या माता मन्दिर समिति (रजि.) ओसियां, जोधपुर

मन्दिर का तृतीय पाटोत्सव कार्यक्रम
एवं
नवीन कार्यकारिणी का गठन

14 जनवरी से 22 जनवरी, 2016
श्रीमद् देवी भागवत कथा
(पं. दयारामजी शास्त्री, चित्रकूटवाले)
23 जनवरी, 2016 (दोप. 12.15 बजे)
हवन अभिजीत मुहूर्त
साधारण सभा की बैठक एवं त्रिवार्षिक नये सत्र के चुनाव
महाप्रसादी
भजन संध्या (रात्रि 8 बजे से माँ की मर्जी तक)

नोट - आगमन की पूर्व सूचना अवश्य दें।

भँवरलाल सोनी	देवकिशन सोनी	जे.पी. सोनी
अध्यक्ष	संरक्षक	सचिव
98290 28076	94144 40621	97851 84032

"जब कभी आप मुश्किल में हो
तो यह न खोजना की कौन हमारा साथ देगा।
बल्कि यह देखना कि कौन छोड़कर चला जाएगा।"

स्कूटी से पूरी की 700 कि.मी. की यात्रा

जलगाँव। 50 वर्षीय समाज सदस्य प्रकाश कुमार व उनकी धर्मपत्नी 48 वर्षीय विजयालक्ष्मी लाठी ने टीवीएस स्कूटी से जलगाँव से उज्जैन यात्रा पूर्ण करने का संकल्प लगभग 15 वर्ष पूर्व लिया था। इसे पूर्ण करने के लिये गत 15 नवम्बर को सुबह 5 बजे से जलगाँव से उज्जैन के लिये यात्रा की शुरूआत माता एवं परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के आशीर्वाद के साथ की। वे 700 कि.मी. की यह यात्रा पूर्ण करते हुए उज्जैन पहुँचे। अगले दिन सुबह महाकाल के दर्शन एवं पूजा की। पूरा दिन इन्दौर में विश्राम करके सुबह 5 बजे वापसी यात्रा की शुरूआत की और जलगाँव रात 8 बजे पहुँच गये। उल्लेखनीय है कि इससे पहले वे 5-5 हजार कि.मी. की दो यात्राऐं मात्र 13-13 दिन में फोर व्हीलर से पूर्ण कर चुके हैं।

अन्नकूट महोत्सव सम्पन्न

पुष्कर। श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा-सदन में स्थित शिव-मंदिर प्रांगण में प्रतिवर्षानुसार अन्नकूट महोत्सव आयोजित हुआ। भजनों के पश्चात् सेवा-सदन परिसर में स्थित भव्य-श्रृंगारित शिव-मन्दिर में महाआरती के पश्चात् अन्नकूट का भोग लगाकर प्रसाद वितरित किया गया। उक्त जानकारी देते हुए महामंत्री सुनीलकुमार मूंदड़ा ने बताया कि कार्यालय मंत्री विजय शंकर मून्दड़ा सरवाड़, कार्यकारिणी सदस्य वेणीगोपाल मंत्री, मधुसुदन मालू, भागीरथ हेडा, सुरेश हेडा आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

भामाशाहों का किया सम्मान

उदयपुर। श्री माहेश्वरी पंचायत (शहर) द्वारा संस्था भवन में भामाशाह सम्मान समारोह गत 30 नवम्बर को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी थे तथा मोहनलाल देवपुरा जिलाध्यक्ष, उदयपुर विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष जानकीलाल मून्दड़ा ने की। पंचायत के प्रचार मंत्री मुरलीधर गट्टानी ने बताया कि समारोह में 50 हजार रुपये से अधिक आर्थिक सहयोग करने वाले 18 दानदाताओं को मेवाड़ी मोठड़ा और शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में भवंरलाल काबरा, रमेश काबरा, शंकर भदादा, उत्तमचन्द सोमानी सहित अनेक गणमान्य समाजसेवी मौजूद थे।

माधुरी ने बनाई 110 फीट लम्बी रंगोली

अमरावती। शहर की रंगोली की ख्यात कलाकार माधुरी-सतीश सुदा ने कलकत्ता शहर के रामलीला मैदान पर 110 फीट लम्बी रंगोली बनाकर एक नया इतिहास बनाया। दीपावली के उपलक्ष्य में साल्टलेक बी एफ पार्क, मारवाड़ी संस्कृति मंच की ओर से दीपावली महोत्सव का आयोजन किया गया था। इसके संयोजक कलकत्ता शहर के ख्यात उद्योगपति व समाजसेवी कमल गांधी थे। इस महोत्सव में देवी लक्ष्मी की 15 फीट ऊँची मूर्ति की पूजा, 108 महिलाओं ने एक साथ की। इसके साथ इंडिया बुक ऑफ रेकॉर्ड और एशिया बुक ऑफ रेकॉर्ड बनाने वाली रंगोली कलाकार श्रीमती सुदा ने 110 फीट लंबी रंगोली का निर्माण किया। श्रीमती सुदा ने इससे पहले अमरावती में पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील की 4500 वर्गफीट की तस्वीर और 5900 वर्गफीट की तस्वीर 9 घंटे में पूरी करने का रिकॉर्ड बनाया था।

अपनी जिंदगी
जिंदादिली से जियें
अवसर का लाभ उठाएं,
कभी-कभी उन्मादी भी हो जाएं
इंतजार ना करें।
क्योंकि... आप आज
अपनी जिंदगी के
सबसे बुजुर्ग
और भविष्य के
सबसे कम उम्र के हो ॥

रणथम्भोर के बाघ का उठाया मुद्दा

भीलवाड़ा। बाघ टी-24 उस्ताद को 16 मई को आनन-फानन में रणथंभोर के जंगल से उदयपुर के सज्जनगढ़ बॉयोलॉजिकल पार्क के छोटे से जेलनुमा परिसर में भेजने तथा उसके बाद इस बाघ के बीमार होने को गम्भीरता से लेते हुए पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने मुख्य सचिव राजस्थान सरकार को पत्र लिखकर उक्त मामले की शिकायत दर्ज कराई है। श्री जाजू के पत्र पर देश के डी जी फारेस्ट ने भी मुख्य सचिव को शिकायती पत्र लिखा है। श्री जाजू ने यह भी बताया कि सेन्ट्रल जू-ऑथोरिटी की बिना अनुमति के किसी भी शिड्यूल-फर्स्ट के वन्यजीव को बॉयोलॉजिकल पार्क में नहीं छोड़ा जा सकता है। श्री जाजू ने बताया कि इण्डियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट बरेली को बाघ टी-24 का ब्लड सेम्पल भेजा गया, उसकी जांच रिपोर्ट भी उजागकर नहीं की है।

बहुओं ने कंधा देकर दी ससुर को अंतिम बिदाई

ख्यात गाँधीवादी नारायणदास जाजू नहीं रहे - परिवार ने तोड़ी पुरुषवादी परंपरा

आजीवन गाँधीजी के रहे कट्टर अनुयायी

स्व. श्री नारायणदास जाजू का जन्म 24 अप्रैल 1922 को वर्धा में हुआ था। आप 1940 में जी.एस. कॉमर्स कॉलेज से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले प्रथम विद्यार्थी थे। कांग्रेस व गाँधीवाद से उनका जुड़ाव सन् 1942 के "भारत छोड़ो आंदोलन" से हुआ। आपके इसमें सक्रिय रूप से न सिर्फ भाग लिया बल्कि उनकी प्रेरणा से कई विद्यार्थी इस आंदोलन में शामिल हो गये। इस दौरान ही गाँधीजी के सम्पर्क में आये तो फिर उनका सम्पूर्ण जीवन ही गाँधीमय हो गया। इसके साथ ही खादी व चरखा उनके जीवन का अंग बन गये। अंतिम समय के पूर्व जब उन्हें ठीक से दिखाई भी नहीं देता था, तो ऐसे समय में भी चरखा चलाना उनकी दिनचर्या का अंग था। खादी तो जीवन के अंतिम क्षण तक उनका परिधान बनी ही रही। शिक्षा क्षेत्र में योगदान के अन्तर्गत आपने जे.बी. साईंस कॉलेज, श्रीकृष्णदास जाजू ग्रामीण सेवा महाविद्यालय तथा रामकृष्ण बजाज कृषि महाविद्यालय आदि कई शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की। आप शिवास ग्राम सेवा मंडल, कृषि गौ-सेवा संघ, खादी संस्था, महिला सेवा मंडल, गोरस भंडार, कृष्ठधाम, महारोगी समिति आदि कई सेवा संस्थाओं से सम्बद्ध होकर भी अपनी सेवा देते रहे थे।

वर्धा। सुशिक्षित और संस्कारी समाज में एक ओर आज भी महिलाओं को श्मशानघाट में जाने की अनुमति नहीं है, महिलाएं अर्थी को कंधा और मुखाग्नि नहीं दे सकती, उसी समाज में बहुओं ने अर्थी को कंधा ही नहीं दिया, बल्कि मुखाग्नि देकर एक पुरानी दकियानुसी सोच को भी समाज से अंतिम विदाई दी है।

इस अद्भुत मानसिक विचारधारा वाले परिवर्तन को देखना नसीब हो सका तो वह केवल वरिष्ठ गांधीवादी नारायणदास जाजू की प्रेरणा और संस्कारों से। उनकी अंतिम इच्छानुसार ही पुत्रों के रहते बहुओं ने स्व. श्री नारायणदास जाजू को अंतिम बिदाई दी। आचार्य विनोबा भावे ने अन्न-पानी का त्याग करके स्वयं की इच्छा से संसार से विरक्ति ली। वर्धा में महात्मा गांधी कई वर्षों तक रहे। इन दोनों महापुरूषों की छाया में अपना बचपन बिताने वाले कुछ लोगों ने गांधी को जीवन में उतारा। उन्हीं में से एक वर्धा का जाजू परिवार है, जिसने न केवल गांधी को जिया, आचरण में लाया, बल्कि उनके सिद्धांतों को अपनी चौथी पीढ़ी तक पहुंचाया। पिछले 3 महीनों से स्वतंत्रता सेनानी नारायणदास जाजू का शरीर अधिक थक चुका था। गांधीनिष्ठ जीवन जीने वाले श्री जाजू ने अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य को अलग-अलग बुलाकर चर्चा की थी। उस समय उनके पुत्र उल्हास जाजू ने कहा था कि यदि आप हमें छोड़कर जाते हो तब मां की इच्छा के अनुरूप और यदि मां पहले छोड़कर जाती हैं तब आपकी इच्छा के अनुरूप अंतिम विधि होगी। आखिर वह समय आ ही गया जब जाजू परिवार के प्रेरणास्त्रोत, आधार स्तंभ अपनी चिरयात्रा की ओर रवाना हुए, श्री जाजू के संस्कार जाते-जाते भी अपनी अमिट छाप अपने परिवार पर छोड़ गए थे। प्रायः हिंदू समाज में महिलाएँ अर्थी को मुखाग्नि और कंधा नहीं देती हैं, लेकिन जाजू परिवार ने इस दकियानुसी सोच को एक झटके में तोड़कर समाज के सामने एक नई मिसाल पेश की। ऐसा नहीं था कि जाजू परिवार में नारायणदास जाजू के बेटे, पोते, परपोते नहीं थे, इन सभी पुरूषों के होते हुए भी स्व. श्री जाजू की दोनों बहुओं ने अपने ससुर की अर्थी को न केवल कंधा दिया, बल्कि श्मशान भूमि तक जाकर उन्हें मुखाग्नि भी दी।

राधा जन्माष्टमी का हुआ आयोजन

जलगाँव। संस्कार मंडल व महेश प्रगति मंडल द्वारा ''एक गांव एक उत्सव'' उपक्रम के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों से ''राधाजन्मोत्सव'' हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। हर वर्ष इस उत्सव में जनसमुदाय की उपस्थिति बढ़ती ही जा रही है। 'राधा जन्मोत्सव' के साथ ही 'गीता-जयंती' भी इसी तरह सम्मिलित रूप में मनाना प्रस्तावित है। इसी शृंखला में हाल ही में 'राधा जन्माष्टमी' उत्सव बहुत ही धूमधाम और भक्तिरस में सराबोर होकर मनाया गया। यहाँ भक्ति और नारी शक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। पृथ्वी, धरा, सृष्टि अपने आप में नारी के ही रूप में है और 'राधा' शक्ति और भक्ति का आलौकिक रूप है।

नेपाल के कायाकल्प में की भरपूर मदद

काठमांडू। नेपाल माहेश्वरी समाज ने गत माहों में भूकंप राहत के अन्तर्गत कई अत्यंत महत्वपूर्ण राहत कार्य किये, जिन्होंने भूकंप से तबाह इस देश के कायाकल्प में अहम भूमिका निभाई। इसके अन्तर्गत प्रथम चरण में चिकित्सा, भोजन, पानी, आश्रय, द्वितीय चरण में अस्थायी आवास, वस्त्र, भोजन आदि की राहत वहाँ के प्रभावित आम लोगों को दी। अपने इस राहत कार्य में उन्होंने सर्वसुविधायुक्त आधुनिक मशीनों से सुसज्जित अस्पताल, 1 स्कूल भवन व 120 आवासों का निर्माण करवाया। उक्त जानकारी देते हुए अ.भा. माहेश्वरी महासभा के कार्यसमिति सदस्य व अन्तर्राष्ट्रीय संयोजक अरूण भूतड़ा ने इस विपदा में सम्पूर्ण विश्व के माहेश्वरी परिवारों से सहयोगी बनने की अपील की।

निःशुल्क मंगल परिणोत्सव का आयोजन

छोटा उदेपुर। वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर आगामी 11-12 फरवरी 2016 को श्री चारभुजा सेवा ट्रस्ट द्वारा श्री माहेश्वरी समाज-छोटा नागपुर उदेपुर के सहयोग से स्व. श्री रामप्रसाद-रामदयाल जी अजमेरा की पुण्य स्मृति में अजमेरा परिवार के साथ मंगल परिणोत्सव-2016 का आयोजन होने जा रहा है। उक्त जानकारी देते हुए अशोक अजमेरा ने बताया कि इसमें वर एवं वधु के लिये प्रवेश निःशुल्क है, साथ ही 50 परिवारजनों के लिये विश्राम-भोजन व्यवस्था का आयोजन भी किया गया है। ज्यादा-से-ज्यादा समाजजन इस पुण्यकार्य का लाभ लें, ऐसी भावना है। पंजीयन के लिये अशोक अजमेरा, संजय सोनी, राधेश्याम मालू से सम्पर्क किया जा सकता है, इसके अतिरिक्त कार्यालयः महाराजा टेन्ट हाउस, नवापुरा, छोटाउदेपुर-391165, जिला छोटाउदेपुर ईमेल-charbhuja_cu7@yahoo.com से सम्पर्क करके भी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर पंजीयन करवाया जा सकता है।

20 दिसम्बर को रक्तदान शिविर

उदयपुर। हेमन्तबाला मानसिंह कोठारी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आगामी 20 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे माहेश्वरी भवन श्रीनाथ मार्ग उदयपुर में तृतीय रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी ने देते हुए समस्त समाजजनों से रक्तदान महादान का लाभ लेने की अपील की।

> रिश्तों की अहमियत को समझो
> इन्हें जताया नहीं
> निभाया जाता है।

रक्तदान कर मनाया पति का जन्मदिन

छोटा उदेपुर। स्थानीय श्री माहेश्वरी युवा संगठन के सहयोग से गत 24 अक्टूबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें माहेश्वरी सहित नगर के कई युवाओं द्वारा 160 युनिट रक्तदान किया गया। इस अवसर पर छोटा उदेपुर की नवविवाहित पूजा मालू ने अपने पति का जन्मदिन अपने पति मनीष मालू के साथ प्रथम बार रक्तदान कर मनाया। इस कार्यक्रम में सांसद रामसिंह राठवा, जी.एस.एफ.सी. के चेयरमेन एस. के नंदा, अशोक अजमेरा, संजय सोनी आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

''ऋषि मुनि'' ने प्रकाशित की मुख्यमंत्री के जीवन पर पुस्तक

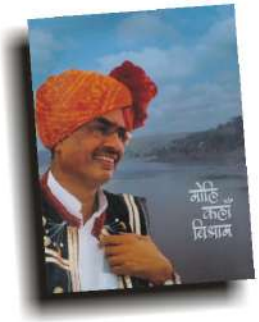

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने इस पद पर अपना सतत 10 वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया है। इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री श्री चौहान की जीवन यात्रा पर केन्द्रीत पुस्तक ''मोहि कहाँ विश्राम'' का प्रकाशन श्री माहेश्वरी टाईम्स के प्रकाशन ''ऋषि मुनि प्रकाशन उज्जैन'' द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि पुस्तक प्रकाशन में ऋषि मुनि प्रकाशन एक अत्यंत प्रतिष्ठित नाम है। कार्यकाल के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित अभिनंदन समारोह में इस पुस्तक का विमोचन मुख्यमंत्री के हाथों हुआ। मुख्यमंत्री

की पुस्तक धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान और पुत्र कार्तिकेय एवं कुणाल ने तैयार की है। मुख्यमंत्री ने ''मोहि कहां विश्राम'' के प्रकाशक पुष्कर बाहेती ऋषि-मुनि प्रकाशन उज्जैन को भी सम्मानित किया।

डॉ. चांडक का मना जन्मदिन

अमरावती। समाज सेवा मार्गदर्शन केन्द्र द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता एवम् वरिष्ठ सदस्य डॉ. खुशाल चांडक का 71 वाँ जन्मदिवस समारोह मनाया गया। अध्यक्ष रमेशचंद्र चांडक, उपाध्यक्ष वि. प्रा. माहेश्वरी संघटन अतिथि ब्रिजमोहन मुंधड़ा तथा लक्ष्मीनारायण चांडक आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री चांडक ने इस अवसर पर डॉ. चांडक का शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ से सत्कार किया। इसके पश्चात् समाजोपयोगी एवं लोकोपयोगी पुस्तिका का विमोचन किया गया। इस प्रसंग पर अशोक मुंधड़ा, हरगोविंद मुंधड़ा, नंदकिशोर मुंधड़ा, सुरेश लोया, हुकमीचंद बुब, सुरेश भंडारी, गजानन पंवार इत्यादि कई गणमान्यजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विनोद ठाकरे ने किया।

कोआपरेटिव सोसायटी ने घोषित किया लाभांश

अजमेर। श्री माहेश्वरी को-आपरेटिव क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट सोसायटी की चतुर्थ आम सभा माहेश्वरी सेवा समिति कृष्णगंज में संस्थाध्यक्ष सूरजनारायण लखोटिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सचिव भंवरलाल मूंदड़ा ने सोसायटी के सालभर के कार्यों का विस्तृत ब्यौरा सदन में रखा। कोषाध्यक्ष महेश हेड़ा ने बताया कि संस्था के इस समय 325 से अधिक अंश धारक है और चालीस लाख की कार्यशील पूंजी है। इस वर्ष 2014-15 के लिए अंश धारकों को 9% लाभांश दिया गया। सोसायटी के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों का अध्यक्ष श्री लखोटिया ने सम्मान किया। अन्त में भोजन के साथ सभा का समापन हुआ।

मेडिकल हेल्प सेन्टर का शुभांरभ

ब्यावर। श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड, ब्यावर के अन्तर्गत पाली बाजार स्थित माहेश्वरी भवन में मानव सेवार्थ माहेश्वरी मेडिकल हेल्प सेन्टर का शुभारंभ किया गया। मंत्री-रमेश चितलांग्या ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि रामअवतार जाजू इन्दौर व समाजसेवी-श्यामसुन्दर जाजू, दिलीप कुमार जाजू एवं उपाध्यक्ष-विष्णुगोपाल हेडा ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अभिनन्दन समारोह प्रबन्धक राजेन्द्र काबरा ने बताया कि इस मेडिकल हेल्प सेन्टर द्वारा जरूरतमंद समाजजनों को मेडिकल पलंग एयर गद्दा, फार्म गद्दा, व्हील चेयर, वॉकर स्ट्रीक, पोट, वॉकर, कॉमट चेयर आदि चिकित्सा उपकरण निःशुल्क उपलब्ध कराये जाऐंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री जाजू ने इस सेवा कार्य हेतु 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष-विष्णुगोपाल हेड़ा, रमेश चितलांग्या, रमेशचन्द्र टवाणी, जुगलकिशोर मणियार, राजेन्द्र काबरा, विट्ठल राठी, अशोक नुवाल, बालकिशन गाँधी, पुरूषोत्तम जाजू, मनमोहन जाजू आदि उपस्थित थे।

> यदि आप धर्म करोगे
> तोभगवान से आपको मांगना पड़ेगा,
> लेकिन...
> आप कर्म करोगे
> तो भगवान को आपको देना ही पड़ेगा।

झारखंड प्रदेश की बैठक में हुए धनबाद के चुनाव

धनबाद। गत 11 अक्टूबर को स्थानीय अग्रसेन भवन में झारखण्ड बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा की बैठक का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन कृष्ण कुमार चांडक के द्वारा किया गया। धनबाद माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष जुगलकिशोर राठी ने माहेश्वरी सभा धनबाद के द्वारा आयोजित इस बैठक में शामिल माहेश्वरी परिवारों का स्वागत किया। इस अवसर पर छोटा नागपुर अंचल की शाखाओं पर विचार-विमर्श किया गया। चक्रधरपुर-चाईबासा-रामगढ़ एवं झुमरीतिलैया शाखाओं के लिए उपाध्यक्ष ओमप्रकाश इनानी की अध्यक्षता में टीम गठित कर शीघ्र भ्रमण का कार्यक्रम सुनिश्चित किया गया। इस टीम में ललित आगीवाल-संगठन मंत्री, महावीर सोमानी-कार्यसमिति सदस्य महासभा एवं राजकुमार मारू-अध्यक्ष राँची महासभा आदि शामिल हैं। इसी अवसर पर धनबाद महिला व युवा संगठन की कार्यकारिणी भी सर्वसम्मति से गठित की गई। इसमें धनबाद महिला संगठन में शान्ता पेडिवाल-अध्यक्ष, अनिता राठी-सचिव एवं उमा सोमानी-कोषाध्यक्ष निर्वाचित की गयी। धनबाद युवा संगठन में अध्यक्ष-राहुल कासट, सचिव-अभिषेक सोनी, कोषाध्यक्ष-गौरव मून्दड़ा, उपाध्यक्ष-अजय कुमार राठी, महासचिव-सौरभ राठी, संगठन मंत्री-हर्ष पेडिवाल बनाये गये। बैठक में जमशेदपुर शाखा के द्वारा झारखण्ड से महासभा के प्रतिनिधित्व हेतु सीट बढ़ाने की माँग की गयी। वर्तमान में जमशेदपुर शाखा से महासभा के लिए दो स्थान है। जबकि वहाँ की जनसंख्या के अनुरूप और 2 सीट चाहिए।

रक्तदान के साथ सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ

उदयपुर। जिला माहेश्वरी सभा द्वारा गत 18 अक्टूबर को माहेश्वरी समाज भीण्डर, हीता एवं कुंथवास के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। प्रादेशिक अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, उपाध्यक्ष जानकीलाल मून्दड़ा एवं हरकलाल बसेर, महिला प्रदेशाध्यक्ष पुष्पा राठी, जिला अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा, स्थानीय अध्यक्ष रतनलाल मून्दड़ा आदि की उपस्थिति में डॉ. वंदना छाबड़ा एवं उनकी टीम, महाराणा भोपाल राजकीय चिकित्सालय उदयपुर ब्लड बैंक का सहयोग प्राप्त हुआ। जिला सभा की बैठक भी आयोजित हुई जिसमें विधान संशोधन के सम्बन्ध में चर्चा हुई तथा ग्राम सभाओं मॉडल विधान पर विचार किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री सम्पतलाल मण्डोवरा एवं कार्यक्रम संयोजक ललित सोमानी ने किया।

जाजू ट्रस्ट ने की 67 विद्यार्थियों की मदद

सूरत। श्री कृष्णदास जाजू स्मारक ट्रस्ट बेसहारा महिलाओं और विद्यार्थियों की मदद कर रहा है। गत अक्टूबर माह में ट्रस्ट द्वारा कुल 3 लाख 65 हजार 800 रुपये की सहायता प्रदान की गई। शिक्षा सत्र 2015-16 के दौरान 67 विद्यार्थियों को कुल 1 लाख 67 हजार 500 रुपये की सहायता स्वीकृत की गई। इसके अन्तर्गत प्रति विद्यार्थी 2500 रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। इस माह में संस्था को माहेश्वरी मंडल दिल्ली से 1 लाख 25 हजार, डॉ. एस.एन. चाँडक दिल्ली से 1 लाख 50 हजार, नरेन्द्र साबू सूरत से 12 हजार, रामकुमार बियानी हैदराबाद से 11 हजार तथा डॉ. के. एल. माहेश्वरी भिण्ड से 2000 रुपये की सहायता राशि भी प्राप्त हुई। इनके अतिरिक्त 1 लाख रुपये की पृथक् राशि प्राप्त हुई, लेकिन इसके प्रदाता का नाम नहीं प्राप्त हुआ।

असावा बने बांगड मेडिकल सोसायटी सदस्य

इन्दौर। समाजसेवी वेणुगोपाल असावा इन्दौर ने श्री बांगड माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी की सदस्यता हाल ही में ग्रहण की है। मेडिकल के क्षेत्र में सहयोग की उनकी हार्दिक इच्छा थी। अतः सोसायटी के कार्यों को देखते हुए रामपाल सोनी, देवकरण गग्गड़, भीलवाड़ा एवं भरत सारड़ा के आग्रह पर यह सदस्यता ग्रहण की एवं तीन वर्षों तक निरन्तर सहयोग का आश्वासन दिया है। उल्लेखनीय है कि सोसायटी विगत चार वर्षों में 713 गम्भीर मरीजों को 3 करोड़ 47 लाख रुपये की मदद प्रदान कर चुकी है।

> अच्छे रिश्तों को
> वादे और शर्तों की
> जरूरत नहीं होती
> बस दो खूबसूरत लोग चाहिए
> एक निभा सके,
> और दूसरा उसको
> समझ सके।

जाजू का हुआ सम्मान

अमरावती। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू गत दिनों महाराष्ट्र के दौरे के दौरान अमरावती आए। यहाँ जिला माहेश्वरी संगठन की ओर से जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सोनी, सचिव डॉ. विजयकुमार भांगड़िया एवम संगठन मंत्री बंकटलाल राठी द्वारा उनका स्वागत किया गया। श्री जाजू ने जिला संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए संगठन को यथा संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया गया।

नेत्र एवं दंत चिकित्सा का हुआ आयोजन

अमरावती। स्थानीय माहेश्वरी आधार समिति द्वारा अत्यल्प आय वाले वरिष्ठजन हेतु नेत्रांजलि रूग्णालय में नेत्र जाँच एवम दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी रामप्रसाद सोनी के करकमलों द्वारा किया गया। मंच पर घनश्यामदास सारड़ा, पुष्पा कासट, ओमप्रकाश नावंदर, घनश्यामदास कासट, बंकटलाल राठी, डॉ. नवीन सोनी, डॉ. मनमोहन सोनी आदि उपस्थित थे। दोनों डॉक्टर्स ने निःशुल्क सेवा प्रदान की। समिति की ओर से नितिश राठी , अमर करवा, किशोर कुमार मंत्री, केसरीमल झंवर, रमेशचन्द्र दम्माणी, शंकरलाल भूतड़ा आदि ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया। करीब 50 लोगों की ऑखों की जाँच की गयी और 30 लोगों को चश्में प्रदान किये गये। करीब 20-24 लोगों के दांतों की जांच की गयी। साथ ही समिति की ओर से जीवनावश्यक साहित्य एवम नगद राशि का वितरण भी किया गया। अखिल भारतीय ट्रस्टों द्वारा आई सहायता राशि के चेक का वितरण भी किया गया। देवकरण चांडक, पुरूषोत्तम सारड़ा, अमृतलाल गांधी, हरिकिशन सोनी, रामप्रकाश गिल्ड़ा, जमनादास महाराज, डॉ. हरगोविन्द भट्टड़, भँवरलाल भंसाली, रामकृष्ण बाटणकर, विट्ठलदास मोहता, डॉ. जगदीश लड्ढा, डॉ. रामावतार सोनी, सुभाष लड्ढा, देवकरण सोनी आदि कई समाजजन उपस्थित थे।

राठी स्मृति रंगमंच का हुआ लोकार्पण

अमरावती। महाराष्ट्र सरकार द्वारा अपंग सेवा पुरस्कार प्राप्त द डेफ ॲन्ड डम्ब रिलिफ एसोसिएशन द्वारा संचालित श्री बुलिदान राठी मुकबधिर विद्यालय, प्यारीबाई अटल अपंग कर्मशाला, रोटरी अपंग प्रशिक्षण केन्द्र, आय.एम. जागोदिया डी.एड़ कॉलेज के वार्षिकोत्सव में महाराष्ट्र के उद्योगमंत्री एवम जिले के पालक मंत्री द्वारा स्व. श्री नवलकिशोर एवम कांतादेवी राठी स्मृति रंगमंच का लोकार्पण किया गया। अध्यक्ष डॉ. गणेश बूब, उपाध्यक्ष प्रकाशचंद्र कोठारी, सचिव बंकटलाल राठी, सहसचिव पुरूषोत्तम मूंदड़ा, प्राचार्य अरविन्द राठी, पुष्पादेवी आदि मंचासीन थे। जुगलकिशोर राठी, सुनील राठी, कमलेश डागा, जयप्रकाश लड्ढा, कमलकिशोर मालाणी, आशीष राठी, शीतल राठी, रतनलाल दीक्षित, रमेशचन्द्र राठी, अनिल सिकची, अजय हेड़ा आदि कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

राठी को पत्रकार प्रभाकर सम्मान

मकराना। अखिल भारतीय स्वतंत्र लेखक मंच द्वारा 25 वां राष्ट्रीय सम्मान समारोह भूतपूर्व राज्यपाल एवं केन्द्रीय मंत्री डॉ. नारायण सिंह के मुख्य आतिथ्य तथा कीर्ति वर्मा उपप्रधान आर्य केन्द्र सभा दिल्ली की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस अवसर पर जालौर के कैलाश राठी को पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिये पत्रकार प्रभाकर तथा महेन्द्र सोनी पुन्दलौता को पत्रकार सम्मान से नवाजा गया। जयपुर की सुमन भट्टड़ को समाजसेवा के लिये समाजरत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

सुमन सोनी विदेश में देंगी भजनों की प्रस्तुति

भीलवाड़ा। ख्यात भजन गायिका सुमन सोनी की मधुर आवाज अब भारत से बाहर विदेश में भी गूंजने जा रही है। सिंगापुर सहित विभिन्न देशों में उनकी पांच दिवसीय भजन श्रृंखला 6 दिसम्बर से 12 दिसम्बर तक आयोजित हुई हैं। इस हेतु वे 5 दिसम्बर को दिल्ली इन्टरनेशनल एयरपोर्ट से सिंगापुर के लिये प्रस्थान कर गई हैं। भीलवाड़ा व राजस्थान के कई सामाजिक संगठनों द्वारा 16 दिसम्बर को भीलवाड़ा में पुनः लौटने पर उनका भावभीना स्वागत किया गया।

राजसमन्द में सामूहिक विवाह

राजसमन्द। जिला माहेश्वरी सभा के तत्वावधान में आगामी 10 मार्च को सामूहिक विवाह का आयोजन अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन श्री चारभुजाजी जिला राजसमन्द में किया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला सचिव नवनीत मंत्री ने बताया कि इसमें शामिल होने के लिये वर पक्ष 11 हजार व वधू पक्ष 2 हजार 100 रुपये की सहयोग राशि व सहमति पत्र के साथ आगामी 20 फरवरी तक पंजीयन करवा सकते हैं।

> जो मौत से नहीं डरता था
> वह बच्चों से डर गया...
> एक रात जब 'खाली हाथ'
> मजदूर घर गया।

सर्दी से बचाने के लिए संगम समूह की अनूठी पहल

भीलवाड़ा। कड़ाके की सर्दी से राहत पहुँचाने के लिए संगम समूह द्वारा कम्बलों व जर्सियें का वितरण करना अनूठी पहल है। जिला कलेक्टर डॉ. टीना-कुमार ने उक्त विचार व्यक्त करते हुए समूह द्वारा भीलवाड़ा रेल्वे स्टेशन पर सो रहे व्यक्तियों को कम्बल ओढ़ा कर व वितरण कर मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारम्भ किय। डॉ. टीनाकुमार ने कहा कि समूह ने कमजोर वर्ग के व्यक्तियों व छात्र-छात्राओं को सर्दी से राहत पहुंचाने का पुनीत कार्य शुरू किया है, जिससे अन्य उद्यमी भी प्रेरित होंगे। पुलिस अधीक्षक प्रदीप मोहन शर्मा ने रेनबसेरों में बतौर मुख्य अतिथि निर्धन व्यक्तियों को कम्बल ओढ़ाई। संगम उद्योग समूह के चैयरमेन रामपाल सोनी ने बताया कि कड़ाके की पड़ रही सर्दी से राहत के लिए समूह 2000 कम्बल व 2000 जर्सियों का कमजोर वर्ग के व्यक्तियों व छात्र-छात्राओं को निःशुल्क वितरण करेगा। समूह के निदेशक एस.एन. मोदानी ने बताया कि शहर के रेल्वे स्टेशन, बस स्टेण्ड, रेनबसेरो श्मशान स्थलों, कच्ची बस्तियों व अन्य स्थानों पर भी कम्बल व विद्यालयों में जर्सियों का वितरण होगा। कार्यक्रम में संगम निदेशक वी. के. सोड़ाणी, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति रतनलाल नोलखा, बाबूलाल जाजू, देवकरण गग्गड़, कैलाशचन्द्र कोठारी, राजेश तोषनीवाल, प्रहलादराय लढ़ा, मुकेश अजमेरा, श्याम बिड़ला, महावीर समदानी, प्रकाश पोरवाल, सुरेश कचोलिया, सत्यनारायण मून्दड़ा, मुकेश चेचाणी सहित सैकड़ों समाजसेवी व गणमान्यजन उपस्थित थे।

रक्तदान एवं जांच शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा। श्री महेश बचत एवं साख समिति भीलवाड़ा द्वारा रक्तदान एवं जाँच शिविर महेश प्रगति संस्थान के सान्निध्य में आयोजित किया गया। समिति अध्यक्ष दिनेश काबरा ने बताया कि मुख्य अतिथि सुभाष बहेड़िया सांसद भीलवाड़ा थे। अध्यक्षता लादूराम बांगड़ चेयरमेन कंचन ग्रुप ने की। विशिष्ट अतिथि गोपाल राठी, निदेशक संदीप हुण्डई, राधेश्याम चेचानी अध्यक्ष श्री महेश सेवा समिति व कृष्ण गोपाल तोषनीवाल उद्योगपति थे। समिति संयोजक शांतिलाल डाड ने बताया कि शिविर में रक्तदाताओं ने 168 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम में सुशील मरोटिया, जगदीश इनाणी, चन्द्रकान्त बाहेती, मुकेश काबरा, आनन्द बाहेती, रामनिवास लढ़ा, रामेश्वर सोमानी, अशोक बांगड़, भैरूलाल कचौलिया, हरीश पोरवाल, रौनक भदादा, धीरज काबरा, रमेश लढ़ा, शिव लाहोटी आदि का विशेष सहयोग रहा। संस्थान अध्यक्ष सत्यनारायण डाड ने अतिथियों व रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

अखिल बने स्टूडेंट फेडरेशन समन्वयक

इन्दौर। आल इंडिया माहेश्वरी स्टूडेंट फेडरेशन के संरक्षक प्रेमसुखानंद माहेश्वरी ने संगठन कोर कमेटी की अनुशंसा में अखिल-कृष्णदास माहेश्वरी को इंदौर शहर का माहेश्वरी स्टूडेंट फेडरेशन समन्वयक (अध्यक्ष) नियुक्त किया है। यह नियुक्ति उनकी समाज के प्रति निष्ठा एवं कार्यशैली को देखते हुए की गयी हैं। अखिल को इंदौर कोर कमिटी गठन करने के सम्पूर्ण अधिकार संगठन द्वारा दिए गए हैं। अतः वे जल्द ही कमिटी का गठन करेंगे।

विद्यार्थियों को सहायता राशि

मेरठ। माहेश्वरी सभा मेरठ जनपद की ओर से 30 नवम्बर को ग्राम मऊखास जिला मेरठ में सरकारी प्राथमिक विद्यालय में 150 बच्चों को जर्सी, टिफिन बाक्स, मूंगफली, रेवड़ी, बिस्कीट आदि का वितरण किया गया। वितरण व्यवस्था में रामकुमार टावरी, शोभित माहेश्वरी, दिनेश मोहता, नरेन्द्र राठी, अनिल राठी, गिरिराज किशोर मूना, कृष्णकान्त राठी, प्रमोद केला, अशोक राठी आदि का सहयोग रहा।

"सूर्यास्त के समय
सूर्य ने सबसे पूछा–
'मेरी अनुपस्थिति में मेरी जगह
काम कौन करेगा।'
समस्त विश्व में सन्नाटा छा गया
किसी के पास कोई उत्तर नहीं था।
तभी एक कोने से
एक मोमबत्ती फुसफुसाई
'मैं अपना पूरा प्रयास करूँगी।'"

सतत चला दीपावली मिलन का दौर

दीपावली की खुशियों की फुलझड़ियाँ छूटने के बाद चले 'मिलन समारोहों' ने स्नेह की मिठास फैलाने का काम किया। देश के कई भागों में दीपावली मिलन समारोहों का आयोजन हुआ। जिनके समचार अब भी प्राप्त हो रहे हैं।

सिलीगुड़ी। स्थानीय माहेश्वरी समाज की ओर से दीपावली मिलन समारोह का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी सेवा सदन के लॉन में उत्तरबंगाल माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, माहेश्वरी महिला मंडल एवं माहेश्वरी युवा संस्था द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ चारों संस्थाओं के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समाज के बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया और अपनी प्रतिभा की झलक दिखाईं। प्रतिभावान विद्यार्थियों का प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण शाइनिंग स्टार्स लाइव था। इसमें असम, नेपाल, सिक्किम से आमंत्रित समाज के कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर माहेश्वरी सभा सिलीगुड़ी ने अपना मोबाइल ऍप लॉंच किया। कार्यक्रम का समापन रात्रि सहभोज के साथ हुआ।

संगरिया। स्थानीय माहेश्वरी समाज का दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार करवा के निवास पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी सभा अध्यक्ष देवकिशन लखोटिया, वरिष्ठ समाजसेवी कृष्ण भगवान बिहाणी, उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार करवा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सीताराम सोमानी, भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष बाबूलाल राठी, महावीर प्रसाद करवा आदि ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कार्यकारिणी की एक व्यक्ति एक पद की अवधारणा से पुनर्गठन पर विचार किया गया।

अजमेर। महेश कल्याण समिति, माहेश्वरी समाज, पश्चिम क्षेत्र द्वारा गत 14 नवम्बर को रामकुमार भूतड़ा महामंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा, रमाकांत बाल्दी अध्यक्ष अजमेर जिला माहेश्वरी सभा, बी.पी. राठी अध्यक्ष माहेश्वरी सेवा समिति, सुनीलकुमार मून्दड़ा महामंत्री-अखिलभारतीय माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर, विष्णुगोपाल सोमानी-प्रचारमंत्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, सुभाषचन्द्र नवाल-संरक्षक महेश कल्याण समिति, विनोद माहेश्वरी-अध्यक्ष माहेश्वरी समाज संस्था अजमेर एवं माणकजी माहेश्वरी (चितलांग्या) समाजसेवी, अजमेर के सान्निध्य एवं गणमान्य समाजजनों की उपस्थिति में दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान, निर्माणाधीन भव्य मंदिर एवं भवन में आर्थिक सहयोगी भामाशाहों का सम्मान एवं प्रतिभावान बच्चों का अभिनन्दन भी किया गया। महेश कल्याण समिति अध्यक्ष घनश्याम सोमानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। महासचिव सुरेन्द्र लखोटिया ने समिति के विगत एक वर्ष में सम्पादित कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य संयोजक जयदेव सोमानी थे।

रायपुर (छ.ग.)। स्थानीय माहेश्वरी सभा का "दीपावली मिलन" कार्यक्रम श्री गोपाल मंदिर सदर बाजार रायपुर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मानकलाल मालपानी, प्रेमचंद बागड़ी, शिव टावरी, माहेश्वरी महिला मण्डल की अध्यक्षा मधुरिका नत्थानी, विजय कुमार दम्मानी एवं सुरेश कुमार बागड़ी द्वारा किया गया। महामंत्री श्री बागड़ी ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्ष विजय कुमार दम्मानी ने शुभकामना सन्देश दिया। महिला मण्डल की अध्यक्षा मधुरिका नत्थानी, प्रादेशिक महिला समिति प्रभारी श्रीमती मोहता एवं डॉ. सतीश राठी सहित कई गणमान्यजन उपस्थित थे।

इन्दौर। माहेश्वरी सोश्यल ग्रुप का अन्नकूट महोत्सव एवं दीपावली मिलन समारोह मुकुट मांगलिक भवन, गुमाश्ता नगर में संपन्न हुआ। संस्था अध्यक्ष बालकिशन कृष्णा सोनी एवं सचिव मोहन-नीता सोमानी ने बताया कि भगवान को छप्पन भोग लगाकर संस्था सदस्यों द्वारा सामूहिक आरती से आयोजन का शुभारंभ किया गया। संस्था सदस्यों ने अन्नकूट प्रसाद परिवार सहित ग्रहण किया। संपत कुमार-राधा साबू, अशोक कुमार चन्द्रकांता चितलांग्या, जगदीश सुनीता बाहेती, अशोक रमिला काकाणी, दिनेश मधुबाला लाखोटिया, जी.डी. संगीता माहेश्वरी, कल्याणमल शांता मंत्री, लक्ष्मण चन्द्रकांता माहेश्वरी सहित कई सदस्य उपस्थित थे। आभार सचिव मोहन-नीता सोमानी ने माना।

हैदराबाद। माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) लिंगमपल्ली क्षेत्र में सीतारामबाग़ सुन्दरकाण्ड मंडली द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड पारायण के साथ दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट प्रसादी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेश बैंक के चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधना तथा माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) के अध्यक्ष राजेन्द्रस्वरूप माहेश्वरी थे। माहेश्वरी मंडल हैदराबाद (उत्तर) समिति के अधिकारी, सदस्य तथा अंन्य गणमान्य समाजजन उपस्थित थे। राजेश तापड़िया, विजयकुमार मंत्री, रामानुज सोनी, बृजगोपाल मालपानी, मनोज मूंदड़ा, गिरिराज सोनी, प्रेम लाहोटी, दीपक मूंदड़ा, गोपाल सोनी सहित समस्त सदस्य-सदस्याओं का सहयोग रहा।

बेलधरिया। श्री माहेश्वरी सभा का दीपावली प्रीति सम्मेलन बारानगर जूटमिल में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जगदीशचन्द्र एन.मून्दड़ा उपाध्यक्ष श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी थे। अध्यक्षता रामरतन लाहोटी संयुक्त मंत्री पूर्वांचल ने की। विशिष्ट अतिथि अमित मून्दड़ा ट्रस्टी जाजू ट्रस्ट एवं प्रधान वक्ता देवकिशन करनानी संयोजक पूर्वांचल सामाजिक आचार संहिता एवं अनुशासन समिति थे। कार्यक्रम का संचालन दीपा लखोटिया, अध्यक्ष महिला संगठन व आभार प्रदर्शन अध्यक्ष संजय लखोटिया ने किया।

नागपुर। नगर माहेश्वरी सभा द्वारा दीपावली मिलन गत 21 नवंबर को शाम 7 बजे उत्सव वाटिका, वर्धा रोड़ में अन्नकूट के दर्शन और प्रसादी के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रमेश मंत्री, मुख्य अतिथि संजय मालपानी, नागपुर जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष शिव बाबू गांधी, भूतपूर्व महामंत्री श्याम सोनी, सचिव राजेश बजाज, महिला समिति की अध्यक्ष सुनंदा लड्ढा द्वारा किया गया। डॉ. संजय मालपानी ने 'परिवार में कैसे सामंजस्य स्थापित किया जायें, इस पर विधिवत चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन राजेश काबरा द्वारा किया गया। संयोजक गिरिराज कोठारी, डॉ. योगेश साबू, डॉ. रामविलास मालानी, रतनलाल लाहोटी, घासीराम मालू सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा। अंत में पटाका एण्ड कंपनी द्वारा पटाखा शो आयोजित किया गया।

वर्धा। गणेश भक्त तथा सैकडों ग्रंथों के रचियता प्रो. डॉ. स्वानंद पूंड के मुख्य आतिथ्य में स्थानीय समाज का दीपावली मिलन समारोह आयोजित हुआ। अतिथि स्वागत पूर्व ट्रस्टी डॉ. उल्हास जाजू ने किया। समन्वयक राजकुमार जाजू ने अतिथि परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन अनिल केला ने किया। आभार प्रदर्शन सहसचिव मनोज मोहता ने किया। चारों मंडल के अध्यक्ष हरगोविंद टावरी, शशी राठी, अनुराग राठी तथा कु. राधिका मुंधड़ा मंचासीन थे। समस्त सदस्य-सदस्याओं का सहयोग रहा।

नोहर। स्थानीय माहेश्वरी सभा युवा संगठन व महिला मंडल के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन थिरानी धर्मशाला में किया गया। युवा संगठन द्वारा एक मिनट प्रतियोगिता, लक्की ड्रा व तंबोला का आयोजन किया गया। उत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार राठी ने बताया कि इस अवसर पर सभा अध्यक्ष जुगल मर्दा, ओमप्रकाश कालानी, संरक्षक प्रयागचंद चांडक, पवन चांडक, ब्रदीप्रसाद राठी, दुर्गादत्त कालानी, पवन बागड़ी, युवा संगठन के जिला सहसचिव अंकुर लखोटिया, संजय कालानी, मांगीलाल बजाज, युवा संगठन के अध्यक्ष नरेंद्र चांडक व सचिव महेश नढाणी ने आभार व्यक्त किया।

अजमेर। महिला मंडल द्वारा दीपावली मिलन समारोह का आयोजन मांडना थीम पर गया किया। इसमें पूरे हॉल को मांडणों से सजाया गया। सभी महिलाएं लाल रंग की साड़ियों में सज धज कर आई थी। शुरुआत में हाउजी खिलाई गई। उसके बाद समूह में गेम खिलाए गए। फूलों की रंगोली व दीपक सजाने की प्रतियोगिता रखी गई व अंत में विजेता टीम को पुरस्कृत किया गया। दिसंबर माह में किचन थीम रखी गई। सभी महिलाओं को चार भागों में बाँटा गया। अध्यक्ष अर्चना भूतड़ा व सचिव रश्मि हेड़ा ने आभार व्यक्त किया।

उदयपुर। हिरण मगरी सेक्टर 11 स्थित महेश सोसायटी का दीपावली स्नेह मिलन समारोह सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ आयोजित किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष सत्यनारायण झंवर ने बताया कि मुख्य अतिथि जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष मोहनलाल देवपुरा थे। अध्यक्षता जानकीलाल मुन्दड़ा ने की। सचिव राकेश मुन्दड़ा ने बताया कि प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ वर्ष 2014-16 के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले ब्रजमोहन चाण्डक एवं दिनेश मूथा को भी सम्मानित किया गया।

सागर। स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव का आयोजन श्री द्वारकाधीश मंदिर में किया गया। इसमें 56 भोग का आयोजन किया गया। सचिव मनोरमा लखोटिया ने बताया कि इसमें माहेश्वरी स्वजन एवं अन्य भक्तजनों ने भोजन प्रसादी का लाभ लिया।

गंजबासौदा। स्थानीय माहेश्वरी समाज द्वारा दीपावली मिलन समारोह एवं गोवर्धन पूजन का आयोजन किया गया, जिसका दोपहर में भोजन प्रसादी के बाद समापन हुआ। पूजन एवं अभिषेक के मुख्य यजमान रामनिवास मूंदड़ा दम्पत्ति थे। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण परवाल, नवल किशोर सोदानी, कैलाश परवाल, संजय पलोड़, मनोज डागा, सतीश माहेश्वरी, हरिबाबू मूंदड़ा, प्रमोद सर्राफ, सम्पत मूंदड़ा, अर्पित माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

नागपुर। श्री बड़ी मारवाड़ माहेश्वरी भवन ट्रस्ट के तत्वावधान में इतवारी रेशम ओली स्थित भवन में दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। समारोह में समाज के प्रतिभावान छात्र एवं छात्राओं का सत्कार किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष राधेश्याम सारड़ा ने सभी समाजजनों को दीपावली की शुभकामनाओं के साथ मौजा कापसी भंडारा रोड़ पर बन रहे प्रस्तावित भवन की जानकारी देते हुए सभी से सहयोग करने की अपील की। मुख्य अतिथि रमेश बंग (पूर्व नागरी व अन्न आपूर्ति मंत्री) व विशेष अतिथि रमेश मंत्री (अध्यक्ष नगर माहेश्वरी सभा नागपुर) का स्वागत राजेश बजाज व घासीराम मालू द्वारा किया गया। पूर्व अध्यक्ष रामरतन सारड़ा, गोविन्दलाल सारड़ा तथा ट्रस्ट सचिव राजेश बजाज की विशिष्ट उपस्थिति रही। ओमप्रकाश सोनी व कोषाध्यक्ष मधुसूदन सारड़ा ने कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम संयोजक सतीश जाजू व सहसंयोजक सुधीर सोनी के साथ ही पुखराज बंग, श्रीनिवास काकाणी, वासुदेव मालू, श्याम परतानी, बंकटलाल सारड़ा सहित समस्त सदस्यों का सहयोग रहा।

> जीवन में कई मुसीबतें
> जल्दी में 'हाँ' और देर से 'ना'
> बोलने पर आती है।

सेवल्या माता का तृतीय पाटोत्सव

जोधपुर। सेवल्या माता मन्दिर समिति ओसियां द्वारा मन्दिर के तृतीय पाटोत्सव कार्यक्रम के साथ नवीन कार्यकारिणी का गठन किया जाऐगा। इसमें श्रीमद् देवी भागवत कथा का 14 से 22 जनवरी तक पंडित दयाराम शास्त्री (चित्रकूट वाले) के श्री मुख से आयोजन होगा। हवन अभिजीत मुहूर्त में 12.15 बजे 23 जनवरी को होगा। इसी दिन साधारण सभा की बैठक एवं त्रिवार्षिक सभा के चुनाव-महाप्रसादी तथा रात्रि में भजन संध्या का आयोजन होगा। उक्त जानकारी अध्यक्ष-भंवरलाल सोनी, संरक्षक-देवकिशन सोनी व सचिव-जे.पी. सोनी ओसियां ने दी।

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पोस्टर चयनित

लखनऊ। स्व. श्री सत्यप्रकाश सारड़ा के पौत्र व अम्बरिश-संजू सारड़ा बैंगलुरू के सुपुत्र डॉ. वैंकटेश सारड़ा जर्मनी में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने रिसर्च सेंटर के विज्ञापन के प्रदर्शन के लिये चयनित हुए हैं। उनके पोस्टर्स के इन कोलॉज में "शेप यूअर फ्यूचर" जर्मनी में लिखा है।

अभिषेक आयआयटी से पीएच.डी.

भीलवाड़ा। परभणी समाज के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल बाहेती एवं रामेश्वरीदेवी के सुपौत्र एवं कैलाश चन्द्र व लीला देवी बाहेती भीलवाड़ा के सुपुत्र अभिषेक बाहेती को आयआयटी रूड़की द्वारा विज्ञान समूह के अन्तर्गत "फलोरेन बेस्ड ऑरगनिक डाईज फोर डाई सेन्सीटाईज्ड सोलर सेल "विषय पर प्रस्तुत शोध ग्रंथ पर पीएच डी. की उपाधि प्रदान की गई। इसके साथ ताईवान की ख्यात युनिवर्सिटी में उन्हें जॉब भी प्राप्त हुआ है।

ललित को सिल्वर मेडल

जलगाँव। जी ए अबॅकस अकेडमी पुणे द्वारा आयोजित प्रथम सेमिस्टर की परीक्षा समाज के छात्र ललित लाठी ने 200 में से 182 अंक प्राप्त करके उत्तीर्ण की। इस उपलब्धि पर उन्हें सिल्वर मेंडल से सम्मानित किया गया। ललित विलास एवं मोनाली लाठी के सुपुत्र हैं।

नुपूर ने जीता स्वर्ण पदक

उदयपुर। साइंस ओलम्पियाड़ फाउण्डेशन की ओर से आयोजित 15वें नेशनल साइबर ओलम्पियाड़ में कक्षा 2 में अध्ययनरत छात्रा नुपूर माहेश्वरी सुपुत्री गौतम-आराधना सोमानी ने राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल जीता तथा नेशनल लेवल पर 16वाँ स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर नुपूर को पाँच हजार रुपये नकद, गोल्ड मेडल एवं मेरिट सर्टिफिकेट साइंस ओलम्पियाड़ फाउण्डेशन की ओर से प्रदान किया जायेगा।

शैली सी.ए. एवं सी.एस. उत्तीर्ण

उदयपुर। ख्यात समाजसेवी घनश्याम काबरा की सुपुत्री शैली काबरा ने चार्टेड एकाउटेन्ट एवं कम्पनी सेक्रेटरी दोनों परीक्षा उत्तीर्ण कर समाज की प्रतिभाशाली छात्रा के रूप में अपना नाम रोशन किया। इनकी उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भावना को एमएस उपाधि

वंरगल। स्थानीय समाज के सदस्य प्रेमकुमार डालिया की सुपुत्री भावना ने नार्थ केरोलिना चार्लोट युनिवर्सिटी से एमएस की उपाधि प्राप्त की। इस उपलब्धि पर समस्ज स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया।

भव्य को गोल्ड-माधवी को सिल्वर मेडल

जयपुर। स्थानीय प्रतिष्ठित रूक्मिणी बिरला माडर्न हाईस्कूल के छात्र-छात्रा अंकुर व मीतु चितलांगिया के पुत्र-पुत्री ने खेल के क्षेत्र में अपनी सफलता का ध्वज फहराये हैं। पुत्र भव्य ने लम्बी कूद में गोल्ड तथा रिले दौड़ 100, 200 व 4×100 मीटर तीनों में पृथक-पृथक 3 सिल्वर मेडल हासिल किये। मेधावी ने 4×100 मीटर रिले दौड़ में सिल्वर तथा 100 मी. दौड़ में कांस्य पदक प्राप्त किये। ये दोनों वरिष्ठ समाज सदस्य श्री बल्लभ व राजश्री चितलांगिया के पौत्र-पौत्री हैं।

With Best Compliments from

Somani
Ispat Private Limited

Sanjay Somani 92465-34957
Sudhir Somani 98490-24065
Aakash Somani 99080-99081

11-6-27/1, 2&3, Opp. IDPL Factory, Balanagar, Hyderabad-500037
Ph. : 23777078, 23778375, 23772411, Resi. 27903868, **E-mail :** contact@somanisteel.com

Authorised Dealer of :
SAIL, VSP, JINDAL & LLOYD, JSW

HR Coll/TMT De-colling Unit & Godown at

Decolling Facility for 2-6 MTS to 25mm thick upto 2.5 mtr. width

Survey No. 76/2, Gondlapocharripally, Near Kompally, Hyderabad
Ph. : 23464041/2, Cell : 077022-66065

Branch : **Somani Ispat Pvt. Ltd.**
Plot No. 198/2, Block-D, Auto Nagar, Visakhapatnam (A.P.)-530012,
E-mail : vizag@somanisteel.com
Gajadhar Gaggar (90003-04058)
Dinesh Gaggar (90003-04044)

ISI &ISO Approved HDG Partner Maker
Maheshwari Fasteners & Bright Pvt. Ltd.

Mahender Rathi (92468-87753)
Plot No. 152, 154, Medchal Estate-501401,
Ph. : 08418-224066, Fax : 08418-224443

Manufactured of MS & HDG Fasteners

श्री माहेश्वरी टाईम्स राजनीति के क्षेत्र में अपना प्रतिष्ठित ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' अवार्ड दे रही है, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू को। श्री जाजू एक ऐसे जननायक हैं, जिन्होंने काजल की कोठरी मानी जाने वाली राजनीति में कदम तो रखा, लेकिन अपने आप पर कभी कोई दाग नहीं लगने दिया। इतना ही नहीं भाजपा के वर्तमान नेतृत्व के साथ श्री जाजू राजनीति को भ्रष्टाचार मुक्त व साफ-सुथरा बनाने में एक सेनानायक की तरह जुटे हुए हैं।

वर्तमान में श्याम जाजू देशभर के लिये न सिर्फ जाना माना बल्कि एक बेहद अपना सा नाम हैं। अपना संपूर्ण जीवन ही भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से राजनीति को समर्पित कर देने वाले श्री जाजू आज इस पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में भारतीय राजनीति में अपना अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। ऐसे व्यस्त व जिम्मेदारी पूर्ण पद की जिम्मेदारी निभाने के बावजूद भी उनकी छवि न सिर्फ समाज अपितु राजनीति में भी सिर्फ एक राजनेता के रूप में न होकर समाजसेवी की तरह उज्ज्वल है। राजनीति में हर बड़े नेता से लेकर छोटे कार्यकर्ता तक के वे अजीज हैं, तो समाज के

राजनीति के समाज सेवी भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

श्याम जाजू

भी बेहद अपने। जब भी जहां भी उन्हें याद किया जाता है, वे यथासंभव वहां न सिर्फ उपस्थित रहते हैं, बल्कि समाज की समस्याओं को शीर्ष तक पहुंचाने के साथ समाज में मार्गदर्शक की भूमिका भी निभाते हैं और वह भी पूर्णतः निःस्वार्थ भाव से सिर्फ समाज के प्रति अपने कर्तव्य की तरह।

विरासत में मिली राजनीति

श्री जाजू का जन्म 29 अक्टूबर 1957 को 4 बहन एवं 1 भाई से भरे-पूरे परिवार में हुआ। उन्हें राजनीति भी विरासत में ही मिली। पिता स्व. श्री शंकरलालजी जाजू राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सम्बद्ध थे और उन्होंने 1948 में संघ बंदी के खिलाफ सत्याग्रह में भाग लेकर जेल यात्रा की। वर्ष 1967 में जनसंघ के माध्यम से महाराष्ट्र में अहमदनगर जिले की संगमनेर विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ा। वर्ष 1975 के समय में श्री जाजू भी अपने पिताजी के साथ जनसंघ में सक्रिय हो चुके थे और इस दौरान पिता-पुत्र दोनों ने एक साथ जेल में कारावास काटा। बस अंतर था तो यह कि पिता नासिक रोड़ जेल में निरूद्ध थे, तो स्वयं श्यामजी संगमनेर की जेल में। उस समय श्यामजी की उम्र मात्र 18 वर्ष थी। उस दौरान पिताजी ने उन्हें कई पत्र लिखे, जो आज भी श्री जाजू ने लेमिनेशन करवाकर सम्भालकर रखे हैं। पिताजी से श्री जाजू ने देव, देश और धर्म के पाठ सीखे।

ऐसे चली शिखर यात्रा

मध्यमवर्गीय परिवार में जन्में श्री जाजू का बचपन आर्थिक विषमताओं में गुजरा। पढ़ाई के साथ ही वे अपने पिताजी को व्यवसाय में भी सहयोग देते थे। पुना के वृहद्ध महाराष्ट्र कॉलेज ऑफ कॉमर्स से आपने एम.काम. तक शिक्षा प्राप्त की। कॉलेज जीवन के साथ ही श्री जाजू अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में सक्रिय हो गये तथा इसके पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में सतत 8 वर्ष तक कार्य किया। सन् 1984 में गोवाहाटी में चले घुसखोर हटाव सत्याग्रह में आपने महाराष्ट्र का नेतृत्व किया। छात्र राजनीति में सक्रियता के पश्चात् श्री जाजू भारतीय जनतापार्टी के सक्रिय सदस्य बन गये और इसके साथ ही आपने पार्टी में विभिन्न पदों पर अपनी सक्रिय व सफल सेवा दी। इसी का परिणाम यह रहा कि भाजपा नेतृत्व ने उनके महत्व को देखते हुए उनकी जिम्मेदारियों को भी सतत रूप से बढ़ाया। भाजपा के केन्द्रीय कार्यालय के सचिव व मुख्यालय

प्रभारी पद की जिम्मेदारियों का भी सफलतापूर्वक निर्वहन किया। आपकी समर्पित व सफल सेवाओं को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने वर्तमान में आपको पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद सौंप रखा है और श्री जाजू इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी भी अत्यंत सफलता के साथ निभा रहे हैं।

माँ से मिली सेवा भावना

श्री जाजू की माता स्व. श्रीमती लीलादेवी एक सक्रिय व समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता थी। अतः समाजसेवा की प्रेरणा उनसे इन्हें विरासत में मिली। इसका नतीजा यह निकला कि चाहे श्री जाजू राजनीति में रहे है फिर भी उनके लिये राजनीति किसी समाजसेवा से कम नहीं है। अपनी मिलनसारिता व मधुर व्यवहार से आप सदैव सभी के लिये सम्मान का केन्द्र ही रहे हैं। देशभर के किसी भी कोने से किसी प्रकार की मदद के लिये उनके पास पहुँचा कोई भी माहेश्वरी कभी मायूस नहीं हुआ। अपने राजनीतिक भ्रमण के दौरान भी आप समाज में सम्पर्कों को विशेष महत्व देते हैं। हिन्दुत्व की भावना आप में कूट-कूटकर भरी हुई है। अपनी विद्वत्ता के कारण आप छात्र जीवन से ही एक कुशल वक्ता भी रहे हैं। राजनीति में भी सेवा ही आपका परम लक्ष्य है और इसके प्रति आप सदैव समर्पित हैं।

सहकारिता व धार्मिक क्षेत्र में भी योगदान

श्री जाजू सहकारिता क्षेत्र में भी सक्रिय रहे। इसके अंतर्गत आपने संगमनेर मर्चेन्ट को-आपरेटिव बैंक में संचालक व दीनदयाल उपाध्याय पतसंस्था चोपरमोन की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। फिलहाल दिल्ली की केशप सहकारी बैंक में भी संचालक के रूप में सेवा दे रहे हैं। धार्मिक क्षेत्र की ख्यात विभूतियों से भी आपके अच्छे सम्बंध हैं। इनमें स्वामी जयेन्द्र सरस्वती, बाबा

रामदेव, श्रीश्री रविशंकरजी, अशोक सिंघल, सत्यामित्रानंद गिरिजी, किशोरजी व्यास (गोविन्दगिरिजी) जैसी ख्यात विभूतियाँ शामिल हैं। आपकी धर्मपत्नी प्रतिभाजी ने सदैव उन्हें जीवन में एक सच्ची अर्द्धांगिनी की तरह कर्तव्य पथ पर साथ दिया और पारिवारिक व राजनीतिक क्षेत्रों में यथोचित सहयोग दिया।

सेवा के वृहद आयाम

राजनीति के अलावा अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के नाते दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं माहेश्वरी समाज के राजनैतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय निमंत्रक तथा महेश सेवा सदन के आप सदस्य हैं। आल इण्डिया स्पोर्ट्स संघ के संरक्षक के रूप में भी आप कार्यरत है। व्यापारी व उद्योग जगत से उत्पन्न होने के कारण अलग अलग राज्यों में या राष्ट्रीय स्तर पर जब इन क्षेत्रों में समस्यायें निर्मित होती हैं तो विधायक दृष्टिकोण रखते हुए समस्याओं का हल निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सावरकर अंतराष्ट्रीय साहित्य सम्मेलन के मोरिशियस में हुये सम्मेलन की अध्यक्षता इस बार श्री जाजू ने की। युनिवर्सल पीस फेडरेशन मंच पर साउथ कोरिया व बैंकोक में भारत का प्रतिनिधित्व श्री जाजू ने किया हैं। जीवन के अलग अलग क्षेत्रों में दूरदृष्टि रखते हुए आपने जो सक्रियता निभाई है, इसके कारण महाराष्ट्र सरकार ने भी आपको दुय्यम सेवा निवड मंडल (Regional recruitment Board) नासिक में संचालक के रूप में पुरस्कृत किया था। श्री जाजू को प्रवरानगर इंजीनियरिंग कालेज में सरकारी प्रतिनिधि के रूप में संचालक नियुक्त किया गया। आपके प्रयत्न से ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने समाज को आजादी के बाद पहली बार महेश नवमी के अवसर पर शुभकामनाए देकर गौरवान्वित किया था।

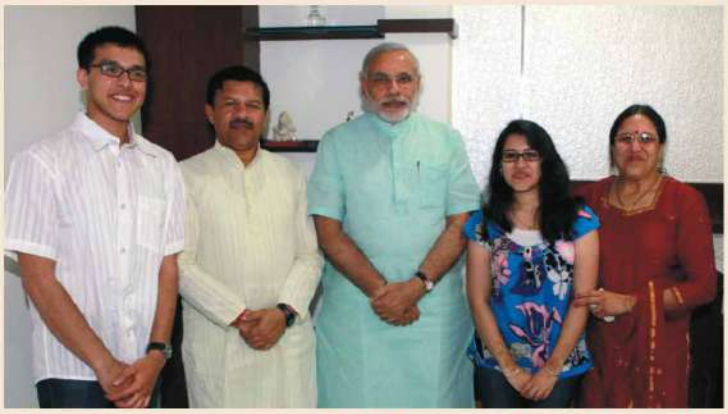

पत्नी प्रतिभा जाजू भी रहीं अभाविप में साथी

श्री जाजू का विवाह 9 दिसम्बर, 1986 को नासिक के रेडीमेड व्यवसायी श्री जगन्नाथ-शोभना चाण्डक की सुपुत्री बी.कॉम. तक शिक्षित सामाजिक कार्यकर्त्ता प्रतिभा के साथ हुआ। श्रीमती जाजू भी विद्यार्थी जीवन के दौरान अंशकालीन कार्यकर्त्ता के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से जुड़ी हुई थीं। श्री जाजू इसके पूर्णकालिक कार्यकर्त्ता थे। इस दौरान हुआ परिचय भविष्य में दाम्पत्य के रिश्ते में परिणित हो गया। वर्तमान में आपके परिवार की फुलवारी 1 पुत्री व 1 पुत्र से सजी हुई है। पुत्री सोनाली का ठाणे निवासी साहस राठी के साथ विवाह हुआ है, जो वर्तमान में बोस्टन में वैज्ञानिक हैं। पुत्र सन्देश सीए पूर्ण कर सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं।

राजनीति में सक्रियता क्यों बढ़ाऐं माहेश्वरी

श्री जाजू राजनीति में समाज की सक्रियता बढ़ाने को आवश्यक मानते हैं। उनका कहना है कि किसी समय राजनीति को अच्छा क्षेत्र नहीं समझा जाता था। अतः अच्छे लोग इसमें आना पसंद नहीं करते थे। लेकिन मोदीजी के नेतृत्व में राजनीति की तस्वीर बदल रही है। अब इसके प्रति आम बुद्धिजीवियों की सोच भी बदली है। राजनीति के प्रति अच्छे लोगों का आकर्षण बढ़ा है। मेरे विचार में तो समाज को भी इस क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ानी ही चाहिये। माहेश्वरी समाज समाजसेवा के क्षेत्र में सबसे आगे रहा है। अतः जब वर्तमान में मोदीजी के नेतृत्व में राजनीति का क्षेत्र समाजसेवा की तरह सर्वव्यापी हो गया है, तो ऐसे में समाज की इसमें भागीदारी बढ़ना स्वाभाविक भी है और आवश्यक भी। भारत प्रगतिशील व सुदृढ़ हो, इसके लिये भी हमारे समृद्ध-सुदृढ़ समाज को योगदान बढ़ाना चाहिये।

नववर्ष पर्व के अवसर पर सभी माहेश्वरी बन्धुओं को

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

कमल किशोर चाण्डक

संयुक्त मन्त्री- अ.भा. माहेश्वरी महासभा

कोषाध्यक्ष- श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर

लक्ष्मीनारायण कमलकिशोर चाण्डक

ए-7, मण्डोर मण्डी, जोधपुर (राज.)

दिनेश मशीनरी स्टोर्स

चाण्डक मार्केट, खींवसर (राज.)

उद्योग श्रेणी में विस्फोटक उद्योग जैसे विशिष्ट क्षेत्र के लिये ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर'' अवार्ड दिया जा रहा है, सोलर ग्रुप के चेयरमैन 63 वर्षीय सत्यनारायण नुवाल को। उनका उद्योग समूह वर्तमान में विस्फोटकों में देश में शीर्ष व विश्व में टॉप-10 उद्योगों में शामिल है। विस्फोटक के व्यवसाय के बावजूद आध्यात्म और मानवीय संवेदनाओं से भरपूर है, श्री नुवाल का मन। आइये जाने कैसे मात्र 10 वर्ष में श्री नुवाल ने छुआ यह सफलता का अकल्पनीय शिखर।

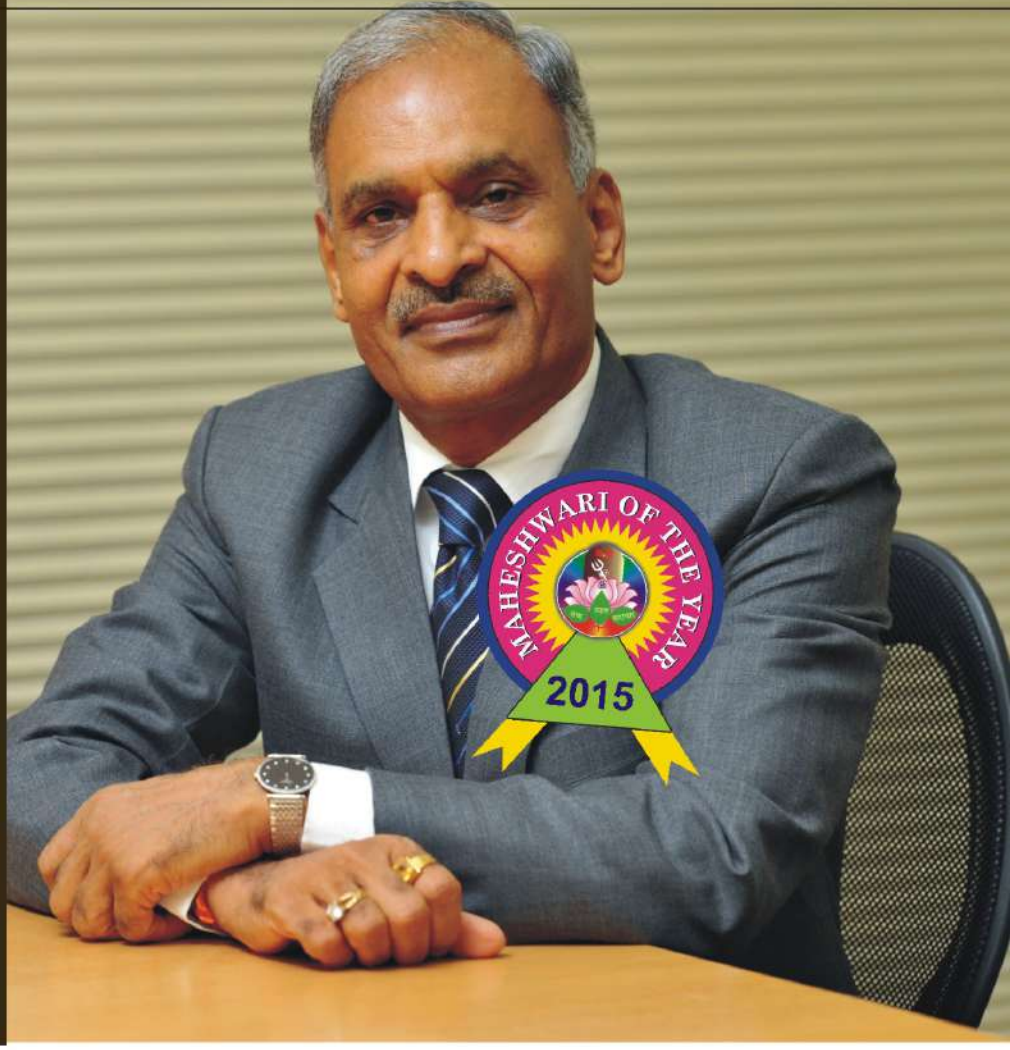

विस्फोटक की दुनिया के शीर्ष पर

सत्यनारायण नुवाल

श्री नुवाल देश ही नहीं बल्कि विश्व के विस्फोटक व्यवसाय जगत में एक प्रतिष्ठित नाम हैं। इसे ईश्वरीय कृपा, श्री नुवाल की सूझबूझ और दृढ़संकल्प का नतीजा ही माना जा सकता है कि मात्र 19 वर्ष पूर्व शून्य ही नहीं बल्कि उधारी से एक वर्कशॉप की तरह लघु उद्योग के रूप में स्थापित उनका विस्फोटक उद्योग ''सोलर ग्रुप'' के रूप में सम्पूर्ण विश्व के लिये एक अत्यंत जाना माना नाम है। वर्तमान में वे विस्फोटक एवं इससे संबंधित उत्पादों के देश के सबसे बड़े निर्माता बन चुके हैं और दुनिया के शीर्ष 10 विस्फोटक निर्माताओं में से एक हैं। आज भारत में 20 स्थानों पर सोलर ग्रुप की निर्माण इकाईयां स्थापित हो चुकी हैं। इसके अलावा भारत के बाहर कंपनी की तीन निर्माण इकाइयां जाम्बिया, नाइजीरिया और तुर्की में भी हैं। वर्तमान में इस समूह में कुल 3000 कर्मचारी कार्यरत हैं। दुनिया का सबसे बड़ा कार्टिज एक्सप्लोसिव्स एंड डेटोनेटिंग फ्यूज निर्माण संयंत्र सोलर ग्रुप का ही है।

दुनिया के 40 से अधिक देशों को निर्यात

यह कंपनी आज हर तरह के उपयोगी विस्फोटक उत्पादों का निर्माण कर रही है। देश के एक-तिहाई विस्फोटक एवं संबंधित उत्पादों के बाजार पर इसका वर्चस्व कायम है। कंपनी के उत्पाद दुनिया के 40 देशों में इस्तेमाल किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2014-15 में सोलर ग्रुप ने कुल 1,463 करोड़ रुपए का कारोबार किया। कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। इस

समय कंपनी की कुल बाजार पूंजी 6000 करोड़ रुपए से अधिक है। इनके उत्पादों को देखकर ही अंदाजा लगता है कि वे बाजार की नब्ज को अच्छी तरह जानते हैं। यही कारण है कि लगभग हर क्षेत्र के उद्योग उनके ग्राहक हैं।

अब देश को आयुध में आत्म-निर्भर बनाने की तैयारी

अब यह समूह रक्षा उत्पादनों में भी प्रवेश कर चुका है। इसमें नागपुर के निकट मिसाइल एवं रॉकेट में इस्तेमाल किए जाने वाले प्रॉपेलैंट, वॉरहेड विस्फोटक एवं वॉरहेड निर्माण संयंत्र शामिल हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास केन्द्र (डीआरडीओ) द्वारा विकसित पिनाका अस्त्र, इनवार मिसाइलों में यह उत्पाद इस्तेमाल किए जाते हैं। वॉरहेड विस्फोटकों के संयंत्रों को पहले ही अधिकृत किया जा चुका है। ये विस्फोटक भी सार्वजनिक अथवा निजी क्षेत्र में अपनी तरह के पहले संयंत्र हैं। श्री नुवाल का सपना है कि वे देश के अग्रणी रक्षा उत्पादक बनें जिससे हथियारों और गोलाबारूद के आयात को कम किया जा सके। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामले में हमारी दूसरे देशों पर निर्भरता भी कम हो।

अत्यंत सीमित शिक्षा ही मिली

श्री नुवाल का जन्म भीलवाड़ा जिला राजस्थान के एक सुसंस्कृत परिवार में सन् 1952 में हुआ। पिताजी पटवारी थे, जो बाद में राजस्व निरीक्षक बन गये। माध्यमिक शिक्षा हुरड़ा (तहसील) के एक ग्रामीण विद्यालय से प्राप्त की, फिर गुलाबपुरा से हाईस्कूल तक ही पढ़ाई कर सके। इसके बाद उन्हें वर्ष 1969 में गायत्री शक्तिपीठ परिवार के संस्थापक गुरूदेव पं. रामचन्द्र शर्मा आचार्य के मथुरा स्थित आश्रम में सेवा व संस्कार ग्रहण करने पहुँचा दिया गया। यहाँ रहते हुए उन्होंने हवन व पूजा आदि की शास्त्रोक्त पद्धतियाँ सीखीं। यहाँ से मिले संस्कार उनके जीवन में रच बस गये। जीवन तो संस्कारित व आध्यात्म से ओतप्रोत हो गया लेकिन उनकी परम्परागत शिक्षा हाईस्कूल से आगे नहीं बढ़ पाई। हाँ, यहाँ रहते आश्रम के कौशल विकास केन्द्र से लिये प्रशिक्षण

के कारण प्रिंटिंग प्रेस व इंक निर्माण उद्योग आदि जैसे व्यवसायों के सपने अंगड़ाई अवश्य लेने लगे थे।

सपने तो कई बार बिखरे पर हौंसला नहीं

18 वर्षीय श्री नुवाल वर्ष 1970 में लघु उद्योग का सपना लिये मथुरा से घर पहुँचे और छोटे से ''इंक निर्माण उद्योग'' की शुरूआत की। बहुत प्रयासों के बावजूद भी यह असफल हो गया और उद्योग बंद करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने केमिकल व्यवसाय में कदम रखा और वर्ष 1975-76 तक इसमें ही जुटे रहे, पर असफलता हाथ लगी। इसके बाद पार्टनरशिप में ट्रेक्टर कम्प्रेशर निर्माण के व्यवसाय में कदम रखा लेकिन वह भी अधिक समय तक नहीं चला। इसके बाद श्री नुवाल अच्छे व्यवसायिक अवसरों की आशा में चंद्रपूर के निकट स्थित बाल्लारशा आ गये। यहाँ उनके एक निकटतम रिश्तेदार एक कम्पनी में माईन मैनेजर के रूप में कार्य कर रहे थे। यहाँ आकर सेना का एक पुराना ट्रक जो 3 हजार रुपये में खरीदा था, जिसे भाड़े पर चलाते हुए ट्रांसपोर्ट व्यवसाय में कदम रखा। बदकिस्मती ने यहाँ भी पीछा नहीं छोड़ा। इस ट्रक का एक्सीडेंट हो गया और इसमें न सिर्फ उनकी समस्त जमापूंजी ही डूबी बल्कि उल्टे 2 हजार रुपये का कर्ज भी हो गया। इन विकट स्थितियों के बावजूद श्री नुवाल के हौंसले कायम थे और वे व्यवसाय के नये अवसर तलाशते रहे।

इस तरह रखा विस्फोटक की दुनिया में कदम

जब उन्हें असफलता पर असफलता मिल रही थी, तो ऐसे में किस्मत से उन्हें चंद्रपूर में एक वरिष्ठ शख्स मिले, अब्दुल सत्तार अल्लाह भाई। उनके पास विस्फोटक सामग्री भण्डारण व विक्रय का लायसेंस था और साथ ही भण्डारण का गोदाम था। ट्रेक्टर कम्प्रेशर व्यवसाय ने उन्हें विस्फोटक से सम्बंधित आंशिक अनुभव दे रखा था। बस उन्होंने किराये पर मैग्जीन (सुरक्षित स्थान) लिया और श्री अब्दुल की सहायता से विस्फोटक व्यवसाय की दुनिया में कदम रख दिया। इसके बाद श्री नुवाल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वर्ष 1996 में नागपुर के समीप विधिवत एक लघु उद्योग की स्थापना की तथा इन 19 वर्ष में उन्होंने जो सफलता प्राप्त की वह कल्पना से परे है।

धर्म व आध्यात्म से ओतप्रोत

इस सफलतम व्यवसाय की बागडोर संभालने के साथ-साथ नुवाल परिवार में धार्मिक एवं आध्यात्मिक विचार भी गहरे तक समाए हैं। इन विचारों का बीज श्री सत्यनारायण नुवाल के पिता श्री नंदनलाल नुवाल एवं छोटे भाई श्री कैलाशचंद्र नुवाल ने बोया था, जिन्होंने अपने जीवनकाल का अधिकांश हिस्सा गायत्री परिवार ट्रस्ट को समर्पित कर दिया। श्री नुवाल वेदमाता गायत्री ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं, साथ ही वे मारवाड़ी फाउंडेशन के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं।

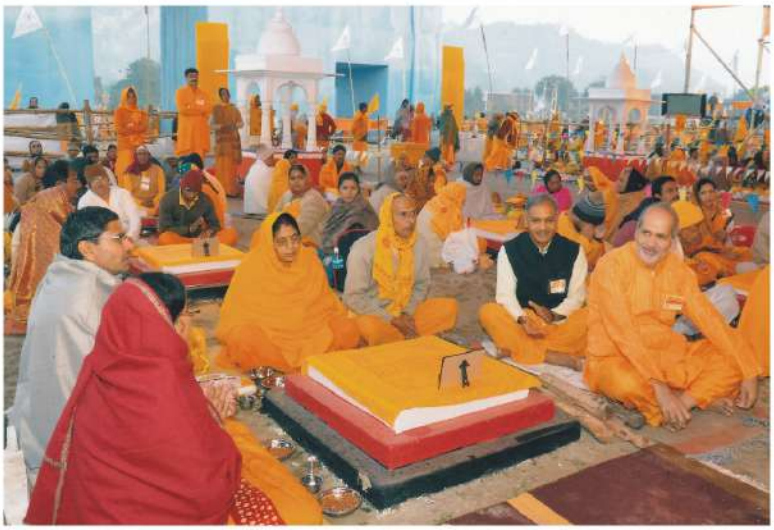

9, 10, 11 जनवरी 2016

अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा

माहेश्वरी महिला महाकुम्भ

'सृजन सेतु'

के अवसर पर

हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएँ

ENDSEAL

HEAT SHRINKABLE CABLE JOINTING KIT

MUNDHRA

GROUP

Since : 1975

Ram Gopal Mundhra

Smt. Prakash Mundhra

Corporate Office :

"Mundhra Chambers", #87, 22nd Main Road, Banshakri 2nd Stage, Bangalore-560070

Phone : 080-26713802/26713810

E-mail : info@endseal.com

Sales Office :

16, Sajjan Sha Market, Chickpet, Banglore-560053

Phone : 080-22870103/41222140,

E-mail : sales@endseal.com

Website : www.endseal.com, E-mail : mundhralighting@gmail.com

Mobile : 093418-33353/093418-23353/099860-33339

किसी क्षेत्र विशेष ही नहीं बल्कि चहुमुखी योगदानों के लिये श्री माहेश्वरी टाईम्स द्वारा अपना प्रतिष्ठित ''माहेश्वरी ऑफ द ईयर अवार्ड'' भीलवाड़ा के ख्यात उद्यमी व समाजसेवी रतनलाल नौलखा को दिया जा रहा है। श्री नौलखा एक ऐसी विभूति हैं, जिन्होंने उद्योग जगत, व्यावसायिक संस्थानों, शैक्षणिक संस्था व समाजसेवा आदि लगभग हर क्षेत्र में अपनी उल्लेखनीय सेवा दी है।

सेवा के ऑलराउण्डर रतनलाल नौलखा

वर्तमान में भीलवाड़ा निवासी रतनलाल नौलखा नितिन स्पिनर्स लिमिटेड के अध्यक्ष हैं। नितिन स्पिनर्स को स्थापित करने से पहले अपने कैरियर में लगभग 30 वर्ष तक श्री नौलखा ने सूर्या रोशनी लिमिटेड व एलएनजे भीलवाड़ा ग्रुप में अपनी सेवाऐं दी। अपने कैरियर में इन्होंने अपने आपको भीलवाड़ा ग्रुप के प्रबन्धन की अग्रिम पंक्ति में स्थापित किया और भीलवाड़ा ग्रुप की कम्पनी बी.एस.एल. लिमिटेड में प्रबन्ध निदेशक के पद पर 8 वर्षों तक रहे। श्री नौलखा ने नितिन स्पिनर्स लिमिटेड सन् 1993 में प्रारम्भ की। वर्तमान में कम्पनी में 150000 स्पींडल, 3000 रोटर एवं 49 निटिंग मशीन स्थापित है, जो कि सूती धागे व निटेड फेब्रिक का उत्पादन करती है। इस समय यह कम्पनी राजस्थान में सूती धागे एवं निटेड फेब्रिक का सर्वाधिक उत्पादन कर रही है। कम्पनी अपने उत्पाद दुनिया के सभी महाद्वीपों के लगभग 50 से भी अधिक देशों में निर्यात कर रही है। कम्पनी की वार्षिक बिक्री लगभग 800 करोड़ रूपये व निर्यात लगभग 500 करोड़ रूपये है। नितिन स्पिनर्स के शेयर BSE व NSE पर सूचीबद्ध भी है। उनके उद्योग को ग्रे फेब्रिक वर्ग में निर्यात के लिए वर्ष 2006-07 व 2007-08 टेक्स प्रोसिल सिल्वर ट्रॉफी तथा वर्ष 2010-11 व 2014-15 में ब्रॉस ट्रॉफी प्रदान की गई। राजस्थान सरकार द्वारा निर्यात में विशेष उपलब्धि के लिए निर्यात उत्कृष्टता पुरस्कार वर्ष 2007-08, 2010-11 व 2013-14 के लिए दिया गया। औद्योगिक विकास एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के क्षेत्र में कर्मठता, सक्रियता एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए ''उद्योग पत्र'' पुरस्कार से भी वर्ष 2003 में नवाजा गया। भीलवाड़ा में ब्लेडेंड सूटिंग के व्यवसाय को स्थापित करने में आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

विलक्षण प्रतिभा के धनी

श्री नौलखा का जन्म 9 सितम्बर 1946 को स्व. श्री सोजीराम नौलखा के यहाँ ग्राम फूलियां कलां (भीलवाड़ा) में हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा ग्राम फूलियांकलां से ही प्राप्त की। उसके बाद स्नातक स्तर की शिक्षा 1966 में राजस्थान यूनिवर्सिटी अजमेर से पूर्ण की। इसके बाद चार्टर्ड एकाउन्टेंसी की शिक्षा के लिये सन् 1967 में बम्बई चले गये। उच्च व्यावसायिक परीक्षाओं में अपनी विलक्षण प्रतिभा की छाप छोड़ते हुये श्री नौलखा जी ने चार्टर्ड एकाउंटेंट, कम्पनी सैकेट्री व आई.सी.डब्ल्यू.ए. की सदस्यता हासिल की। उस समय में बहुत कम ही व्यक्ति होंगे, जिन्होंने तीनों अग्रणी व्यावसायिक संगठनों की सदस्यता हासिल की हो। श्री नौलखा ने सीए इंटर मीडियेट की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर तृतीय व पश्चिम अंचल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद सीए फाइनल की परीक्षा में भी इन्होंने पश्चिम अंचल में प्रथम व अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इतना ही नहीं श्री नौलखा ने आई.सी.डब्ल्यू.ए. की परीक्षा में भी अखिल भारतीय स्तर पर चतुर्थ स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा दिखाई थी।

ऊर्जा व पर्यावरण में विशेष योगदान

श्री नौलखा के उद्योग के ऊर्जा संरक्षण में विशेष योगदान के लिए राजस्थान ''ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2015'', जिसमें स्पिनिंग व विविंग वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कम्पनी पर्यावरण संरक्षण की ओर विशेष रूप से प्रयासरत है। कम्पनी ने अपनी औद्योगिक ईकाई की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाया है, जिससे पांरपरिक ऊर्जा की खपत कम हुई है। साथ ही पानी के संरक्षण के लिए सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट लगाकर सीवरेज के पानी को प्लांटेशन में काम में लिया जाता है। कम्पनी ने अपने औद्योगिक परिसर में कई फलदार व छायादार पेड़ लगाये हुये हैं। उल्लेखनीय है कि इस हरियाली व शांत वातावरण से आकर्षित होकर यहां करीब 50,000 तोते शाम को झुंड में आते हैं व रात्रि विश्राम करते हैं। शाम को इनकी चहचहाट से एक मनोरम दृश्य उत्पन्न होता है। इन पक्षियों के दाना-पानी की व्यवस्था भी नौलखा परिवार करता है।

कई व्यावसायिक संस्थाओं से सम्बद्ध

श्री नौलखा कई औद्योगिक व व्यापारिक संघों से जुड़ हुए हैं। वर्तमान में राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, कॉन्फेडरेशन ऑफ इण्डियन टेक्स्टाइल इण्डस्ट्री (सिटी) के सदस्य तथा टेक्सटाइल सेक्टर स्किल काउंसिल के निदेशक है। साथ ही भारतीय कपड़ा उद्योग परिसंघ कपास विकास एवं अनुसंधान संगठन के समिति सदस्य, टेक्सटाइल एसोसिएशन ऑफ इण्डिया- राजस्थान ईकाई के अध्यक्ष एवं नोर्थन इण्डिया टेक्स्टाईल मिल्स एसोसिएशन के समिति सदस्य भी हैं। इससे पहले वह नोर्थन इण्डिया टेक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन व मेवाड़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री-भीलवाड़ा के अध्यक्ष, राजस्थान चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंड्रस्टीज के उपाध्यक्ष, राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष भी रह चुके हैं।

समाज सेवा में वृहद आयाम

श्री नौलखा विभिन्न सामाजिक एवं कल्याणकारी संगठनों के मंचों पर भी सदैव सक्रिय रहते हैं। वर्तमान में ये अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के उपसभापति (पश्चिमांचल), लॉयन्स क्लब District-323E2 के डिस्ट्रीक्ट चैयरपर्सन, श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी के ट्रस्टी, श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र के सदस्य, राजस्थान महेश सेवा निधि के उपाध्यक्ष, विवेकानन्द केन्द्र भीलवाड़ा के अध्यक्ष, श्री गणेश उत्सव एवं प्रबन्ध समिति-भीलवाड़ा के संरक्षक एवं श्री सोजीराम रतनलाल नौलखा चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी के पद की जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वाह कर रहे हैं। इससे पहले आप भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष, राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष, लॉयन्स क्लब District-323E2 के रिजनल-चैयरमैन, लॉयन्स क्लब भीलवाड़ा के अध्यक्ष तथा यूनेस्को फैडरेशन भीलवाड़ा के प्रेसिडेंट रह चुके हैं। राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा भीलवाड़ा में 1999 में आयोजित प्रदेश सम्मेलन में स्वागताध्यक्ष के दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। भीलवाड़ा में 28 से 30 दिसम्बर 2007 में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन की आयोजक संस्था भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा में जिलाध्यक्ष के रूप में आयोजन के सभी दायित्वों को सफलतापूर्वक निभाया।

शिक्षा जगत में अमिट छाप

श्री नौलखा ने भीलवाड़ा माहेश्वरी समाज की प्रमुख शैक्षणिक संस्था श्री महेश शिक्षा सदन के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन लगातार बारह वर्ष सन् 1983-1995 तक किया। इस विद्यालय में 2000 से अधिक विद्यार्थी शिक्षारत हैं। वर्तमान में माणिक्यलाल वर्मा टेक्सटाइल इंजीनियरिंग महाविद्यालय सदस्य शासकीय परिषद्, नोर्थन इण्डिया टेक्स्टाईल रिसर्च एसोसिएशन टेक्निकल कैम्पस अध्यक्ष शासकीय परिषद, मूक बधिर बालकल्याण विकास समिति भीलवाड़ा के सदस्य आदि पदों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं। दी. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया भीलवाड़ा शाखा के संस्थापक अध्यक्ष, दी. इंस्टीट्यूट ऑफ कोस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इण्डिया अजमेर-भीलवाड़ा शाखा के संस्थापक अध्यक्ष, दि इंस्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया-उत्तर क्षेत्र के सहयोजित सदस्य रह चुके हैं।

सुखद परिवार का साथ

श्री नौलखा वर्ष 1966 में विवाह सूत्र में बंधे थे। इनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला देवी नौलखा एक पारिवारिक एवं धर्मप्रिय महिला हैं। श्री नौलखा के दो पुत्र व एक पुत्री हैं। बड़े पुत्र 45 वर्षीय दिनेश नौलखा चार्टर्ड एकाउटेंट व कोस्ट अकांउटेंट हैं तथा नितिन स्पिनर्स की स्थापना के साथ ही कम्पनी से जुड़े होकर इसके प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी निभा रहे है। छोटे पुत्र 39 वर्षीय नितिन नौलखा एम.बी.ए. की पढ़ाई करने के बाद 2001 से कम्पनी से कार्यकारी निदेशक के रूप में जुड़े हुए हैं। पुत्री सुधा का विवाह दिल्ली निवासी विवेक मालानी के साथ हुआ जो वर्तमान में जयपुर में रियलएस्टेट से जुड़े हुऐ हैं।

राठी परिवार के वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

परम श्रद्धेय

श्री पुरुषोत्तमदास जी राठी

के स्वर्गवास की दुःखद घड़ी में
आप सभी बंधुओं एवं स्नेहजनों से जो सम्बल व अपनत्व मिला,
उसके लिए हम हृदय से आभारी हैं.
आपका यह साथ जीवन भर देता रहेगा सदैव
अपनेपन का अहसास.

दोस्ती, प्रेम, अपनत्व की यह पूंजी ही हमारी धरोहर है.

स्वतंत्रता संग्राम एवं देशभक्ति से जुड़े परिवार पर
सभी का आशीर्वाद बना रहे.

विनीत

सीताराम राठी
(गाडरवारा)
कमलकिशोर राठी

आलोक रंजन राठी
पुत्री- कल्पना गगडानी
(महामंत्री, अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन)
पुत्री- अर्चना माहेश्वरी (भोपाल)

विष्णुदास राठी
(इंदौर)
अखिलेश राठी

पुत्रवधू : संगीता राठी. दामाद : शरद गगडानी, श्याम सुंदर माहेश्वरी.

एक प्रतिष्ठित व्यवसायी के साथ ही दिल्ली निवासी रामकुमार टावरी की पहचान एक समर्पित समाजसेवी के रूप में है। वे अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा को भी संयुक्त सचिव उत्तरांचल के रूप में सेवा दे रहे हैं। उनके जीवन में गत माह सुखद पल लेकर आया और वह पल है, विवाह की 50वीं वर्षगाँठ।

समाज सेवा के पथ के पथिक रामकुमार टावरी

अपने पूर्ण समर्पण व कठोर परिश्रम से व्यवसाय जगत में क्षितिज की ऊँचाई को छुने वाले दिल्ली निवासी रामकुमार टावरी वर्तमान में उम्र के 71 वें पड़ाव पर हैं। उन्होंने वैसे तो व्यवसाय और सामाजिक दायित्वों दोनों की जिम्मेदारियों को पूर्ण संतुलन के साथ सदैव निभाया, लेकिन वर्तमान में तो अपनी व्यावसायिक जिम्मेदारियों को पूर्णतः अपने पुत्रों को सौंपकर समाजसेवा को ही समर्पित हो गये हैं।

गत मनाई विवाह की 50वीं वर्षगांठ

श्री टावरी का जन्म 7 नवम्बर 1944 में अपने ननिहाल शामली स्थान लाख गाँव जिला-मुजफ्फर नगर (उ.प्र.) में हुआ। इनके पूर्वज राजस्थान में पोकरन से हरियाणा प्रदेश के ग्राम मोहमदाबाद जिला सोनीपत में आकर बस गये। तत्पश्चात् आपके पिताजी श्री बद्रीप्रसाद टावरी 1950 में दिल्ली आ गये। श्री टावरी का विवाह 2 दिसम्बर 1965 में अलीगढ़ निवासी श्री रमेशचन्द्र राठी की पुत्री उर्मिला देवी के साथ हुआ। अत्यन्त हर्ष की बात है कि गत दिसम्बर 2015 में उनके विवाह की स्वर्ण जयंती (50वीं वर्षगांठ) मनायी गई। श्री टावरी एक ऐसा व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने सामान्य परिवार में जन्म लेकर न सिर्फ स्वयं परिश्रम करके अपने काम को ही आगे बढ़ाया, बल्कि दूसरे लोगों को भी काम-धंधा तथा व्यवसाय के लिये प्रेरित किया।

सदैव तन-मन-धन से समर्पित

श्री टावरी की विशेषता यह रही कि सामाजिक गतिविधियों के लिये वे तन-मन-धन से सदैव समर्पित रहे। आपने अभी तक विभिन्न संस्थाओं में कई जिम्मेदारियों को वहन किया है। वर्तमान में आप अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के उत्तरांचल के संयुक्त सचिव हैं। इसके साथ ही आप श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र सदस्य, महाराजा अग्रसेन हास्पिटल चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) पंजाबी बाग दिल्ली तथा सुखधाम भवन वृंदावन (उ.प्र.) के न्यासी के रूप में भी सेवा दे रहे हैं।

अब फिर आयेंगे रिश्ते आपके द्वार... श्री माहेश्वरी मेलापक 2016 छपकर तैयार...

विवाह योग्य युवक-युवतियों की विश्वस्तरीय डायरेक्ट्री

श्री माहेश्वरी मेलापक

फिर लिखेगी सफलता का नया इतिहास

यदि आपने बुक नहीं करवाई है अपनी प्रति
तो आज ही बुक कराएँ
कहीं मौका न चूक जाए.

पृथक् से प्रति बुक करवाने के लिए
शुल्क 500/- (डाक खर्च अतिरिक्त)
अब रिश्ते आयेंगे आपके द्वार

90, विद्या नगर (टेड़ी खजूर दरगाह के पीछे), साँवेर रोड, उज्जैन (म.प्र.)
दूरभाष : 0734-2526561, 2526761, मोबाइल : 094250-91161
E-mail : srimaheshwarimelapak@gmail.com

स्मृति शेष

देशभर की गौशालाओं को संगठित कर गौसेवा को देशभर में आंदोलन के रूप में प्रारम्भ करने में अहम भूमिका निभाने वाले मुंडबाडीह (वाराणसी) के प्रख्यात गौसेवक जानकीवल्लभ करवा नहीं रहे। अपने अंतिम पड़ाव पर भी वे नेत्र व देहदान कर अनूठी मिसाल पेश कर गये।

नहीं रहे गौरक्षक जानकी वल्लभ करवा

वाराणसी ही नहीं बल्कि लगभग सम्पूर्ण देश में गौरक्षा व गौसेवा का अलख जगाने वाले ख्यात समाजसेवी मुंडबाडीह (वाराणसी) निवासी श्री जानकीवल्लभ करवा का 85 वर्ष की अवस्था में गत 24 दिसम्बर हो देहावसान हो गया। उनका सम्पूर्ण जीवन ही गौसेवा व पीढ़ित मानवता की सेवा में गुजरा और अंतिम क्षण में भी वे अपने लोकसेवा के आदर्शों की मिसाल पेश कर गये। उनके संकल्प के अनुसार उनके नेत्रों व देह का दान किया गया। नेत्र तो कुछ ही समय बाद दो नेत्रहीनों में प्रत्यारोपित हो उन्हें रोशनी देने लग गये। देहदान काशी हिन्दू विश्वविद्यालय को किया गया।

सभी ने दी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्री करवा को देशभर से आये कई ख्यात समाजसेवियों ने उनके अंतिम संस्कार में शामिल होकर श्रृद्धांजलि अर्पित की। ख्यात समाजसेवी व सूर्यकांत जालान के साथ ही माहेश्वरी समाज से उत्तरांचल के संयुक्त मंत्री अजय काबरा, महासभा के पूर्व महामंत्री गोवर्धनलाल झँवर, पूर्वी उत्तरप्रदेश के महामंत्री नंदकिशोर झँवर, महासभा के कार्यसमिति सदस्य वीरेन्द्र भुराड़िया, महासभा कार्यकारी मंडल सदस्य शंकरलाल सोमानी, किशोर मून्दड़ा, राजेश बाहेती, मांगीलाल सारड़ा, भाजपा के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी सहित शहर के मेयर व भाजपा नगर अध्यक्ष आदि कई हस्तियाँ व समाजजन इसमें शामिल थे। अ.भा. माहेश्वरी महासभा की ओर से महामंत्री रामकुमार भूतड़ा तथा श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार की ओर से सम्पादक पुष्कर बाहेती व समाजसेवी जुगलकिशोर सोमानी (जयपुर) ने श्रृद्धांजलि अर्पित की।

गौसेवा को बनाया था आंदोलन

वाराणसी में सन् 1930 में जन्में स्व. श्री करवा ने शून्य से शुरूआत कर प्रतिष्ठित रूप से कपड़ा व्यवसाय की स्थापना की थी। फिर भी उनकी पहचान एक व्यवसायी से अधिक समाजसेवी के रूप में रही। वर्ष 1948 में 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ' से जुड़ने के साथ-साथ आपका सेवा क्षेत्र विस्तृत होता गया। भारतीय जनसंघ, भाजपा तथा विश्व हिन्दू परिषद की वाराणसी में स्थापना से भी आप सम्बन्धित रहे हैं। बाल्यकाल से ही करवा जी को गायों के प्रति विशेष ममता रही है। श्री काशी जीवदया विस्तारिणी गौशाला एवं पशुशाला के कृषि मंत्री के रूप में उनका गायों के लिये सार्वजनिक जीवन का श्रीगणेश हुआ। भारत में फैली 2500 गौशालाओं को संगठित कर गौ सेवा, दुग्ध उत्पादन तथा कृषि के क्षेत्र में क्रान्तिकारी परिवर्तन करवाना ही करवा जी ने अपना मिशन बनाया। गौशाला की रामेश्वर शाखा का दायित्व अपने सहयोगियों के साथ संभाला। रामेश्वर गौशाला में जो सैंकड़ो बीघा जमीन ऊसर और बंजर हो गयी थी, उस पर गोमूत्र और गोबर का प्रयोग करके उसे उपजाऊ बनाया। आज वहाँ लहलहाती खेती होती है। वाराणसी के पास बिहार सीमा से होते हुये निराश्रय गौ वंश कत्ल के लिये ले जाया जाता था। करवा जी की प्रेरणा से काशी के युवा व्यवसायी सूर्यकान्त जालान आगे आये और पकड़े गये गोवंश के लिये रामेश्वर गौशाला में रहने व चारा पानी देने की व्यवस्था की। फलस्वरूप 50 हजार गौवंश के प्राणों की रक्षा हुई।

स्व. श्री करवा की यह थी अंतिम इच्छा

प्रिय स्नेही स्वजन,

"जातकस्य ध्रवोर मृत्यु", जो जन्मा है सो मरेगा। यह तथ्य जानते हुए भी किसी स्वजन की मृत्यु पर हम शोक प्रकट करते हैं। इसी परम्परा में शोक प्रकट करने बाहर भी जाते हैं। पहले तो हम एक बेडिंग व पीतल का लोटा लेकर चले जाते थे। अब आडम्बर ज्यादा है, वास्तविकता कम है। जाकर शोक प्रकट करने में, मृत व्यक्ति के कुछ वास्तविक गुणों का वर्णन व कुछ कृत्रिम गुणों का वर्णन कर औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। रेल की टिकट का आरक्षण आदि खर्चीले और कष्टप्रद दौर से गुजरना पड़ता है। जहाँ हम जाते हैं, वहाँ के व्यक्तियों को भी हमें लाने, पहुँचाने, टिफिन आदि की व्यवस्था में कष्ट के दौर से गुजरना पड़ता है।

मैं चाहता हूँ कि इसमें सुधार हो। अतः आपसे विनम्र निवेदन है कि मेरी मृत्यु के समाचार पर आप मेरे यहाँ कदापि ना पधारें। वहीं कुछ देर भगवत् स्मरण करें, गाय को गुण खिला दें। जब आपको अवकाश हो और यहाँ वालों को सुविधा हो और बहुत आवश्यक हो तो आकर मिल लें और दो चार रोज यहाँ का आतिथ्य ग्रहण करें। जय श्री राम। शेष प्रभु कृपा।

आपका

जानकीवल्लभ करवा

सद्साहित्य का करवाया निःशुल्क वितरण

गाय के साथ-साथ दलित एवं वंचित समाज के बच्चों के लिये छोटे-छोटे विद्यालय खोले गये। उन्हें शिक्षित और सुसंस्कृत बनाने का संकल्प लिया। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिये कुटीर उद्योग, गृह उद्योग की व्यवस्था की। मधुमक्खी पालन से आय के स्त्रोत एवं कृषि के विकास के लिये प्रयास किये गये। ग्रामीण महिलाओं को साक्षर बनाया। कुरीतियों का खण्डन किया। अपने बच्चों की शादियों में आपने सुधार के कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किये। आपने माहेश्वरी धर्मशाला, महेश सेवा ट्रस्ट, महेश सेवा संस्थान के ट्रस्टी तथा महासभा के 23वीं सत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश से सदस्य के रूप में सेवा प्रदान की थी। संस्कृत में उपलब्ध सद् साहित्य, कृषि एवं अन्य उपयोगी विषयों पर प्रकाशित पुस्तकें स्वयं क्रय कर निःशुल्क वितरण कराते रहे। आपका पुत्र लोकेन्द्र, श्रवण व पुत्री ज्योति करवा आदि का पौत्र-पौत्री व नाती-नातिन आदि से भरापूरा परिवार भी समाजसेवा को समर्पित है।

जब भी जयपुर माहेश्वरी समाज की बात होती है, तो हर कोई इसकी पहचान स्व. श्री राधेश्याम धूत से जोड़े बिना नहीं रहता। कारण यही है कि उन्होंने न सिर्फ समाज के इतिहास को ही संवारा बल्कि समाजसेवा के क्षेत्र में जो योगदान दिये वे भी इतिहास बन गये। उन्हें विदाई लिये 1 वर्ष हो गया लेकिन स्मृति अभी भी तरोताजा हैं।

इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों के रचयिता थे राधेश्याम धूत

ख्यात समाजसेवी स्व. श्री राधेश्याम धूत का देहावसान गत वर्ष 19 जनवरी को हो गया। समाज से विदा लिये एक वर्ष हो गया लेकिन उनकी मधुर स्मृतियाँ आज भी समाजजनों के मनमस्तिष्क में रचि बसी हुई है। उनके योगदानों और उनसे लोगों के लगाव का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि उन्हें अंतिम बिदाई देने वालों में साहित्य, शिक्षा, बुद्धिजीवी, समाजसेवा व राजनीति लगभग हर क्षेत्र के कई प्रख्यात लोग शामिल थे। लोहार्गल दर्शन यात्रा संघ ने तो शोक स्वरूप सूर्य सप्तमी पर आयोजित लोहार्गल दर्शन यात्रा ही स्थगित कर दी थी।

समाज का शिक्षा तीर्थ बनाने का श्रेय

वर्तमान में जयपुर अत्यंत प्रतिष्ठित माहेश्वरी पब्लिक स्कूलों की विशाल शृंखला व कॉलेजों के संचालन के साथ देशभर के समाज के लिये एक शिक्षा तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित है। इन स्कूलों में एडमिशन मिलना जयपुर में सौभाग्य की बात मानी जाती है। अंग्रेजी माध्यम से जयपुर को माहेश्वरी स्कूलों की यह सौगात देने वाले श्री धूत ही थे। उन्हीं की सोच आज वटवृक्ष बनकर जयपुर माहेश्वरी समाज का गौरव बढ़ा रही है। जयपुर माहेश्वरी समाज ने इन शिक्षण संस्थाओं के संचालन के लिये विभिन्न शिक्षण समितियों और उनके पदाधिकारियों की नियुक्ति भी कर रखी है। वर्तमान में समाज इनके साथ ही छात्रावास आदि का भी संचालन कर रहा है। समाज की योजना इन शिक्षण संस्थाओं के और भी विकास की है।

साहित्य जगत में भी प्रतिष्ठित

नावां जिला नागौर में 6 अक्टूबर 1933 में जन्में राधेश्याम धूत, धूत स्टोन क्राफ्ट प्रायवेट लि. एवं धूत संगमरमर प्रा.लि. मकराना व जयपुर तथा नवभारत उद्योग, नावां जैसे मारबल व ग्रेनाईट आदि पत्थरों के उद्योगों का सफलतापूर्वक संचालन कर पत्थर व्यवसाय में एक प्रतिष्ठित स्थान रखते थे। यह उनकी अनोखी विशेषता थी कि एक लक्ष्मी पुत्र होने के साथ उन्हें सरस्वती का भी वरदहस्त प्राप्त हुआ। आपकी लेखनी ने इतिहास व साहित्य की कई कालजयी पुस्तकों का भी लेखन किया। इसी का परिणाम है कि आप उद्योगपतियों में एक साहित्यकार व साहित्यकारों में एक उद्योगपति का सम्मान भी प्राप्त करते थे। माहेश्वरी जाति के इतिहास 'माहेश्वरी कुल शुद्ध दर्पण' के साथ ही आपकी लेखनी ने ललित निबंध संग्रह साहित्य एवं संस्कृति चिंतन, जस्टिस भगवती प्रसाद बेरी अभिनंदन ग्रंथ, धार्मिक ग्रंथ 'शीश-राम के चरणों में' व अनेक स्मारिकाओं का सम्पादन भी किया है। आपके द्वारा रचित मौलिक कृति 'तुलसी मत' अभी

श्री धूत का अंतिम स्वप्न हुआ साकार

श्री राधेश्याम जी धूत ने वर्ष 2013 में राजस्थान विश्वविद्यालय में वैष्णव साहित्य शोध एवं संरक्षण की स्थापना करवाने का निश्चय किय। संस्थान का सोसायटी एम में पंजीयन करवाकर विश्वविद्यालय में आवेदन किया। इसी दौरान एक कुलपति महोदय ने तो यहां तक कह दिया कि क्या वैष्णव साहित्य पर कोई छात्र शोध करके पेट भर लेगा। किन्तु श्री धूत ने हिम्मत नहीं हारी। और इसकी स्थापना के लिए लगातार प्रयत्न करते रहे। वर्ष 2014 में इसका प्रस्ताव अकादमी कोंसिल में पारित हो गया। किन्तु सीनेट की मीटिंग में नहीं आ सका। इसी दौरान 19 जनवरी2015 को श्री धूत महाप्रयाण कर गये।

तत्पपश्चात उनके ज्येष्ठ पुत्र अशोक धूत इस स्वप्न को वास्तविकता में परिणीत करने में जुट गये। लगातार विश्वविद्यालय के अधिकारियों से सम्पर्क बनाये रखा और गत 8 दिसम्बर 2015 को विश्वविद्यालय द्वारा संचालन की स्थापना की स्वीकृति मिल गई। श्री धूत ने बताया कि पूज्य बाबू जी की प्रथम पुण्य तिथि पर इस संस्थान की स्थापना का विधिवत कार्यक्रम कर उद्घाटन करने का निश्चय किया है। इस संस्थान की स्थापना के पश्चात् जो वैष्णव साहित्य पर शोध कर पीएच.डी. करेंगे। उसका व्यय संस्थान द्वा विश्वविद्यालय को दिया जाऐगा। इसका खर्च धरोहर राशि रु. तीस लाख के ब्याज से प्राप्त राशि से उठाया जायेगा। वर्तमान में श्री धूत ही संस्थान के अध्यक्ष हैं तथा मोहनदास माहेश्वरी सचिव हैं।

प्रकाशनाधीन है, इसमें गोस्वामी तुलसीदास के दर्शन का विवेचन होगा। पुस्तक ''महाभारत और श्रीमद् भागवत महापुराण- मेरी दृष्टी में'' आपके द्वारा लिखी गई अत्यंत प्रशंसनीय कृति है।

इतिहास के कुशल शिल्पकार

माहेश्वरी जाति का सर्वप्रथम इतिहास लिखने का श्रेय तो स्व. श्री शिवकरण दरक को ही है, लेकिन उनकी कृति 'इतिहास कल्पद्रुम' के रूपान्तरण के साथ अग्रवाल, ओसवाल, दिगम्बर जैन व खण्डेलवाल आदि जातियों के इतिहास का अध्ययन कर तथ्यपूर्ण व वृहद जानकारी से युक्त ग्रंथ प्रस्तुत करने का श्रेय राधेश्याम धूत को है। इसके लेखन में इतिहास कल्पद्रुम व माहेश्वरी कुलशुद्धदर्पण'' में सभी खांपों का विस्तृत वर्णन किया। इस ग्रंथ के लेखन के पश्चात् कुलदेवियों पर शोध प्रारंभ किया। परिवारजनों के आग्रह पर नांवा के धूत परिवारों के इतिहास के प्रकाशन का कार्य भी हाथ में लिया और पूरा किया।

इस तरह बढ़े आगे कदम

नागौर जिले के नावां में ख्यात व्यवसायी सुगनचंद धूत के घर जन्मे श्री धूत नावां और सांभर में स्कूली शिक्षा ग्रहण कर उच्च शिक्षा के लिए जयपुर आ गए। 1955 में महाराजा कॉलेज में दर्शनशास्त्र में एमए करने से पूर्व, 1952 में राजदुलारी के साथ परिणय सूत्र में आबद्ध हो गए थे। पैतृक व्यवसाय संभालते हुए 1958 में मकराना में संगमरमर का व्यवसाय आरंभ करने के दो वर्ष बाद मध्य प्रदेश में पावरलूम और साइजिंग फैक्ट्रियाँ लगाई। इसके बाद सवाई माधोपुर में चाँवल मिल और वर्ष 1975 में नावां एमरी स्टोन का कारखाना लगाने के बाद सन् 1982 में मकराना में डायमण्ड गैंगसा मशीन लगा दी। 1993 से जयपुर के बाईस गोदाम इंडस्ट्रियल एरिया में स्थापित संगमरमर कारखाने को उनके ज्येष्ठ पुत्र अशोक और पुत्रवधु शकुन्तला तथा नावां के एमरी पत्थर कारखाने और नमक व्यवसाय को कनिष्ठ पुत्र अरूण कुमार ने संभाल रखा है।

समाज सेवा में चहुमुखी योगदान

श्री धूत श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ के अध्यक्ष व जयपुर की वाणी परिषद् तथा प्रीति क्लब के संस्थापक अध्यक्ष, जयपुर की केशव विद्यापीठ समिति व तुलसी मानस संस्थान के उपाध्यक्ष तथा चिन्मय मिशन के संरक्षक भी थे। इसके अतिरिक्त राजस्थान साहित्य अकादमी, राजस्थान राज्य पुस्तकालय विकास समिति, डॉ. राधाकृष्णन केन्द्रीय पुस्तकालय समिति व अ.भा. साहित्य परिषद् आदि संस्थाओं से लगभग 10 वर्षों से सदस्य के रूप में भी सम्बद्ध रहे। आप 8 वर्ष तक श्री माहेश्वरी समाज जयपुर व राजस्थान चैम्बस ऑफ कॉमर्स एन्ड इन्डस्ट्री के उपाध्यक्ष तथा श्री माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के संस्थापक सचिव भी रहे। लोहार्गल दर्शन यात्रा संघ को भी संरक्षक के रूप में अपनी सेवा देते रहे थे।

श्री धूत के सम्मान में काव्यांजलि

श्रृद्धालु - सोहन प्रकाश मोहन

मानवता की मूर्ति थे, राधेश्याम जी धूत।
मनसा-वाचा-कर्मणा, राम कृष्ण धूत।।
काम क्रोध मद लोभ के, नहीं हुए वशीभूत।
आध्यात्मामृत के रहे, रसिक बड़े श्री धूत।।
सुख साधन सम्पन्न थे, किन्तु न किया गुमान।
खान पान सादा रखा, सादा ही पेहरान।।
सीधा सरल स्वभाव था, उर में सर्व हिताय।
दीन हीन के वे सदा, बनते रहे सहाय।।
अन्य जनों का स्नेह पा, होते थे अभिभूत।
इसी स्नेह को मानते, अपना कोष अकूत।।
तुलसी से सौरभ लिया, अरू गीता से ज्ञान।
धूत विपुल देकर गये, साहित्यिक अवदान।।
कार्यक्रमों में बैठ कर, किया काव्य रसपान।
कवियों का करते रहे, वे मन से सम्मान।।
कम्प्यूटर था लिपिक थे, पत्र लिखे निज हाथ।
हाथ लिखे में थी छुपी, अपनेपन की बात।।
जीवन भर करते रहे, जन सेवा के काम।
जन मन से होगा नहीं, विस्मृत उनका नाम।।
देश धर्म के मान का, करते रहे प्रचार।
''सोहन'' का उस सन्त को, नमन है बारम्बार।।

श्री द्वारिकाधीश विजयते

भगवान श्रीकृष्ण की कर्मभूमि

द्वारकाधाम

में 'श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट' द्वारा संचालित

अत्याधुनिक सुविधायुक्त एकमात्र माहेश्वरी अतिथि गृह

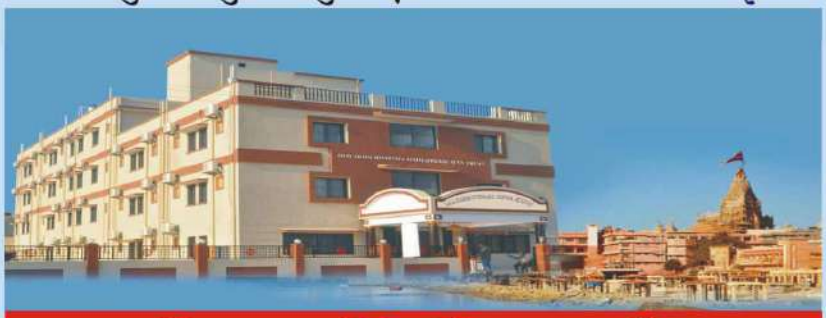

माहेश्वरी सेवा कुंज

21, द्वारकेश पार्क सोसायटी (अम्बुजा प्लाट), नागेश्वर रोड, देवभूमि द्वारका-361335 (गुजरात),
दूरभाष- 02892-235553 / 235554, मो. 097271-22111

E-mail : maheshwarisewakunj@gmail.com

आप अपना आरक्षण ई–मेल अथवा फोन से करवा सकते हैं

उपलब्ध सुविधायें

- ए.सी. व टी.वी. से सुसज्जित 47 डबल बैडरूम (अटैच्ड लैट, बॉथ)।
- 4 फैमिली ए.सी. हॉल (6 व्यक्तियों की क्षमता वाले)।
- अत्याधुनिक किचन के साथ वातानुकुलित भोजनशाला।
- वाई–फाई सुविधा से युक्त पूरा भवन
- विभिन्न मंजिलों पर जाने के लिये दो लिफ्ट की सुविधा।
- स्वच्छ आर ओ पेयजल की सुविधा
- भव्य एयरकंडीशन सत्संग हॉल।
- कार पार्किंग की सुरक्षित व्यवस्था।

श्यामसुंदर कासट (अध्यक्ष)
मो.- 098315-55555

रामस्वरूप जैथलिया (महामंत्री)
मो.- 096490-79999

विनोद कुमार बांगड (कोषाध्यक्ष)
मो. 094142-12835

तेल व्यवसाय के क्षेत्र में तो उनकी ख्याति देश के कोने-कोने में थी ही, लेकिन इसके साथ उन्होंने न सिर्फ स्वयं ही समाज सेवा की बल्कि अन्य को भी प्रेरित करके सेवा के ऐसे दीपक जलाऐ जो हमेशा समाज व देश को रोशन करते रहेंगे। यहाँ हम बात कर रहे हैं, तेल व्यवसाय के क्षितिज पर सितारे की तरह छाये रहने वाले हैदराबाद निवासी सेठ श्री लक्ष्मीनारायण मणियार (ब्यावर वाले) की, जो गत दिनों ही ब्रह्मलीन हो गये।

सेवा के चिराग रोशन कर गये

लक्ष्मीनारायण मणियार

वर्तमान में मणियार रिफायनरी प्रा. लि. गगणपाहाड़ हैदराबाद एवं ऐश्वर्या-रिफायनरी प्रा. लि. चौटूपल, नलगोड़ा तेल व्यवसाय के क्षेत्र में देश के प्रतिष्ठित उद्योगों में शामिल हैं। यहाँ से देश में चारों ओर व्यवसाय होता है। इनकी शुरूआत करने वाले व्यवसायी थे, ब्यावर वाले स्व. श्री लक्ष्मी नारायण मणियार। इसके साथ ही शक्करमिल व होलसेल चाँवल के व्यवसाय में भी मणियार परिवार की विशेष प्रतिष्ठा है। अपनी तमाम व्यावसायिक व्यस्तताओं के बावजूद श्री मणियार ने समाजसेवा के क्षेत्र में भी जो सेवा दी वे अविस्मरणीय हैं ऐसे व्यवसायी मस्तिष्क व संवेदनशील हृदय के स्वामी सेठ लक्ष्मीनारायण मणियार का गत 5 नवम्बर को देहावसान हो गया। व्यवसाय जगत के साथ ही समाज व समाजसेवी क्षेत्र की कई हस्तियों ने उपस्थित रहकर उन्हें अंतिम बिदाई दी।

नौकरी की जगह चुना व्यवसाय

स्व. श्री मणियार का जन्म 16 अक्टूबर 1935 को रेणं (मेड़ता) में स्व. श्री बिरदीचंद मणियार के यहाँ हुआ था। आपने सन् 1956 में जयपुर युनिवर्सिटी से बी.कॉम किया। इसके पूर्व 1954 में ही आप परबतसर के स्व. श्री शंकरलाल सोमानी की सुपुत्री राधादेवी के साथ परिणय सूत्र में बंध गये थे। उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् भी नौकरी की राह न पकड़ते हुए आपने पारिवारिक माहौल के अनुरूप आजीविका के रूप में व्यवसाय की राह ही चुनी और कार्यक्षेत्र बना वर्तमान तेलंगाना प्रदेश का हैदराबाद। बस परिवार के व्यावसायिक सूत्र और कड़ी मेहनत रंग दिखाती गई और उनका व्यवसाय दिनों-दिन विस्तार करता चला गया।

सम्पूर्ण परिवार को भी व्यवसाय से जोड़ा

वर्तमान में मणियार परिवार के इस वृहद व्यवसाय का कॉर्पोरेट आफिस मलकपेठ में है। स्व. श्री मणियार की प्रेरणा से पुत्र कैलाश तथा पौत्र विजय, विनय व विशाल भी इसी व्यवसाय से सम्बद्ध हैं और सभी मिलजुलकर इस व्यवसाय का संचालन करते हैं। आप अपने पीछे परिवार में पुत्र जुगलकिशोर, कैलाशचंद्र, कन्हैयालाल, शिवकुमार व पुत्री मधु तथा मंजू, पौत्र-पौत्री तथा नाती-नातीन आदि से भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

समाजसेवी गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान

आप ने कठोर मेहनत से व्यावसायिक जगत में अपना एक अत्यंत प्रतिष्ठित स्थान बनाया था। इस व्यावसायिक व्यस्तता के बावजूद भी समाजसेवा को ऋण की तरह अंगीकृत किया और इस क्षेत्र में सेवा देने में भी पीछे नहीं रहे। आप आन्ध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा ट्रस्ट, राजस्थाणी प्रगति समाज, माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर, माहेश्वरी सेवा सदन वृंदावन, माहेश्वरी सेवा सदन ऋषिकेश, श्री गिरीराज अन्न क्षेत्र मण्डल मथुरा, रामदेव कीर्तन मण्डल, मासिक अन्न दान सेवा समिति ईसामियाबाजार, हैदराबाद रविवार सत्संग मण्डल, श्री विष्णु सत्संग मण्डल आदि कई सेवा संगठनों से सम्बद्ध होकर अपनी सेवा देते रहे थे।

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

भाई-भतीजावाद

खम्मा घणी सा हुक्म आपा गर्व करा भारत री राजनीति पर जो कणेई तो नेता ने सिंघासन पर बिठा दे और एक ही झटके में जमीं रे निचे उतार दे । अब आप लालूजी ने ही देख लो एक ही झटके में कचरेदान सुं निकाळ सिंघासन पर बिठा दियो । हुक्म देखा तो लालूजी ने तो खानदान री कायाकल्प कर डाली लालूजी रा दोनों पुत्र भाग्यशाली व्यक्ति री शुमार में शामिलहूँ ग्या । एक पुत्र तेजस्वी यादव तो भारतीय राजनीति में सबसूं कम उम्र रा उपमुख्यमंत्री बणने आपरो नाम इतिहास में अमर कर दियो।

शपथ समारोह रो नजारो देख ने हुक्म यूँ लॉग रियो थो कि मानो लालूजी आपरे जीवन ने सफलकर दियो ।

सही में हुक्म आपाणे देश री राजनीति री किण तरह दुर्गति हूँ रही है। इनो जवाब देवणो प्रकांड राजनीतिक पंडित रे लिए भी मुश्किलहै । भारत में एक शब्द बहुत प्रचलित है भाई -भतीज़ावाद। अब भाई भतीज़ावाद , पुत्र पुत्री -पत्नी खानदानवाद में बदलगयो है । बिहार ने छोड़ो उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान किन्ही प्रदेश ने देख लो हर जगह परिवारवाद ही नजर आवे । जो इल्जाम नेहरू -गांधी खानदान पर लगायो जातो अब वो आम हूँ ग्यो है। और मज़े री बात तो हुक्म या है कि अब जनता ने भी कोई एतराज नहीं है। जनता ही तो वाणे जितावे और परिवारवाद पर मुहर लगावे डेमोक्रेसी शासन है जण आपा दोष भी किने देवा ।

आज आप किन्ही बड़े नेता रा पुत्र है तो देर-सवेर आप विधायक , संसद , या मंत्री बण ही जावोला। इण मामले में सबसूं ज्यादा दुखी है तो हुक्म वे है 'लेखक'। क्योंकि साहित्य में बाप बेटा रे वास्ते कुछ नहीं कर सके । अगर बेटा में भेजो नहीं है तो बेचारो रचनाकार बाप उन्हें लेखक नहीं बणा सके हां जुगाड़ करने बेटो ने विश्वविद्यालयों में नौकरी जरूर दिला दे। कुलमिलाने यों कहयो जा सके कि जो वंशवाद हज़ारो सालो सुं आपाणे देश में चालरियो है वो आधुनिक युग में बराबर फलफूलरियो है । म्हे महान सम्राटो री नाकाबिलऔलादों ने राजा बणते देखियो है। इतिहास गवाह है नेताओं रा पुत्र नेता बणीया है। हां उन नेताओं रा हालआगे जाने बुरा हुवैला जिना बेटा कुँवारा है ।

व्यंग्य का हुड़दंग

हेमन्त श्रीमाल
98268-13368

मुलाकात की सियासत

"दादा !
ये वोटों के ठेकेदार
बावले होकर
आखिर इस कदर मचल क्यों रहे हैं
मोदी की
शरीफ के घर
अचानक मुलाकात पर
इनके कलेजे
बुरी तरह जल क्यों रहे हैं ?"

"बेटा छोटू !
जलन तो होगी ही
और
छाले भी पड़ सकते हैं
भविष्य में
वोट के लाले भी पड़ सकते हैं
क्योंकि
इस 'सरप्राइज विजिट' ने
वोट के सौदागरों की नैया
पतवार छीनकर
बीच भँवर में धकेल दी है
मुझे तो लगता है
नवाज शरीफ को चाय पिलाते-पिलाते
मोदी ने
इन 'ठेकेदारों' पर
गरम-गरम चाय की केतली उँडेल दी है।"

कार्टून कौतुक

कृतज्ञ हूँ इस... नवभोर में आप सबका

हमने गत वर्ष की अवधि में जो कुछ पाया उसमें कहीं न कहीं किसी न किसी का योगदान अवश्य ही रहता है। किसी भी नवीन उपलब्धि के पथ पर कदम ताल करने के पूर्व इन योगदानों के सहयोगियों का आभार व्यक्त करना जरूरी है। यही स्थिति नववर्ष के स्वागत में है, इसका स्वागत भी कृतज्ञता के बिना अधूरा है।

इन दिनों सर्दी के तेवर तीखें होते जा रहे हैं। पहाड़ी इलाकों में बर्फ पड़ने का असर मैदानी इलाकों में भी तेजी से आया है। ठण्डी हवाऐं धूप को शिकस्त देने लगी है। दिन छोटे एवं रातें बड़ी होने लगी है। जन-जीवन अब सिकुड़ने लगा है। रातों में रजाई में दुबकना स्वर्ग-सा सुख देता है। इस प्रकृति में कुछ भी तो स्थाई नहीं है, अभी कुछ सप्ताह पहले तेज गर्मी ताण्डव कर रही थी, रातों में एसी, कूलर चल रहे थे, अब शीत हवाओं के चलते यह सब भी मौन पड़े हैं। मुझे वशीरबद्र याद हो आये हैं 'सब्ज़ पत्ते धूप की जब आंच यह पी जायेंगे, उजले फर के कोट पहने हल्के जाड़े आयेंगे।' इन दिनों बगीचों में भी बहार है। सुबह घर के बाहर आकर देखता हूं तो गमलों में खिले गुलाब एवं अन्य फूल मन को उमंग एवं ताजगी से भर देते हैं। सुबह मोर्निंग वॉक पर जाता हूं तो स्कूल बस का इंतजार करते, ऊनी टोपियां मफलर बांधे बच्चे मानो मुझे छूकर कहना चाहते हों, अंकल! बहुत ठण्ड लग रही है। मेरे शहर की प्रसिद्ध कायलाना झील वॉक पर पहुंचता हूं तो वहां झील में असंख्य पक्षी ठण्ड में किलोल करते दिख जाते हैं। क्या इन्हें ठण्ड नहीं लगती? इतने कपड़ों में होने पर भी मनुष्य ठिठुर रहा है एवं यह निर्वस्त्र होने पर भी किसके आसरे इतनी गर्मी पैदा कर लेते हैं ?

ओह! यह प्रकृति कितनी अद्भुत, कितनी रहस्यमयी है। वहीं दीवार पर कतारबद्ध बैठे बूढों के मुंह से वाष्प निकलती हुई ऐसी लगती है मानो वे देश के गरम मुद्दों पर चर्चा कर रहे हों। सर्दी में खाने-पीने का भी अपना सुख है। इतना ही नहीं सर्दी की चांदनी रातें भी मनभावन होती हैं। मुझे बंगाली कवि जयदेव रचित 'गीतगोविंद' का वह पद याद हो आया है, जब सर्दी की एक रात ठिठुरती राधा कृष्ण को कहती है' माधव! अगर तुम अपना पांव मेरे हृदय पर रख दो तो मेरी सम्पूर्ण उत्तेजना तुम्हारे हृदय में समाहित हो जायेगी।'' कृष्ण तब पीन पयोधरा राधा की छाती पर पांव रखकर उसे कृतकृत्य करते हैं। महाकवि कालिदास कृत 'ऋतुसंहार' एवं 'कुमारसंभव' में भी शीतऋतु का वर्णन स्तुत्य है। कालिदास अनुपमेय उपमाओं के धनी हैं। उनका सृजन नवमंजरियों के सदृश मधुर एवं सरस है। खिले हुए कमलों के समान उनकी रचनायें आज भी ताजा लगती हैं।

हरिप्रकाश राठी
जोधपुर
मो. 094141-32483

इन्हीं ठण्डी हवाओं के बीच नववर्ष 2016 भी मानों ठिठुरता हुआ प्रवेश कर रहा है। नववर्ष का सूर्य जैसे हमें प्रमाद से निकलकर चेतस कर्मयोगी बनने की सीख दे रहा है, ''यूं सोते ही रहोगे तो जागोगे कब? तुम्हारी तरह मैं भी प्रमादग्रस्त होकर रजाई में दुबका रहा तो सृष्टि का क्या होगा ? उठो ! अपने कठोर श्रम एवं दुर्धर्ष कर्म से इस शीत ऋतु को ध्वस्त कर दो।'' आज छः दशक पूर्ण होने पर पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है, कितने नववर्ष आकर चले गये। हर नववर्ष मानो एक नये संकल्प से आपूरित करता था। इस वर्ष यह करेंगे, वह करेंगे, पर यह नया वर्ष मानों मुझे संदेश दे रहा है कि उम्र के इस पड़ाव पर अब क्या करोगे? यह समय है, अपने चेतस को उज्ज्वल करने का, सबके प्रति आभार, धन्यवाद एवं कृतज्ञता से भरने का, उन सबके प्रति शुक्रिया अदा करने का, जिन्होंने मेरे जीवन-पथ को आलोकित किया, समय-समय पर मुझे सीख दी, सहयोग दिया। ओह! क्या मैं इस संसार से उनका आभार प्रकट किये बिना ही चला जाऊंगा ? नहीं ! मैं ऐसा हरगिज नहीं करूंगा।

अतीत के झरोखे से झांकता हूं, तो याद आते हैं, बचपन के वो दिन, स्नेह-दुलार से भरी मां, कठोर श्रम करते हुए पिता जिन्होंने तमाम अभावों के बीच हमारी परवरिश की, पाला-पोसा, हमें शिक्षा दिलायी। वे हमसे प्रतिफल में कुछ भी नहीं चाहते थे। वे तो बस सिर्फ हमें आगे बढते हुए देखना चाहते थे। उनकी फटी बनियान एवं चश्मे का टूटा फ्रेम मेरे स्मृति-पटल पर आज भी कौंधता है, पर उन्होंने हमें कभी फटे कपड़े नहीं पहनाये। तमाम अभावों के मध्य भी पति प्रेम में पगी मेरी मां सोते हुए अक्सर कहती थी 'सासरो सुख वासरों-।' आज वे दोनों स्मृति-शेष हैं पर उनके उपकार अब भी रक्तवाहिनियों में बहते हैं। किसी ने ठीक ही कहा है

कि औलाद चमड़े की जूती बनाकर भी मां-बाप को पहना दे तो उनके उपकार से उऋण नहीं हो सकती। ऐसे में मुझे उन औलादों पर तरस आता है, जो बात-बेबात माता-पिता को प्रताड़ित करते हैं। मुझे मेरी एक कहानी 'पीढ़ियां' के अंश याद हो आये हैं जहां एक पुत्र आश्चर्य करता है कि मां पर साहित्य में इतना कुछ लिखा गया है, पिता पर क्यों नहीं और इसका उत्तर कहानी खुद देती है कि पिता आकाश होते हैं। साहित्य का ऊंट अपनी गर्दन ऊंची करके भी उस आकाश को नहीं छू सकता। साहित्य एवं साहित्यकार की क्या बिसात की वह मां-बाप के उपकारों को गिन सके, लिख सके।

मैं मेरे विद्यार्थी जीवन एवं आगे कॉलेज जीवन के अध्यापकों को भी नहीं भूल सकता जिन्होंने मेरे व्यक्तित्व निर्माण में अहम् भूमिका अदा की। अनुशासन एवं स्नेह के मध्यांतर पर खड़े मानो वे अलौकिक देव थे। मुझे कबीर याद हो आये हैं- ''गुरु कुम्हार शीष कुंभ है.....'' अर्थात् गुरु उस कुम्हार की तरह है जो मटके को इस तरह थापता है कि वह टूटे भी नहीं एवं पक्का भी रह जाये। उन गुरूजनों के प्रति आज मेरा मन श्रद्धा से भर आया है। मैं उन तमाम संस्थाओं का भी आभारी हूं जिन्होंने मुझे समय-समय पर रोजगार दिया। मेरा परिवार उन्हीं के वेतन से पला है। अनेक बार मेरे उच्चाधिकारियों ने मुझे भला-बुरा भी कह दिया होगा, पर आज याद करता हूं, तो लगता है, वे मेरे सच्चे हितैषी थे, मेरे जीवन निर्माण में उनका अहम योगदान है।

उन मित्रों, सहयोगियों, रिश्तेदारों को भी मैं कैसे भूल जाऊं जो तमाम उम्र, कठोर से कठोर स्थितियों में मेरे साथ रहे, मुझे संबल दिया। मैं आभारी हूं मेरी पत्नी का, जो मेरे सुःख-दुःख की समभागिनी रही। अनुज -अग्रजों का, बच्चों का जिन्होंने मुझे दिया ही दिया, जाने मैं उन्हें प्रतिफलमें कुछ दे सका या नहीं? मैं यह भी कहना चाहूंगा कि यूं तो जीवन में सुःख-दुःख आते रहे, पर दुःख ने मेरी आत्मा को अधिक परिमार्जित किया। सचमुच दुःख की भट्टी में तपकर ही हमारे व्यक्तित्व का स्वर्ण निखरता है। ऐसे जाने-अनजाने, कथ-अकथ असंख्य लोग हैं, जो मेरी जीवन नौका को पाल की तरह खेते रहे। सचमुच इस नववर्ष के शुभागमन पर मैं उन सभी के प्रति कृतज्ञता प्रगट करता हूं। मैं एकाकीपन के उन क्षणों के प्रति भी कृतज्ञ हूं। जब अनायास, लेखन एक निर्मल सलिला की तरह मेरे भीतर से फूट पड़ा एवं आज भी प्रवाहित हो रहा है। इसके बिना मैं अपना मन कैसे रेचित करता? मैं आभारी हूं उन सम्पादकों, पाठकों का जिन्होंने मेरी कलम को रवानी दी। मेरा शुक्रिया उस महान ईश्वर को जो संपूर्ण यात्रा में मुझे दिखाई तो नहीं दिया पर लगा जैसे हर वक्त मेरे साथ था। लख-लख शुक्रिया प्रभु! मेरी जीवन-नौका की पाल की हवाएं आप ही तो थे।

बस! इस नववर्ष में मैं मात्र कृतज्ञता प्रगट करना चाहता हूं, उन तमाम लोगों के प्रति जो मेरे जीवन-पथ के सहयोगी रहे। कृतज्ञ हूं इस नवभोर में आप सबका। मेरा कृतज्ञता-घट आज लबालब है। आप सभी को नववर्ष की शुभकामनाऐं, मुबारकबाद। आगत वर्ष आपके अभिष्ट सिद्ध करे।

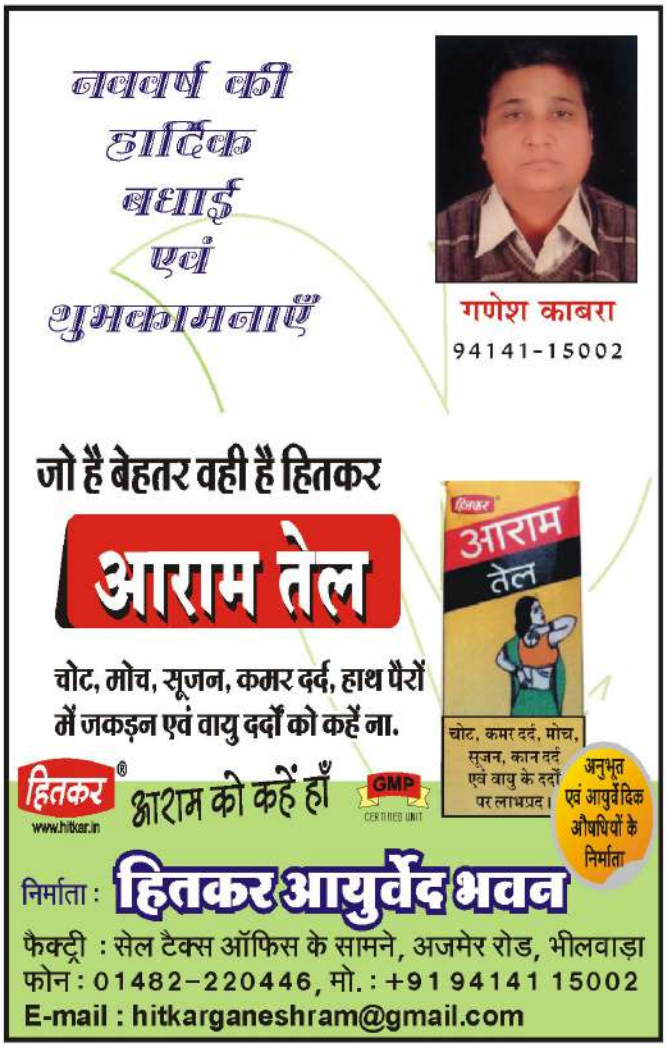

नये उत्साह का संचार करेगा नववर्ष 2016

नववर्ष 2016 का आगाज़ हो चुका है। सभी ने पूरे उत्साह के साथ इसका स्वागत किया है। इसी उत्साह के माहौल में आइये देखें ज्योतिष के आयने में क्या-क्या सौगात आपके लिए लेकर आया है नववर्ष 2016.

पं. मदन व्यास, उज्जैन

मेष- मेष राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रहस्थिति इस प्रकार रहेगी। वर्ष भर शनि देव अष्टम भाव में रहेंगे, जो कि स्थूल रूप से कष्टकारी हैं। लघु कल्याणी ढैया से आर्थिक, रोजगार, व्यापार, व्यवसाय में कष्ट रहेगा। शासकीय परेशानी, मानसिक कष्ट, आय में कमी, व्यर्थ की भाग-दौड़ अनुभव में आवेगी। मध्य जुलाई से मध्य अगस्त तक पंचम गुरु कुछ राहत प्रदान करेंगे। फरवरी 2016 से राहु भी पंचमस्थ होकर कष्टों में वृद्धि करेंगे। वर्ष प्रारंभ से मध्य फरवरी 2016 तक सप्तम मंगल पारिवारिक चिंता, जीवन साथी से मनमुटाव, व्यापार, व्यवसाय, नौकरी में परेशानी उत्पन्न करेंगे। आगामी सितम्बर तक अष्टम मंगल स्वराशि के होकर अनेक परेशानियों को शनैः-शनैः कम करेंगे। 11 अगस्त 2016 से वर्षान्त तक छटे गुरु अनेक प्रकार से कष्टकारी होंगे। वर्ष गुरु, शनि की शांति प्रासंगिक है।

वृषभ- वृषभ राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रहस्थिति इस प्रकार रहेगी। वर्ष प्रारंभ से 11 अगस्त 2016 तक चतुर्थ गुरु व्यर्थ भाग-दौड़, मानसिक परेशानी, पारिवारिक विवाद जैसे अनेक अशुभ फल प्रदान करेंगे। 29 जनवरी से वर्ष पूर्ण होने तक चतुर्थ राहु नाना-विध कष्ट प्रदान करेंगे। वर्ष प्रारंभ से वर्षान्त तक शनि सप्तम भाव में जीवन साथी से मन-मुटाव, व्यापार, व्यवसाय में प्रतिकुल परिस्थिति, अपयश, आर्थिक अनिश्चितता देंगे। वर्ष प्रारंभ से फरवरी 2016 तक छटें मंगल अनुकूलता प्रदान करेंगे। फरवरी 2016 अर्द्धमासान्त से सितम्बर 2016 तक सप्तम मंगल जीवन साथी से मनमुटाव छोड़ शेष व्यापार, व्यवसाय, धनार्जन में सौख्यकारक होंगे। 11 अगस्त 2016 से पंचम बृहस्पति अनेक प्रकार की राहत प्रदान करेंगे।

मिथुन- मिथुन राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रहस्थिति इस प्रकार रहेगी। नवंबर 2014 से शनि षष्ठम भाव में है जो वर्ष पर्यंत रहेंगे। इस वर्ष में शनि देव की कृपा से सम्पदा में वृद्धि, सर्वसुख, शत्रु असफल जैसे शुभकारी योग बनेंगे। वर्ष प्रारंभ से अगस्त 2016 के मध्य तक देव गुरु बृहस्पति तृतीय भाव में होने से कुछ कष्ट तो कुछ फायदा रहेगा। अगस्त के बाद वर्ष भर चौथे गुरु, कष्टकार रहेंगे। मानसिक कष्ट शारीरिक कष्ट, धन का अभाव जैसे योग बनेंगे। जनवरी 2016 राहु तृतीय होकर अच्छे तथा शुभ योग निर्मित करेंगे। नवम केतु भी भाग्योदय में सहकारी रहेंगे। वर्ष प्रारंभ में पंचम मंगल, संतान पक्ष से कष्टकारी होंगे। फरवरी 2016 से छठें मंगल शुभदायक रहेंगे। शत्रु पराजय, धन लाभ, न्यायालयीन मामलों में अनुकूलता प्रदान करेंगे। अगस्त 2016 से गुरु वर्ष के आराध्य रहेंगे।

कर्क- वृषभ राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रहस्थिति इस प्रकार रहेगी। 11 अगस्त 2016 तक देव गुरु बृहस्पति सिंह राशि में रहेंगे, जो कर्क राशि हेतु द्वितीयस्थ होकर शुभफलकारी रहेंगे। आर्थिक अनुकूलता पद-प्रतिष्ठा तथा भाग्योन्नति में सहायक रहेंगे। सन्तान सुख, व्यापार, व्यवसाय तथा नौकरी में अनुकूलता से मन प्रसन्न रहेगा। शारीरिक स्वास्थ्य भी अनुकूल रहेगा। अगस्त पश्चात वर्ष पर्यन्त तक तृतीय गुरु भी सर्वसुख कारक रहेंगे। 2016 सम्पूर्ण वर्ष में शनि देव वृश्चिक राशि में होने से कर्क राशिवालों के लिये पंचम भाव में स्थित रहेंगे। उसके फलस्वरूप मिश्रितफल प्राप्त होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ असफल प्रवास, अत्यधिक अनावश्यक व्यय, आर्थिक व्यवस्था थी विचारणीय रहेगी। प्रतिकूल स्थिति में स्थान परिवर्तन से मन में कष्ट रहेगा। आय भी सीमित रहेगी। फरवरी 2016 तक कष्टकारी रहेगा। गुरु के शुभफलों की प्राप्ति में राहु अवरोध उत्पन्न करेगा। अगस्त पश्चात अनेक राहत-सुख की अनुकूलता प्राप्त होगी। फरवरी 2016 तक चतुर्थ मंगल भी परेशानी उत्पन्न करेंगे। सम्पत्ति में विवाद, शत्रुभय व मानसिक अशांति के कारण रहेंगे। फरवरी 2016 से सितम्बर तथा वर्ष पर्यन्त पांचवें तथा छठें मंगल अनेक प्रकार के शुभ फलों के कारक रहेंगे। वर्ष में शिव आराधना श्रेयस्कर रहेगी।

सिंह- सिंह राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रह स्थिति इस प्रकार रहेगी। गत वर्ष की तरह ही इस वर्ष में भी शनि देव का लघु कल्याणी ढैया वर्षभर रहेगा। जो मानसिक, आर्थिक तथा शारीरिक कष्ट देने वाला रहेगा, कर्म क्षेत्र के लिये भी परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। परिवार-कुटुम्ब में वैमनस्यता का वातावरण रहेगा। जीवन साथी का स्वास्थ्य भी चिंतनीय रहेगा। शनि देव के अशुभ फलों के साथ ही 11 अगस्त तक सिंह राशि के गुरु आपसी कृपा दृष्टि जारी रखेंगे। शनि के अशुभ फलों को गुरु काट देंगे। सर्व सुख की प्राप्ति होगी। अगस्त पश्चात वर्ष पर्यंत द्वितीय गुरु भी श्रेष्ठफलदायी रहेंगे। जनवरी अन्त से राहु भी सिंह राशि में प्रवेश कर प्रथम भाव में स्थित रहेंगे। वहां गुरु से युति ठीक नहीं है परंतु राहु प्रथम होकर अपार धन लाभ, सामाजिक मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि, स्वास्थ्य की अनुकूलता, सम्पत्ति में वृद्धि करेंगे। वर्षारंभ से फरवरी 2016 तक तृतीय मंगल मान प्रतिष्ठा, आत्मविश्वास को बल प्रदान करेंगे। भाग्योदय होगा। आगे वर्ष पर्यन्त स्वराशि के मंगल भाग्य स्थान में होकर श्रेष्ठफल प्रदान करेंगे। सिंह राशि वाले जातक इस प्रकार 2016 में उतार-चढ़ाव की स्थिति से गुजरेंगे। कष्ट निवारण हेतु श्री हनुमानजी की तथा शनिदेव की आराधना करें।

कन्या- कन्या राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रह स्थिति इस प्रकार रहेगी। ग्रह स्थिति और ग्रहफल अनुसार- तृतीय भावस्थ शनिदेव वर्षभर शुभफल कारी रहेंगे। गोचर में तीसरे शनि सामाजिक मान-प्रतिष्ठा -यश में वृद्धि करेंगे। आत्मविश्वास सुदृढ़होगा परंतु भाग्य के भरोसे नहीं रहें। भाग्य साथ नहीं देगा, अपने कर्मबल से ही वर्ष में उपलब्धि के योग बनेंगे। वर्ष प्रारंभ से 11 अगस्त 2016 तक 12 वें गुरु शारीरिक तथा मानसिक कष्ट और नेष्ट फलकारी रहेंगे। फरवरी 2016 तक तथा सितम्बर 2016 तक मंगल द्वितीय तथा तृतीय गृह कलह तथा अनेकानेक परेशानी के कारक होंगे परंतु मंगल स्वराशि के होने से अनेक प्रकार के शुभफलों का अनुभव कराएंगे। इस प्रकार कन्या राशि वाले जातक वर्ष 2016 में मिश्रित फल प्राप्त करेंगे। अगस्त उपरांत गुरु आराध्य रहेंगे।

तुला- तुल राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रह स्थिति इस प्रकार है। इस वर्ष में शनि देव द्वितीय भाव में रहेंगे। अष्टम भाव कारक भाव पर पूर्ण दृष्टि रहेगी। साढ़े साती का अंतिम चरण वर्षभर रहेगा रजत पाया युक्त शनि देव जातकों के पैरों में कष्ट के कारक होंगे, घुटनों के दर्द वाले जातकों को बड़ा कष्टकारी समय रहेगा। अचल सम्पत्तियों में भी परेशानी महसूस की जाएगी। आर्थिक तंगाईभी रह सकती है, परंतु जनवरी 2016 के अंत से आय भाव में राहु का प्रवेश आर्थिक स्थिति का संतुलन कर देगा। आय के नए मार्ग प्रारंभ होंगे। वाहन, नौकर-चाकर की सुविधा सुव्यवस्थित प्राप्त होगी। अगस्त 2016 तक देव गुरु बृहस्पति आय भाव में होने से श्रेष्ठफल दायक हैं परंतु अगस्त 2016 के बाद बारहवें भाव में बृहस्पति अनेक परेशानियों के कारक रहेंगे। शारीरिक-मानसिक परेशानी, व्यर्थ की यात्रा जैसे कष्टों का सामना करना होगा। फरवरी 2016 तक मंगल द्वादश भाव में तथा सितम्बर तक प्रथम भाव में आने से अनावश्यक विवाद, व्यर्थ के व्यय, क्रोध की अधिकता, जीवन साथी से मतभेद जैसे अशुभ फल की अधिकता रहेगी। स्वराशि का मंगल बलवान माना जाता है। वर्ष में साढ़े साती निवारण उपाय अंतर्गत श्री हनुमान जी की तथा शनि देव की आराधना करें।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रह स्थिति इस प्रकार रहेगी। वर्षभर शनिदेव का द्वितीय ढैया हृदय पर लौह पाया से चलित होने के फलस्वरूप शारीरिक, मानसिक और आर्थिक कष्ट अनुभव में आएंगे। जिन जातकों की जन्म कुंडली में शनि बलवान हैं, उन्हें अपार लाभ की संभावना भी रहेगी। वर्षभर आलस्य का वातावरण रहेगा। जीवन साथी का स्वास्थ्य तथा आपसी व्यवहार भी प्रभावित रहेगा। 11 अगस्त 2016 तक दशम गुरु आने से राहत भी प्रदान करेंगे। नौकरी, व्यापार अथवा कर्म स्थान में अनुकूलता रहेगी। जनवरी 16 के अंत में राहु भी कारक भाव दशम में प्रवेश कर मान-सम्मान, धनागमन जैसे शुभफल प्रदान करेगा। आय के नये स्त्रोत खुलेंगे। फरवरी 2016 मध्य तक मंगल बारहवें होकर कष्टकारी होंगे। फरवरी 2016 पश्चात प्रथम भाव में मंगल अकारण क्रोध, विवेक हीनता, विवाद की स्थिति उत्पन्न करेंगा। 11 अगस्त 2016 से देव गुरु आय भाव में आने से वर्ष पर्यंत अनेक शुभफलों की प्राप्ति होगी। वर्ष में साढ़े साती निवारण हेतु सतत प्रयास की आवश्यकता रहेगी।

धनु- धनु राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रह स्थिति इस प्रकार रहेगी। 2016 वर्ष पर्यंत शनि की साढ़े साती का प्रथम ढैय्या मस्तक पर ताम्र पाद से चलायमान रहेगा। इसके फलस्वरूप द्वादश भाव के शनि अनेक प्रकार के कष्ट फलस्वरूप प्रदान करते हैं। जिन जातकों की जन्म कुंडली में सर्वाष्टक में शनि बलवान है, उन्हें अप्रत्याशित रूप से वर्षभर लाभ भी प्राप्त होगा। सामान्य रूप से साढ़े साती में अनावश्यक व्यय, अपव्यय, धन की अल्पता आय के मार्ग अवरुद्ध, शारीरिक पीड़ा, मानसिक संताप, कार्य क्षेत्र में परेशानी, पारिवारिक विवाद जैसे फल भोगना पड़ते हैं। वर्षारंभ से 11 अगस्त 2016 तक गुरु नवम भाव में होने से भाग्य साथ देगा। धनागम, सुख-शांति बनेगी, पश्चात वर्षांत तक गुरु दशम भाव में अनेक प्रकार के कष्टों का दाता रहेगा। जनवरी 2016 में राहु भी भाग्य स्थान में गुरु से युति में मित्र राशि में होने के फलस्वरूप अनेक प्रकार के लाभ करवायेगा जिससे शनि की साढ़े साती का दुष्प्रभाव कम महसूस होगा। फरवरी 2016 तक मंगल एकादश भाव में होने से अनेक शुभफल प्राप्त होंगे। फरवरी 2016 के बाद सितम्बर तक मंगल स्वराशि में द्वादश भाव में होने के फलस्वरूप शत्रुओं में वृद्धि, मानसिक तनाव, जीवन साथी से मनमुटाव रहेगा। जन्मांग में मंगल शुभ स्थिति में होने पर कष्टों में कमी रहेगी। वर्ष में शनिदेव की साढ़े साती से निवारण के उपाय सतत करने की आवश्यकता रहेगी।

मकर- मकर राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 में ग्रह स्थिति इस प्रकार रहेगी। वर्ष पर्यंत शनिदेव ग्यारहवें भाव में होने से अनेक प्रकार के सुखों का अनुभव होगा, व्यापार, व्यवसाय में लगातार लाभ की स्थिति बनेगी। आय के स्थाई स्त्रोत बनेंगे परंतु 11 अगस्त तक अष्टम गुरु आर्थिक और मानसिक कष्ट के कारक रहेंगे। 29 जनवरी से राहु भी अष्टम भाव में गुरु से युति करेगा जो अति अशुभ फल देगा। स्वास्थ्य की दृष्टि से अष्टम राहु नेष्ट है परंतु आर्थिक उन्नति के योग बनेंगे। 20 फरवरी

तक मंगल दशम भाव में श्रेष्ठफल देंगे। फरवरी पश्चात एकादश भाव के मंगल सितम्बर तक अनेक शुभफल प्रदान करेंगे। 11 अगस्त 2016 के बाद भाग्य स्थान में गुरु की उपस्थिति श्रेष्ठ फलदायक रहेगी। मान-प्रतिष्ठा अष्टम गुरु के कष्टों का निवारण, सदफलों की प्राप्ति, भाग्योन्नति, धनागमन के लाभ प्राप्त होंगे। इससे मानसिक शांति का अनुभव होगा। वर्ष 2016 से मकर राशि वाले जातकों को साढ़े साती का प्रथम ढैया प्रारंभ होगा। अगस्त 2016 तक गुरु की शांति तथा आराधना करना श्रेयस्कर होगा।

कुंभ- कुंभ राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016की ग्रहस्थिति इस प्रकार रहेगी। कुंभ राशि के स्वामी शनि देव वर्ष पर्यंत दशमभाव में रहेंगें, जिसके फलस्वरूप अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होगी। परंतु सर्वाष्टक वर्ग में शनि का बल अच्छा होने पर अनेक शुभ फल भी प्राप्त हो सकते हैं। 11 अगस्त 2016 तक देव गुरु बृहस्पति सप्तम भाव में रहेंगे। जिसके शुभकारी फल जातक को प्राप्त होंगे। जीवन साथी के साथ शानदार समय व्यतीत होगा। व्यापार-व्यवसाय तथा साझेदारों से लाभ प्राप्त होगा। भाग्योन्नति, नौकरी, व्यापार, व्यवसाय में अनुकूलता रहेगी परंतु 11 अगस्त से अष्टम गुरु कष्ट कारक रहेंगे। इस अवधि में स्वास्थ्य का परम ध्यान रखें। 29 जनवरी 2016 से राहु भी सप्तम भाव में आने से गुरु की युति में श्रेष्ठतम फलप्रदान करेगा। 20 फरवरी तक मंगल नवम में भाग्योन्नति में अवरोध कारक रहेंगे। 20 फरवरी बाद सितम्बर तक मंगल दशमस्थ रहेंगे जिसके फलस्वरूप मान-सम्मान भाग्योन्नति कर्म क्षेत्र में अपार सफलता प्राप्त होगी। वर्ष में शनि और गुरु आराध्य है।

मीन- मीन राशि वाले जातकों के लिये वर्ष 2016 की ग्रह स्थिति इस प्रकार रहेगी। 11 अगस्त 2016 तक देव गुरु बृहस्पति छठे स्थान पर रहेगे। फलस्वरूप व्यापार, व्यवसाय तथा कार्य क्षेत्र में छुट-पुट परेशानी, शत्रु प्रबल होंगे, जीवन साथी के स्वास्थ्य में परेशानी रहेगी। अनावश्यक यात्रा से कष्ट रहेगा। शासकीय कार्यों में विपरीत स्थिति रहेगी। 11 अगस्त 2016 के बाद वर्षभर सप्तम भाव में गुरु उपरोक्त समस्त समस्याओं का शनैः-शनैः निराकरण कर देंगे। मनो अनुकूल परिस्थितियां निर्मित हो जाएगी। व्यापार व्यवसाय तथा कार्य क्षेत्र में सफलता पति-पत्नी में सामंजस्य रहेगा। मित्र वर्ग भी अनुकूल सहायता करेंगे। शनि देव वर्षभर नवम भाव में रहेंगे। मनोबल की कमी रहेगी। भाग्य साथ नहीं देगा कहीं पर भी किसी भी कार्य में मन नहीं लगेगा। नौकर-चाकरों से सावधानी रखने की आवश्यकता है। जन्म कुंडली में शनि बलवान हो तो अशुभ फलों में कमी आएगी। श्रेष्ठफल भाग्य को प्रशस्त करेंगे। परिवारिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। 29 जनवरी से राहु षष्ठम भाव में आने से मिश्रित फल प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। अपयश की स्थिति बन सकती है। फरवरी 2016 तक दाम्पत्य जीवन में परेशानी रह सकती है। सितम्बर तक मंगल अष्टम भाव में होने से वाहन सावधानी से उपयोग करे एक्सीडेंट, चोट की स्थिति बन सकती है। आगे नवम मंगल मिश्रितफल प्रदान करेंगे। वर्ष में शनि देव तथा अगस्त के पूर्व गुरु की शांति करवाना श्रेयस्कर रहेगा।

2016 आप सभी के लिए शुभ हो ऐसी हमारी अभिलाषा है...।

|| जय महेश ||

महाराष्ट्र प्रदेश माहेश्वरी विवाह समिति द्वारा संचलित

वैवाहिक वेबसाईट

www.maheshwarivivahsamiti.com

अपने प्रत्याशी का ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन करें और घर बैठे देखें 2500 रिश्ते

B.E., MBA, C.A., Doctor, ग्रॅज्युएट युवक-युवतियों के बायोडाटा

शुल्क रू.700 (एक वर्ष के लिए)

कांतीलाल राठी
प्रदेश अध्यक्ष

बँक अकाऊंट माहेश्वरी सोशल सर्व्हिसेस प्रा. लि.
• SBI A/C No. 34040329615 • BULDHANA URBAN : 21 / 722

प्रादेशिक कार्यालय : हिंगोली बँक के निचे, देवलगांव राजा रोड, जालना (महा.)
फोन : (02482) 231952, मो. 8007571564, 9422215214

* फर्जी वेबसाईटों से सावधान *

'फ्री रजिस्ट्रेशन, समाज हित में' इन बातोंद्वारा कुछ वेबसाईट अभिभावकों से पैसे ऐठ रहे है । किसी भी वेबसाईट का शुल्क भरने से पहले, उस में कितने-युवक युवतियों के बायो-डाटा उपलब्ध है इसकी तसल्ली करके ही शुल्क भरे ।

पोषण का पावर बैंक अंजीर

अफगानिस्तान के काबुल में अंजीर की अधिक पैदावार होती है। हमारे देश में बंगलूर, सूरत, कश्मीर, उत्तरप्रदेश, नासिक तथा मैसूर में यह ज्यादा पैदा होता है। इसे संस्कृत में काकोदुम्बरिका, हिन्दी में अंजीर, मराठी में पेपरी, बंगाली में पेयारा, अंग्रेजी में फिग व लैटिन में फिकस कैरिका कहते हैं। आम बोलचाल में यह बनगूलर कहलाता है। यह खाने में मीठा होता है अंजीर का अधिक सेवन यकृत (जिगर) और आमाशय के लिए हानिकारक हो सकता है। इसके हानिकारक प्रभाव को नष्ट करने के लिए बादाम का उपयोग किया जाता है। अंजीर की पांच दाने तक ले सकते हैं।

क्या क्या छुपा है अंजीर में

वैज्ञानिक मतानुसार अंजीर के रासायनिक गुणों का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि इसके सूखे फल में कार्बोहाईड्रेट या शर्करा 63 प्रतिशत, प्रोटीन 5.5 प्रतिशत, सेल्युलोज 7.3 प्रतिशत, चिकनाई एक प्रतिशत, खनिज लवण 3 प्रतिशत, अम्ल 1.2 प्रतिशत, राख 2.3 प्रतिशत और जल 20.8 प्रतिशत होता है। इसके अलावा प्रति 100 ग्राम अंजीर में लगभग 1 ग्राम लोहा, विटामिन ए 270 आईयूए, थोड़ी मात्रा में चूना, पोटैशियम, सोडियम, गंधक, फास्फोरिक एसिड और गोंद भी पाया जाता है।

पेट के लिये अमृत

कब्ज में 3 से 4 पके अंजीर दूध में उबालकर रात्रि में सोने से पूर्व खाएं और ऊपर से उसी दूध का सेवन करें। इससे कब्ज और बवासीर में लाभ होता है। माजून अंजीर 10 ग्राम को सोने से पहले लेने से कब्ज़ में लाभ होता है। या अंजीर 5 से 6 पीस को 250 मिलीलीटर पानी में उबाल लें, पानी को छानकर पीने से कब्ज (कोष्ठबद्धता) में राहत मिलती है या 2 अंजीर को रात को पानी में भिगोकर सुबह चबाकर खाकर ऊपर से पानी पीने से पेट साफ हो जाता है। अंजीर के 4 दाने रात को सोते समय पानी में डालकर रख दें। सुबह उन दानों को थोड़ा सा मसलकर जलपीने से अस्थमा में बहुत लाभ मिलता है तथा इससे कब्ज भी नष्ट हो जाती है। स्थायी रूप से रहने वाली कब्ज अंजीर खाते रहने से दूर हो जाती है। इसी प्रकार अंजीर के 2 से 4 फल खाने से दस्त आते है। खाते समय ध्यान रहे कि इसमें से निकलने वाला दूध त्वचा पर न लगने पाये क्योंकि यह दूध जलन और चेचक पैदा कर सकता है। खाना खाते समय अंजीर के साथ शहद का प्रयोग करने से भी कब्ज की शिकायत नहीं रहती है।

कई रोगों में रामबाण

- अंजीर के नियमित सेवन से दमा, कफ, मुँह के छाले, बार-बार प्यास लगना, पेचिश और दस्त, खून की कमी, बार-बार पेशाब आना, शारीरिक दुर्बलता, दाद-खुजली, फोड़े-फुंसी, दाँतों के रोग आदि से मुक्ति पा सकते हैं।
- क्षय यानी टी.बी के रोग में अंजीर खाना चाहिए। अंजीर से शरीर में खून बढ़ता है।
- अंजीर की पुल्टिस बनाकर फोड़ों पर बांधने से यह फोड़ों को पकाती है।
- गिल्टी में अंजीर को चटनी की तरह पीसकर गर्म करके पुल्टिस बनाएं। 2-2 घंटे के अन्तराल से इस प्रकार नई पुल्टिश बनाकर बांधने से वेदना भी शांत होती है एवं गिल्टी जल्दी पक जाती है।
- पका हुआ अंजीर लेकर छीलकर उसके आमने-सामने दो चीरे लगाएं। इन चीरों में शक्कर भरकर रात को ओस में रख दें। इस प्रकार के अंजीर को 15 दिनों तक रोज सुबह खाने से शरीर की गर्मी निकल जाती है और रक्तवृद्धि होती है।
- पानी में 5 अंजीर को डालकर उबाललें और इसे छानकर इस पानी को गर्म-गर्म सुबह और शाम को पीने से जुकाम में लाभ होता है।
- फेफड़ों के रोगों में पांच अंजीर एक गिलास पानी में उबालकर छानकर सुबह-शाम पीना चाहिए।
- मसूढ़ों से खून आने पर अंजीर को पानी में उबालकर इस पानी से रोजाना दो बार कुल्ला करें। इससे मसूढ़ों से आने वाला खून बंद हो जाता है तथा मुंह से दुर्गन्ध आना भी बंद हो जाती है।
- अंजीर 20 ग्राम को सिरके में डुबोकर सुबह और शाम रोजाना खाने से तिल्ली ठीक हो जाती है।
- कमर दर्द में अंजीर की छाल, सोंठ व धनियां सब बराबर लें और कूटकर रात को पानी में भिगी दें। सुबह इसके बचे रस को छानकर पिला दें। इससे कमर दर्द में लाभ होता है।
- पेचिश तथा आंवयुक्त दस्तों में अंजीर का काढ़ा बनाकर पीने से रोगी को लाभ होता है।
- अंजीर को सिरके में भिगोकर खाने से भूख न लगना हौर आफरा दूर हो जाता है।
- प्रसव के समय में 15-20 दिन तक रोज दो अंजीर दूध के साथ खाने से पीड़ा में लाभ होता है।

आमतौर पर किसी रोग या अन्य कारण से शारीरिक कमजोरी की स्थिति में पोषण के लिये अंजीर के सेवन की सलाह दी जाती है। लेकिन इसकी उपयोगिता सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह तो कई बीमारियों की अचूक दवा भी है। बस इसके लिये उचित तरीके से इसका सेवन करना जरूरी होता है।

कैलाशचन्द्र लढ़ा

सुख-समृद्धि के लिए ग्रह पूजा से लेकर कई धार्मिक ऐसे धार्मिक अनुष्ठान किये जाते हैं, जिनका खर्च भी आम व्यक्ति की क्षमता से बाहर है। इसी समस्या का सबसे आसान व सटिक समाधान हैं- वनस्पति की मालाएं। इच्छित उद्देश्य के लिए संबंधित वनस्पति की माला संबंधित देवता को पहनाकर कार्य सिद्ध किया जा सकता है।

गीता घनश्याम चितलांग्या, उज्जैन

आपकी किस्मत बदल सकती हैं वनस्पति की मालाएँ

ईश्वर की अनुपम देन वनस्पतियों की मालाओं के द्वारा हम अलग-अलग दिन देव विशेष को विशेष महूर्त में विशेष वनस्पतियों की माला पहनाकर भगवत कृपा से अपनी मनोकामना पूरी कर सकते हैं। शुभ मुहूर्त में अपने कुलगुरु या आचार्य के सानिध्य में पूजा सम्पन्न करें।

'नक्षत्राणि ग्रहाश्चैव शुभाशुभनिवेदकाः।
मानवानां महाभागे न तु कर्म कराः स्वयम्।।

शुभ अशुभ कर्मफल को ग्रह नक्षत्र उपस्थित नहीं करते है अपना की किया गया कर्म शुभाशुभ फल का उत्पादक होता है। (महा.अनुशासन)

पूर्व जन्म कृत कर्मफल भोग से मुक्ति तो केवल ईश कृपा से ही संभव है, ''भाविउ मेटि सकहिं त्रिपुरारी'' शांति उपायों में जहां बड़े खर्चो से ग्रहपूजा, जप, तप, व्रत, पूजा-दान, हवन आदि द्वारा लाभ पाया जाता है, वहीं सर्व सुलभ फूल पत्तों व वनस्पति की माला के द्वारा हम अपना अभिष्ट मनोरथ पूरा कर अपनी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

विद्या- श्वेतार्क के 108 फूलों की माला बुधवार के गणेशजी को पहनाकर ''ॐ गं गणपतेय नमः'' का 1008 जाप कर दूर्वाकुंर चढ़ाने से बुद्धि की बढ़ोत्तरी हो विद्या प्राप्त होती है।

सुख-सौभाग्य- श्री गणेश को वैशाख कृष्ण चतुर्थी या भादो शुक्ल चतुर्थी पर 108 दुर्वाकुंर की माला पहना गणेशजी के 12 नाम गणपति, विध्नराज, लम्बतुण्ड, गजानन, द्वैमातुर, हेरम्ब, एकदंत, गणाधिप, चारुकर्ण, पशुपाल और भवात्मज के जाप से यश कीर्ति का लाभ होता है।

ग्रह बाधा- श्री बालकृष्ण को कृष्ण जन्माष्टमी को 1008 तुलसी दलों की माला पहना मक्खन मिश्री का भोग लगा गौधृत का अखंड दीप प्रज्ज्वलित कर श्री कृष्णाष्टकम् का पाठ करने से पारिवारिक सामंजस्यता व यशकीर्ति और सभी ग्रहों की अनुकूलता मिलती है।

गृह सुख- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण पूजन के बाद मंदिर के द्वार पर 11 बांसुरियों की माला (बंदनवार) लगावे व 7 बासुरियों की बंदनवार घर के मुख्य द्वार पर भी लगावें। लाल धागा आम के पेड़ पर बांध देवें। मकान बन जाने पर किसी गरीब महिला को लाल वस्त्र का दान करें, गृहसुख पावें।

रोग निवारण हेतु- राम नाम अंकित आंकड़े के पत्तों की माला हनुमानजी को मंगलवार को पहनाकर '' नासै रोग हरे सब पीरा जपत निरंतर हनुमत बीरा'' चौपाई का 10,000 जप करें और गुड़-चने का प्रसाद बांटने से लाभ होवे।

मनोकामना पूर्ति- पीपल के 9 पत्तों पर लाल चंदन से अंकित राम नाम की माला मंगलवार को हनुमानजी को पहनाने से रोग नाश व मनोकामना पूरी होती है।

धनलाभ हेतु- सफेद आंकड़े के फूलों की माला मंगलवार व शनिवार को हनुमानजी को पहनावें व गुड़-चने का भोग लगा कर 21 पाठ हनुमान चालीसा का करें। हनुमान जी ग्यारहवें रुद्रावतार हैं।

सम्पन्नता- महालक्ष्मी की प्रसन्नता हेतु अक्षय तृतीया के दिन वैभव लक्ष्मी को लाल गुलाब की माला पहनाकर ''ॐश्रीं श्रियै नमः'' का 1008 जाप कर अनार का भोग लगावें व छोटी कन्याओं को फल का दान दक्षिणा सहित करने से सम्पन्नता की प्राप्ति होती है।

असाध्य रोग निवारण हेतु- भादो कृष्ण चतुर्थी व चर्तुदशी या नौ बुधवार को किसी सिद्ध मंदिर में श्री गणेश का विधिवत पूजन कर 1008 दूर्वाकुर को नाड़े में बांधकर माला पहनावे। श्री गणेश कवच का पाठ कर गाय को हरा चारा डालें। यदि कोमा में भी व्यक्ति पड़ा हो तो स्वास्थ्य लाभ होता है। ऐसी मान्यता है।

रोग निवारण हेतु- रामनवमी व हनुमान जयंती व हनुमानाष्टमी को या मंगलवार के दिन तुलसी दलों पर राम नाम अंकित माला हनुमानजी को पहना बूंदी के लड्डू का भोग लगा वितरण करने से समस्त रोगों से मुक्ति मिलती है। घर के एक भी परिजन के द्वारा पहनाई माला से पूरे परिवार को शुभ फल मिलता है।

रोग, ऋण, दरिद्रता नाश हेतु- मां महाकाली को शुक्रवार को 33 नींबुओं की माला पहना, अनार का भोग लगावें। दुर्गा सप्तशती में वर्णित मंत्र ''रोगानशेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान सकलानभीष्टान्। त्वामाश्रिमानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता ह्याश्रयंता प्रयान्ति।'' का 108 जाप कर प्रार्थना करें।

शनि की साढ़ेसाती- मंगलवार व शनिवार के दिन पीपल के 11 पत्तों को गंगाजल से धो कर उस पर चंदन से राम नाम लिखकर हनुमान जी को पहना कर सरसों के तेल के दीपक में दो लोंग डालकर प्रज्ज्वलित करने से शनि की साढ़े साती के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

उच्चता प्राप्ति हेतु- शनिवार को काले धागे में 27 फूलदार लौंग की माला बनाकर अपने ऑफिस व घर में गोपनीयता से हमेशा के लिए रख देवें।

आपको निर्णय लेने में आसानी होगी। निर्णय सटीक व सफल होंगे।

दैविक कृपा हेतु- नवरात्रि में या शुक्रवार को देवी मंदिर में लाल गुड़हल के फूलों की माला मां को पहना विधिवत पूजन कर अनार का भोग अर्पित करने से मां की कृपा से सर्व मंगल होता है।

दाम्पत्य सुख प्राप्ति- कार्तिक मास में देवप्रबोधनी एकादशी व शुक्रवार को श्री लक्ष्मीनारायण का विधिवत पूजन, पुरुषसुक्तम के द्वारा पंचामृत से अभिषेक कर 1008 तुलसी दलों की माला पहनाकर, इस मंत्र का जप करें "तुलसी महालक्ष्मीविद्याविद्या यशस्विनी। धर्म्या धर्मानना देवी द्यौर्भूमिरचला चला।" इस दिन अपने साथी को रसगुल्ला खिलाएं। फिर कदलीफल, तुलसीदल व मेंवे को भोग अर्पित करने से दाम्पत्य सुख की प्राप्ति होती है।

विवाह बाधा निवारण- सोमवार से 108 बिल्व पत्रों पर राम-राम अंकित कर 1 माला रोज नौ दिन तक शिवजी को पहनाने से शुभ विवाह का योग शीघ्र बनता है।

शीघ्र विवाह हेतु- सोमवार या गुरुवार को अपने गले में ॐ का चांदी का लॉकेट चांदी की चेन में "ॐ" का पांच माला जाप कर पहनें। केले पर हल्दी लगा गाय को खिला कर प्रणाम करें।

सर्वसौभाग्य प्राप्ति- कार्तिक पूर्णिमा को श्री हरिप्रिया तुलसी का शुभ विवाह आयोजित कर श्री हरि विष्णु को तुलसी दलों की माला व तुलसी मैया को मंगलसूत्र पहनाकर 'तुलसीस्तोत्रम्' जगद्धात्रि नमस्तुभ्यं विष्णोश्च प्रियवल्लभे एवं विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्रम् यस्य स्मरणमात्रेण जन्म संसारबंधनात" का पाठ विद्वान ब्राह्मण द्वारा कराने से सर्वसौभाग्य व जन्मों के पापों से भव बंधनों से मुक्ति व मोक्ष की प्राप्ति होती है।

वाद-विवाद से मुक्ति- "पिताम्बरा मां बगुलामुखी" की नवरात्रि में गुरुवार को विधिवत पूजन कर श्री दुर्गाद्वात्रिंशत नाममाला के 108 पाठ करें, हल्दी की माला पहनाकर पीली मिठाई का भोग व इत्र अर्पित कर प्रार्थना करने से समस्त वाद-विवादों व मुकदमों से रक्षा होती है।

विपत्ति नाश- नवरात्रि में या विजयादशमी के दिन किसी सिद्धपीठ, सिद्ध मंदिर में दुर्गा देवी को लाल गुडहल के फूलों की माला पहनाकर श्री दुर्गाद्वात्रिंशत नाममाला के 108 पाठ से संपूर्ण भयों से मुक्ति हो जाती है। यह श्रीदुर्गा सप्तशती में वर्णित है।

कारोबार- मां महाकाली को नवरात्रि में शनिवार व मंगलवार को 108 फूलदार लौंग की मौली में माला बनाकर पहनाने से, किशमिश व गुलाब जामुन का भोग अर्पित करने से कारोबार में बढ़ोत्तरी होती है। नौकरी में अकारण आ रही बाधाओं व अभिचारों की शांति होती है।

सर्वसौभाग्य- सोमवार को 108 बिल्वपत्र पर चंदन से "ॐ नमः शिवाय" लिखकर शिव जी को माला पहनाने से शिव कृपा से अष्टसिद्धि, नवनिधि व मोक्ष प्राप्त हो जाता है। इसी प्रकार सोमवार को शिवजी को सफेद आंकड़े के फूलों की माला पहनाने से सभी संकटों से रक्षा होती है। शिव कृपा से सर्वसौभाग्य मिलता है। मानव जीवन धन्य हो जाता है। सोमप्रदोष, सोमवार या शिवरात्रि के दिन सपत्निक संकल्प लेकर शिव जी की विधिवत पूजन कर 108 रुद्राक्षों की माला पूर्ण श्रद्धा से पहनाकर ओम नमः शिवाय का जाप कर पंचामृत, पंचमेवा व भांग का भोग अर्पित कर वितरण कर व्रत धारण करने से सर्वसौभाग्य प्राप्त होवे।

यश कीर्ति हेतु- 108 बैजयन्ती के बीजों की माला बनाकर श्रीकृष्ण को कृष्ण जन्माष्टमी को पहना "ॐ क्लीं कृष्णाय नमः" का 108 जाप कर मक्खन मिश्री का भोग लगाने से सुख समृद्धि यश की कीर्ति मिलती है।

सुख-शांति- सोमवार को चंदन की माला शिवजी को पहना चंदन का इत्र लगा " ॐत्रयम्बक यजामहे सुगन्धिम्पुष्टिर्वद्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धामन्मृत्युोम्मुक्षीयमामृतात ॐ" की 108 आवृत्ति करने से शिव कृपा से जीवन सुगंध से महक उठेगा।

देवी कृपा- नवरात्रि में मोगरे की कलियों की माला से देवी का विधिवत पूजन कर दरबार सजाकर, कन्या-बटुक भोज करा दक्षिणा सहित वस्त्र दान करें। प्रार्थना करें "ॐ मम गृहे सुख, शांति, आरोग्य, ऐश्वर्य, धन, वैभव प्रदान कुरु-कुरु एवं सर्वविघ्न बाधा शांति भवः।

लक्ष्मी कृपा- दीपावली या धनतेरस अथवा अक्षयतृतीया, बसंत पंचमी, नवरात्रि में लक्ष्मी जी को कमल के फूलों की या 108 कमलगट्टे की माला पहनाकर श्री सूक्त के 11 पाठ नित्य 16 दिन तक करने से सिद्ध लक्ष्मी की तत्काल प्राप्ति होती है।

लक्ष्मी कृपा- दीपावली या धनतेरस अथवा अक्षय तृतीया को 11 श्री फलों (नारियल) की मौली में माला बना कर महालक्ष्मी को पहना विधिवत पूजन कर लाल चुनरी ओढ़ाने से माँ की असीम कृपा प्राप्त होती है।

अरिष्ट निवारण- शनिदेव को शनिवार को लाजवंती के फूलों की माला पहनाकर सरसों के तेल से शनिदेव के घुटनों का अभिषेक करें। इस मंत्र का जाप करें-

"ॐ कोणस्त पिंगलो ब्रभुः कृष्णो रौद्रान्तको यमः।
शौरी शनैश्चरो मन्दः पिप्पलादेन संयुतः।।
ॐ ध्वजनी धामिनी चैव कंकाली कलः प्रिय।
कलही कंकटीचापी अजा महिषी तुरंगमा।।"

प्रेत बाधा- शुक्रवार को घर में 21 नींबू लाकर पूरे घर में रख देवें। शनिवार को सभी नींबुओं की माला बनाकर बटुक भैरव को पहना देवे। नमकीन व इमरती अर्पित करे। बटुक भैरव के मंत्र "ॐ ह्रं बटुकाय नमः" का या भैरव के 108 जाप करें। इनकी आराधना करने से नकारात्मकता व भूत-प्रेत दूर हो जाते हैं।

शनि कृपा- शनिवार को श्यामा तुलसी दलों की मौली में माला बनाकर शनिदेव को पहना कर सरसों का तेल का दीप लगावें, दशरथकृत शनि स्त्रोत का पाठ 40 दिन तक करें।

सुख सम्पदा हेतु- सिद्ध शक्तिपीठ कामाख्या देवी को कमल के फूलों की अथवा कमलगट्टे की माला पहनाने से कन्या पूजन से सुख-सम्पदा प्राप्त होवे।

नजर दोष- नवरात्रि में शनिवार के दिन माँ महाकाली को 21 हरे नींबुओं की माला पहना पान का बीड़ा अर्पित कर 'सर्वस्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते भयेभ्यस्त्राहिनो देवि दुर्ग देवि नमोस्तुते' का 108 बार जप करने से तंत्र, मंत्र, रोगों से रक्षा व नजर दोष का शमन होता है।

सर्वसौभाग्य प्राप्ति- नवरात्रि में मंगलवार व शुक्रवार को महाकाली माँ को 33 नींबुओं की माला (33 करोड़ देवी-देवताओं के प्रतीक रूप में) पहनाकर श्री दुर्गाद्वात्रि शत् नाममाला के 1008 पाठ से सर्वग्रह शांति, सायुच्य मुक्ति व सर्वसौभाग्य प्राप्त होता है।

कामना पूर्ति- स्नान के बाद गणेश मंदिर में घी के 8 दीपक लगा कर पीतल का घंटा चढ़ा कर "ॐ वक्रतुण्डाय हुम्" का 1008 जाप करें। श्वेत मन्दार के फूल की माला पहनाएं।

सर्व कामना- श्री गणेश वरद चतुर्थी के दिन गणेश मंदिर में दूर्वाकुंर व लाल गुलाब की माला पहनाकर विधिवत पूजन कर तिल्ली के तेल के चार दीपक लगा तिल, गुड़ व मोदक का भोग लगा कर "ॐ गं गणपतये नमः" की 11 माला जपें। चार छोटे बालकों को प्रसाद बांटें।

व्यापार वृद्धि- 11 पत्ते अशोक के, 11 पत्ते पीपल के, 11 पत्ते बड़ के लेकर एक-एक पत्ते लगाकर बंदवार बनाकर घर के मुख्य द्वार या व्यावसायिक स्थल पर पूर्णिमा के दिन बांधने से बरकत होगी। रुका हुआ काम चल निकलेगा।

बंधन मुक्ति- मंगलवार को हल्दी से रंगा हुआ जनेऊ व 11 पीपल के पत्तों पर लाल चंदन से राम नाम लिखकर माला बनाकर हनुमानजी को चढ़ाने से व्यक्ति सभी बंधनों से छूट जाता है।

श्री ॐ गं गणपतये नमः

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष। यह माह आपके लिये व्यस्तता भरा रहेगा। सफलता मिलेगी परिवार एवं मित्रों से भेंट होने से मन प्रसन्न होगा व्यापार में अनुकूलता बनी रहेगी। समाज में प्रतिष्ठा यश मिलेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। धन लाभ होगा विरोधी परास्त होंगे। लम्बी यात्रा के सुअवसर मिलेंगे। मकान, वाहन खरीदेंगे। मौज-मस्ती एवं परिवार के साथ समय व्यतीत होगा, भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। खर्च की अधिकता रहेगी, विवाह सम्बंध तय होंगे।

वृषभ। यह माह आपके लिये मान प्रतिष्ठा एवं भौतिक सुख-साधनों में वृद्धि देने वाला होगा। संतान सुख प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग को परीक्षा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, धन-लाभ प्राप्त होगा। लम्बी यात्रा होगी। रूके कार्य पूरे होगें नये कार्य की शुरूआत करेंगे। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा शुभ समाचार प्राप्त होगा। व्यापार में सफलता राजकार्य से सफलता क्रोध से दूर रहें खर्च से बचें। उन्नति के अवसर मिलेंगे। शत्रु से परेशानी भी उठानी पड़ सकती है।

मिथुन। माह आपको शुभ समाचार प्राप्त होगा। मांगलिक कार्य होंगे। यात्रा होगी। वाहन क्रय करेंगे। भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि, संतान की ओर से चिंता एवं परेशानी बनी रहेगी। घर परिवर्तन करेंगे। जमीन, सम्पत्ति विवाद में सफलता मिलेगी, माता से वैचारिक मतान्तर रहेंगे। सट्टे, शेयर्स आदि से दूरियां बनाये रखें। विद्यार्थी को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। व्यर्थ के आडम्बर से बचें। जीवन साथी की ओर से स्नेह प्रेम बढ़ेगा।

कर्क। यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा, मानसिक अस्थिरता रहेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थान-परिवर्तन, वाहन, मकान क्रय करेंगे। सफलता मिलेगी। जीवन में नये कार्य की ओर अग्रसर बनें रहेंगे। आलस्य एवं थकान बनी रहेगी। संतान की ओर से परेशानी रहेगी। रूका धन प्राप्त होगा। यात्रा के योग, जीवन साथी का स्नेह बना रहेगा। माता का स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे।

सिंह। इस माह में आपको संतान सुख मिलेगा। कार्य में सफलता व शुभ समाचार प्राप्त होगा। मान-सम्मान और सामाजिक उत्सवों में भाग लेगें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थान परिवर्तन होगा। जीवन साथी से मतभेद बना रहेगा। यात्रा होगी। अपने परिश्रम से व्यापार में उन्नति करेंगे। क्रोध एवं झगड़ों से दूर रहें। भागदौड़ ज्यादा बनी रहेगी। धन लाभ होगा। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। समय अच्छा व्यतीत होगा। विवाह सम्बंध तय होगा। शुभ कार्यों में भाग लेगें।

कन्या। यह माह आपके लिये सामान्य रहेगा। शुभ समाचार मिलेगा। संतान के कार्यो से खुशी मिलेगी ।मान-सम्मान प्राप्त होगा। साझेदारी से दूरी बनाये। आलस्य को त्यागें, जीवन साथी की चिंता बनी रहेगी। प्रियजन से भेंट होगी। खर्च अधिक होगा, नये कार्यों की ओर अग्रसर होंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें वाहन से सावधानी, विद्यार्थी वर्ग ध्यान पढ़ाई पर करें। आय बढ़ेगी, पाचन तंत्र से कष्ट, तीर्थ केन्द्रित यात्रा, शुभ कार्यो, मांगलिक आयोजनो में भाग लेगें।

तुला। यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। मांगलिक कार्यो में देरी होगी। संतान एवं जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। प्रियजन से मुलाकात शुभ समाचार मिलेगा। न्यायालयीन प्रकरणों से सफलता मिलेगी। धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहेंगे। यात्रा होगी सुख-सुविधा में वृद्धि व्यर्थ की भागदौड़ राजकीय पक्ष से लाभ, आगे बढ़ने के नये अवसर मिलेंगे। विरोधी परास्त होगें। मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक। यह माह आपके लिये सफलतादायक रहेगा। मन के कार्य होगें। न्यायालीन प्रकरणों में सफलता मिलेगी। सुख-समृद्धि बढ़ेगी। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता, रूका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। वैवाहिक सम्बन्ध होंगे। आर्थिक सम्पन्नता बढ़ेगी। बच्चों की ओर से परेशानी का सामना करना पड़ेगा। जान-पहचान का क्षेत्र विस्तृत एवं लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। शत्रु परास्त होंगे। खर्च की अधिकता बनी रहेगी।

धनु। यह माह आपके लिये धन लाभ कार्यो में अनुकूलता, प्रतियोगी परीक्षा में सफलता देने वाला होगा। वाहन, मकान क्रय करेगे। मन के कार्य होने से खुशी मिलेगी। संतान के कार्यो में सफलता परिवार से सहयोग एवं उन्नति की ओर अग्रसर होगें। जीवन साथी तथा मित्र का पूर्ण सहयोग मिलेगा। यात्रा होगी व्यापार से अपने लक्ष्य की प्राप्ति, शुभ समाचार मिलेगा, किन्तु खर्च अधिक होगा।

मकर। इस माह में आपके यहाँ मांगलिक कार्य होगें। परिवारजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। अपने आत्म विश्वास से हर कार्य में सफलता अर्जित करेंगे। यश सम्मान मिलेगा। शुभ समाचार एवं विशिष्ट व्यक्ति से मुलाकात होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर रहेगें एवं संतान की ओर से चिंता बनी रहेगी। साझेदारी के कार्यो से दूर रहें। कर्ज से छुटकारा मिलेगा।

कुंभ। यह माह आपके लिये सामान्य व्यतीत होगा। व्यापार में बढ़ोत्तरी होगी। पिता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। राजकीय कार्य पूर्ण होगें। घर में मांगलिक कार्य, परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यर्थ के वाद विवाद से बचें। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। विरोधी सक्रिय होगें। उच्च अधिकारी से भेंट होगी। धन लाभ एवं मेहमानों का आगमन बना रहेगा। अस्वस्थता बनी रहेगी।

मीन। यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। मान-सम्मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेगें। नई-नई योजनाओं पर कार्य करेंगे। विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। पारिवारिक सुख मिलेगा। मकान, वाहन खरीदने का मन बनायेंगे। स्थान परिवर्तन होगा। संतान के कार्य से दुःखी होंगे। कार्य की अधिकता बनी रहेगी, यात्रा होगी। स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें। खर्च अधिक होगा।

श्री मदनलाल डागा

रतलाम। प्रतिष्ठित व्यवसायी मोहनलाल डागा व शैलेन्द्र डागा के पिता श्रीमदनलाल डागा का गत दिनों देहावसान हो गया। स्थानीय समाज व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित कई गणमान्यजनों ने श्रृद्धांजलि अर्पित की। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि का भरापुरा शोकाकुल परिवार छोड़ गये हैं।

श्री शिवनारायण भूतड़ा

दुर्ग। वरिष्ठ समाजसेवी श्री शिवनारायण भूतड़ा का गत दिनों 83 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। पुत्र राणा भूतड़ा सहित आप पौत्र-पौत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गये।

दिवंगत आत्माओं को
'श्री माहेश्वरी टाईम्स' परिवार
की ओर से
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रीमती शांतिदेवी बांगड़

भोपाल। समाज की वरिष्ठ सदस्य श्रीमती शांतिदेवी धर्मपत्नी स्व. श्री गौरीशंकर बांगड़ का 78 वर्ष की अवस्था में गत 24 नवंबर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र सत्यनारायण व कृष्णकुमार राठी तथा 5 पुत्रियों व पौत्र-पौत्री, नाती-नातिन आदि से भरापुरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती गीता देवी मंत्री

सनावद। निमाड़ क्षेत्र के ख्यात व्यवसायी एवं माहेश्वरी समाज जिला खरगोन के पूर्व अध्यक्ष स्व. सेठ श्री माणकचंद मंत्री की धर्मपत्नी श्रीमती गीता देवी मंत्री का गत 23 नवम्बर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं। कई गणमान्यजनों ने उनकी अंतिम यात्रा के अवसर पर उपस्थित रहकर श्रृद्धांजलि अर्पित की।

श्री रामबिलास बंग

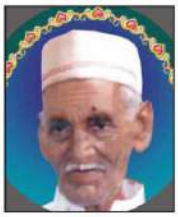

वरंगल। समाज सदस्य श्री रामबिलास बंग सुपुत्र श्री खाजु लालबंग का स्वर्गवास गत 13 दिसंबर 2015 को हो गया। आप अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्रीमती द्वारका बाई लाठी

जलगाँव। समाज सदस्य अरविन्द, अनिल, दिलीप व अविनाश की माता श्रीमती द्वारकाबाई-बंकटलाल लाठी का गत 30 नवम्बर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे पौत्र-पौत्री आदि से भरापुरा शोकाकुल परिवार छोड़ गई हैं।

श्री मोहनलाल सोमानी

राँची। श्री माहेश्वरी सभा रांची के संरक्षक, बिहार प्रदेश माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, अ. भा. माहेश्वरी महासभा के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य वरिष्ठ समाजसेवी श्री मोहनलाल सोमानी का स्वर्गवास गत 10 दिसम्बर को 88 वर्ष की आयु में हो गया। आप अपने पीछे चार पुत्र-पुत्र वधू पौत्र-पौत्री, प्रपौत्र-प्रपौत्री आदि का भरापुरा परिवार छोड़ गये हैं।

श्री प्रयागदास भूतड़ा

दुर्ग। समाज के वरिष्ठ श्री प्रयागदास भूतड़ा का 75 वर्ष की अवस्था में गत 28 नवम्बर को देहावसान हो गया। आप अपने पीछे 1 पुत्र व 3 पुत्री आदि का भरापुरा परिवार छोड़ गये हैं। आप पुरूषोत्तम भूतड़ा के पिता एवं छत्तीसगढ़प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष विट्ठलभूतड़ा के बड़े भाई थे।

Net Protector
NPAV
Total Security
PC, Laptop, Tablet, Mobile
Total सुरक्षा
Call :
9272707050 / 9822882566
india antivirus.com

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.
Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu
Call: 9225664817
020-65601926
Kundali 2012
www.kundalisoftware.com

पुण्य स्मरण

हमारे प्रेरणा-स्रोत

परम श्रद्धेय

स्व. श्री बंशीलाल बाहेती

(तृतीय पुण्यतिथि)

परम श्रद्धेय

स्व. श्री मदनलाल पलौड़

(प्रथम पुण्यतिथि)

आपसे मिली प्रेरणा
दीपक की तरह
करती रहेगी रोशन हमारी राहें.

विनम्र श्रद्धांजलि.

श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार

DSPL DSPL DSPL

धूत संगेमरमर प्रा॰ लिमिटेड

जैन एवं वैष्णव मंदिरो व मूर्तियो के निर्माता एवं निर्यातकर्ता

ग्रह निर्माण एवं ग्रह सज्जा हेतु

विभिन्न प्रकार की जालियां पिलर फाउन्टेन मूर्तियों के निर्माता एवं निर्यातकर्ता

शोरुम :–
बी–9, बाईस गोदाम,
इन्डिस्ट्रियल एस्टेट,
जयपुर
फोन : 0141–2212714, 2213286
फैक्स : 0141–2212738

इ–मेल : raghav@dhootstonecraft.com
dspldesign@gmail.com

वेबसाईट : www.dhootstonecraft.com

फैक्ट्री :–
मंगलाना रोड़ रेलवेक्रोसिंग
मकराना
फोन : 01588–285303,
फैक्स : 01588–285351

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/ 2013-2016
Despatch Date - 02 January, 2016

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com